一 一 本 計 一 つか 一 の 。



प्राधिकार से प्रकाशित १०६८।ऽमह्य १४ ४०७म० १। ७४

सं० 22]

नई विल्ली, शनिवार, मई 29, 1982 (ज्येष्ट 8, 1904)

No. 22]

NEW DELHI, SATURDAY, MAY 29, 1982 (JYAISTHA 8, 1904)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड ा

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग नर्इ बिल्ली-110011, दिनांक 20 अप्रैल 1982

सं. ए. 32015/1/80-प्रशा.-।।— इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 8 जनवरी, 1982 के अनुक्रम में सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्द्यारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थायी अन्संधान सहायक (अ. एवं सा.) तथा स्थानापन्न अनुसंधान अन्बेषक श्री श्रार. डी. क्षत्रिय को 14-4-1982 से 13-7-1982 तक 3 माम की अग्रेतर अविध के लिए अथवा आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो, श्रीमती राजकुमारी आनंद, किनष्ठ अनुसंधान अधिकारी (अ. एवं सा.) के अवकाश पर होने के कारण उनके स्थान पर किनष्ठ अनुसंधान अधिकारी (अ. एवं सा.) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियक्त करते हैं।

पी. एम. राणा अनुभाग अधिकारी, कृते मच्चिय संघ लोक संवा आयोग

केन्द्रीय सतर्काता आयोग

नर्ह दिल्ली, दिनांक 20 अप्रैल 1982 [†]

सं. 2/20/82-प्रशासन--केन्द्रीय सतर्काता आयुक्त एतद्-व्यारा श्री सूरजीत सिंह, स्थायी सहायक की आयोग में रु. 650-1-8601/82 (7055) 30-740-35-810-ई बी-35-880-40-1000-ई बी-40-1200 के वेतनमान में 20-4-1982 से 29-5-1982 तक या अगले आदश तक जो भी पहले हो, स्थानापन्न रूप से अनुसंधान अधिकारी नियक्त करते हैं।

ए. को. सनियास अवर समित्र करो केन्द्रीय स्तर्काता आयक्त

गृह मंत्रालय का. एवं प्र. सु. विभाग कोन्द्रीय अञ्चेषण ब्युरो

नई दिल्ली, दिसंक 11 मई 1982

मं. ए.-19021/7/82-प्रशा.-5--राष्ट्रपति अपने प्रसाद सं श्री के. के. मंडल, भारतीय पूलिस सेवा (पिरचम बंगाल---1968) की दिनांक 23 अप्रैल, 1982 के पूर्वाहन से केन्द्रीय. अन्वंषण ब्यूरो, विशेष प्लिश स्थापना में प्रतिनिय्क्ति. पर पूलिस अधीक्षक के रूप में निय्क्त करते हैं।

मं . ए-19021/8/82-प्रशासन-5-भारतीय पर्यटन विकास किन्द्रीय किन्द्र से प्रत्यावर्तन हो जाने पर, राष्ट्रपति अपने प्रसाद से केन्द्रीय अन्वंश्रप ब्यूरो/विशेष पुलिस स्थापना में पुलिस उपाधीक्षक श्री

स्वर्ण सिंह को दिनांक 28 अप्रैल, 1982 के अपराहन से अगले आदेश तक को लिए अस्थारी रूप से कोन्द्रीय कालेगण ज्यूरों/ विद्यालय स्थापना मां स्थानायन सहायक निद्यालक के रूप मी नियुक्त करते हो।

सं. ए-19021/9/82-प्रशासन-5—नाष्ट्रपति गे अपने प्रसाद मी श्री कोषक चौस्पेल, पुलिस अधीक्षक (जम्म् एवं कश्मीर नाज्य संवर्ग के अधिकारी) को दिनांक 26-4-1982 के अपनाहन सं केन्द्रीय, अन्योगन व्यूरों, विशंध पुलिस स्थापना मो प्रतिर्गण्यित पर पुलिस अधीक्षक के रूप मो नियुक्त करते हों।

सं. ए-19035/1/82-प्रशा - -5—निदशक, केन्द्रोय अन्त्रे-षण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरक्षिक, विशेष पुलिस स्थापना अपने प्रसाद से श्री उमा कान्त गर्मा, अपराध सहायक, को दिनांक 30-4-1982 (अपराहन) से दिनांक 18-6-1982 तक तद्वर्थ आधार पर केन्द्रीय अन्त्रेषण ब्यूरो, मुख्यालय, के प्रशासन-।। अनुभाग में कार्यालय अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हो।

सं. ए-22013/1/82-प्रशासन-5—निव शक/केन्द्रीय अन्बे-षण ब्यूरो एवं पृलिस महानिरीक्षक, विशेष पृलिस स्थापना सपने प्रसाद से श्री टी. सूदर्शन राव, अपराध सहायक की प्रान्नित पर दिनांक 1-5-1982 से दिनांक 31-7-1982 तक और तीन महीने की अविध के लिए केन्द्रीय अन्बेषण ब्यूरों में तदर्थ आधार पर कार्यालय अधीक्षक, केन्द्रीय अन्बेषण ब्यूरों के रूप में नियुक्त करते हैं।

> आर. एस. नागपाल प्रशामनिक अधिकारी (स्था.) केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस फोर्म महानिदिशालय

नई दिल्ली-110066, दिनांक 3 मर्ड 1982

- 2. श्री प्रसाद ने केन्द्रीय रिजर्व पूलिस फोर्स के महानिरक्षिक सेक्टर-4, शिलांग के पद का कार्यभार 20 अप्रैल, 1982 के अपराहन से सम्भाला।

ए. को. सूरी सहायक निद्शाक (स्थापना)

महानिद्योशक का कार्यालय केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नर्ड दिल्ली-110019, दिनांक 27 अप्रैल 1982

- सं. ई-16013 (1)/1/81-कार्सिक—प्रतिनिय्कित पर् स्थानांतरित होने पर, श्री एच. पी. क्षार, भा. पु. से. (पं. गं. 62) ने 17 मार्च, 1982 के पूर्वाह्म सं के. औ. सू. ब. यूनिट भारी अभियंत्रण निगम लिमिटेड रांची दें उप महानिरीक्षक के पद का कार्यभार संभाल लिया।
- ं सं. ई-16013 (2)/1/81-कार्मिक--प्रतिनियक्ति एर स्थानांतरित होने पर श्री ए. के. अबरोल, भा. प्. से. (प. बं. : 72) वंशी उदयवीर, भा. पु. सं. केस्थान पर

02 मार्च, 1982 के अपराहन से के. औ. सू. ब. यूनिट, एम. ए. एम. सी. दुर्गापुर के कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया। श्री उदयबीर ने उसी नारील से उक्तपद का कार्यभार छोड़ दिया।

मं. ई-16014 (2)/4/81-कार्मिक—उत्तर प्रदेश पृलिस को प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरित होने गर श्री रांशन लाल ने 23 सार्च, 1982 के अपराहन संप्रशिक्षण रिजर्ब, को. औ. सू. व. म्ह्यालय, नई दिल्ली के कमांडेन्ट के पद का कार्यभार छोड दिया।

मं. ई-16016/6/81-कार्मिक---प्रतिनियुक्ति पर स्थानां-तरण हांने पर श्री के. एस. ढीगरा ने 01 अप्रैल, 1982 के पूर्वाह्न में महानिदंशक/के. औ. सुब., नई दिल्ली के कार्या-लय में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं. ई-38013 (4)/19/81-कार्मिक—बुर्गाप्र के स्थानां-तरेंग्ण होने पर, श्री ए. बी. मजूमदार ने श्री के. पी. नायक के स्थान पर 8 फरवरी, 1982 के अपराह्न में के. औ. सु. ब. यूनिट, एफ. मी. आई. न्यू जलपाई गृड़ी के महायक कमांडेन्ट के पद का कार्यभार सम्भाल लिया। श्री के. पी. नायक ने उसी तारीख से उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

मं. ई-38013 (4)/31/81-कार्मिक—चन्द्रपूरा को स्थानां-तरण होने पर, श्री के. एस. मिनहास ने 12 फरवरी, 1982 के अपराहन से के. औ. मू. इ. यूनिट एन. पी. पी. सी. एन./नागालैण्ड के महायक कमांडेन्ट के पद का कार्यभार छोड़ दिया। उन्होंने 15 फरवरी, 1982 के पूर्वाहन से के. औ. स्. इ. यूनिट मी. टी. पी. एस. चन्द्रपूरा के महायक कमांडेन्ट के पद का कार्यभार सम्भान निया।

मं. ई-38013 (4)/31/81-कार्मिक—स्थानांतरण होने पर श्री टी. नाथ ने 1 मार्च, 1982 के पूर्वाह्न से के. औ. स्. ब. यूनिट ए. एस. पी. द्राप्र के सहायक कमांडेन्ट के पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने उसी तारील से के. औ. स्. ब. यूनिट डी. टी. पी. एस. (डी. बी. सी.) के सहायक कमांडेन्ट के पद का कार्यभार सम्भान निया।

मं. ई-38013 (4) 1/82-कार्मिक — एच. एम. टी. लिमिटेड, बंगलीर से प्रत्यावर्तन होने पर श्री सुरोन्द्र मोहन ने 27 फरवरी, 1982 के पूर्वाहन से के. औ. स्. ब. यूनिट, वी. पी. टी., विशाखापटनम के सहायक कमांडोन्ट के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सूरोन्द्रनाथ महानिद्देशक

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नर्ष दिल्ली-110011, दिनांक 5 मर्ष 1982

सं. 7/2/81-प्रशा.-1—-राष्ट्रपति, नर्झ दिल्ली मे भारत के महापंजीकार के कार्यालय में निम्निलिशित अधिकारियों को उनके समक्ष दर्शित तारीखों से सहायक निद्देशक जन्मणना कार्य के पद पर सहर्ष स्थायी तौर पर नियुक्त करते हैं - -

- 1. श्री एस. के. मज्मदार---13-9-1980
- 2. श्री बी. डी. शर्मा--13-9-1980
- 3. श्री एस. के. पाठक---13-9-1980
- 4. श्री के. वी. राम्स्वामी--26-7-1981

पी. पद्मनाथ भारत के महापंजीकार

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

सीमाशूल्क, उत्पादन शुल्क तथा स्वर्ण नियंत्रण

अपील अधिकरण का कार्यासय

नई दिल्ली, दिनांक 5 मई 1982

फा. सं. 6 (4) सी. उ. स्व. अ. अ. /82—-श्री एन. शौरिराजन नं, जो पिछलं दिनों सीमा शुल्क भवन, मद्रास, में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर कार्य कर रहे थे, 12 अप्रैल, 1982 पूर्वाह्न से महायक रिजस्ट्रार, अपील अधिकरण (सीमा-शुल्क, उत्पादन शुल्क तथा स्वर्ण नियंत्रण) के पद का कार्यभार सम्भाल लिया है।

आर. एन. सहगल रिजस्ट्रार

आर्थिक कार्य विभाग

बैंक नोट मुद्रणालय

देशास (म .प्र.)-455002, दिनांक 1 मर्ड 1982

बस्ती कमांक बी. एन. पी./सी./5/82—श्री ए. एल. दातार स्थामी उप कार्य अभियंता को स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता (सिविल) के पद पर रूपमें 650-30-740-35-810-द. रो.-35-880-40-1000-द. रो.-40-1200 (समूह ''ल' राजपत्रित) के वेतनमान में बैंक नोट मुद्रणालय, देवाम (म. प्र.) में दिनांक 29-4-82 (पूर्वाष्ट्रन) से आगामी आदेशों तक नियुक्त किया जाता है।

म्, वै. चार महाप्रबंधक

भारत प्रतिभृति मृद्रणालय

नासिक रांड, दिनांक 2 मई 1982

कमांक 209/ए—निम्न हस्तांक्षरी श्री एम. एस. पाण्डो, नियंत्रण निरक्षिक (वर्ष 3 अराजपत्रित) भारत प्रतिभूति मृदणालय, नासिक रोड कां, उसी मृद्रणालय में उप नियंत्रण अधिकारी (वर्ग 2 राजपत्रित) के पद पर, श्री नारायण सामी की प्रशासन अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति के रूप में प्रान्तित के कारण, रिक्त हुए स्थान पर दिनांक 20-4-82 से 19-10-82 तक तदर्थ आधार पर रज्ञ. 650-30-740-35-810-ई. बी.-35-880-40-1000-ई. बी.-40-1200 की वेतन श्रंणी में नियंकत करते हैं।

पी. एस. शिवराम महाप्रबंधक

भारतीय लेखापरीक्षा एवं लेखा विभाग अहमदाबाद, दिनांक 5 मर्झ 1982 अहमदाबाद, दिनांक 5 मर्झ 1982

सं. स्था(ए)/जीअं//165(ए)—-महालेखाकार ग्जरात के अधीन लेखा-संवा के स्थागी सदस्यों को उनकी नामावली के सामनं दर्शाए गए दिनांक से लेकर अगला आदोश मिलने तक महालेखा-

कार गुजरात के कार्यालय में स्थानापन्न लंखा अधिकारी के रूप में नियुक्ति बोने की कृपा की हैं।

- 1 श्री आर. सी. जैन---अहमवाबाद कार्यालय 2-4-82 पूर्वाह्न से
- 2. श्री एम. वी. रामचन्द्रन—अहमदाबाद कार्यालय 2-4-82 पृत्रहिन से
- 3 श्री यू. ए. भट्ट--अहमदाबाद कार्यालय 2-4-82 अपराह्न से
- 4 श्री पी. एल. त्रिवंदो-- राजकाट कार्यालय 2-4-82 अपराहन मं
- 5. श्री इ. एम. गोपालन—-गजकांट कार्यालय 2-4-82 अपराहन से
- 6 श्री पी. बी. शाह--- अहमदाबाद कार्यालय 2-4-82 अपराह्न से
- 7. श्री पी. एस. परमार---अहमवाबाद कार्यालय 2-4-82 अपराहन सं
- 8. श्री एम. एस. संकवाना---अहमवाबाद कार्यालय 2-4-82 अपराहन से

उपयुक्त पदान्तियां तदर्थ आधार पर 1980 के विशेष दीवानी मिविल आवंदन पत्र संख्या 735 में गुजरात उच्च न्याया-लय के अंतिम आवंशों की प्राप्ति की शतों पर की जाती है।

> मी. बी. अवधनि व. उप महालंखाकार (प्रशासन)

बम्बर्ड, दिनांक 30 अप्रैल 1982

क. प्रशासन-1 / सामान्य / 31-खण्ड-3 / सी-1(1) 2-- महा-लंखाकार महाराष्ट्र (1) वस्बर्ध अधीनस्थ लंखा सेवा के अनुभाग अधिकारी श्री जी. एन. गायकवाड को दिनांक 20-4-82 (पूर्वाहन) में आगामी आदोश तक स्थानापन्न रूप से लेखा अधि-कारी/ नियक्त करते हैं ।

> सं. र. **म्पा** वरिष्ठ उपमहालेखाकार प्रशासन

कार्यालय महालेखाकार (प्रथम) तमिलनार

मन्राम, दिनांक । अप्रैल 1982

स म ले(1) /स्था-1 /जी बी /82-83 /892--श्री टी . एस वालसुब्रमणियन (जन्म तिथि 25-8-1927) लेखा-अधि-कारी, कार्यालय महालेखाकार (प्रथम) तमिलनाङ्गमदास, दिनांक : 23-2-1982 में मेर गर्य ।

> सी शंकर मैनन महालेखाकार (प्रथम) तमिल्नाजु, मद्रास-18

श्रीनगर, विनांक 10 मर्इ 1982

वातल को स्थानापन्न क्षमता में लेखा अधिकारी के रूप मे- प्रोन्नत किया ह⁴

सं. प्रशा. -1/60 ()/82-83/518-522---महालेखा-कार जम्मू व कश्मीर ने 1-5-1982 (पूर्वाह्न) से प्रभावी अगले आदोश जारी होने तक एक स्थाई अनुभाग अधिकारी श्री सोमनाथ

मुहम्मद शफी उप महालेखाकार (प्रशासन)

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियंत्रक

नई दिल्ली-110066, दिनांक 6 मई 1982

सं प्रणा -11/2603/82-1--रक्षा लेखा महा नियंत्रक एसद्वारा निम्नलिखित स्थायी श्रनुभाग श्रधिकारियों (लेखा) की प्रत्येक के समक्ष दर्शीयी गई तारीख के पूर्वाह्म से मूल पदधारी लेखा श्रधिकारी के रूप में, नियुक्त करते हैं:---

ऋम संख्या	नाम				संगठन जहां सेवारत है	प्रभावी	तारीख
1	2	18-2			3		4
	सर्वेश्री						·
1.	एस० भट्टाचार्जी				लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	1-	4-81
2.	मोहन लॉल .		•		रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद	1	1 –81
3.	ए० बी० चौधरी				रक्षा लेखा नियंत्रक (वायु सेना) देहरादून	1-4	1 –81
4.	वी० परमेश्वरन नायर			•	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता	1	4-81
5.	भ्रार० पो० नां गि या		•	•	रक्षा लेखा नियंत्रक (मध्य कमान) मेरठ	14	L-81
6.	मोहन सिंह		-		रक्षा लेखा नियन्नक (पश्चिमी कमान) मरठ	1-6	6 ⊢8 1
7.	श्रारे० सुद्रामनियम				रक्षालेखानियंत्रक (ग्रफसर) पूना	1-4	1-8 1
	-						

ए० के० घोप रक्षा लेखा उप महानियंत्रक (प्रशासन-2)

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात का कार्यालय रहाँ दिल्ली-110001, दिनांक 10 मर्ड 1982 आयात-निर्यात व्यापार नियंत्रण (स्थापना)

सं. 1/2/82-प्रशासन (राजपत्रित)/2929—राष्ट्रपति, श्री जे. के. माथुर (1908 के केन्द्रीय सिचवालय सेवा के वर्ग-। की प्रवरण सूची) को केन्द्रीय मिचवालय सेवा के वर्ग-। में और इस कार्यालय से उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंति के रूप में 1 फरवरी, 1982 (पूर्वाह्रन) से तीन महीने के लिए नियुक्त करते हैं।

> वी. शेष्त्र संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-नियति

नई विल्ली, दिनांक 30 अप्रैल 1982

सं. 3/571/59-प्रशा. 'राज'/2769—सेवा निवृतन आयु होने पर श्री ए. एन. काँल, इस कार्यालय में स्थानापन्त उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात को 31 जनवरी, 1982 के दोपहर बाद से सरकारी मेवा में निवृत होने की अनुमित दी गर्ड है।

जे. के. माथ्र उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात **कृत्ते** मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

उद्योग मंत्रालय

औदयोगिक विकास विभाग

विकास आयुक्त (लघ उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, विनांक 26 अप्रैल 1982

मं. 12(750)/72-प्रशा. (राज.)— उड़ीसा औद्योगिक एवं तक नीकी परामर्शदात्री संगठन लिमिटेड, भूवनेश्वर में विरष्ठ परामर्शदात्रा (तक नीकी) के रूप में प्रतिनियुक्ति पर जाने के फलस्वरूप श्री ए. रामाराव ने दिनांक 31 मार्च, 1982 (अपरा-हन) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, कटक के उपनिद्शाक (धातू-कर्म) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं. ए-19018/363/78-प्रशा (राज) — निवर्तन की आयु प्राप्त कर लोने पर श्री एस . के. दासग्प्ता, निवेशक, ग्रंड-2 (गा.अ.) ने दिनांक 30 नवम्बर, 1981 (अपराहन) से विकास आयुक्त (लघु उद्योग) के कार्याल्य का कार्यभार छोड़ दिया।

सी. सी. राय उपनिविशक (प्रशा.)

विस्फाटक विभाग

नागपुर, दिनांक 20 अप्रैल 1982

सं. ई ।।(7)—इस विभाग के 11 जुलाई, 1969 के अधिसूचना संख्या ई ।। (7) में श्रेणी 2 नायट्रेंट मिश्रण के क्षीन—

- प्रविष्टि ''गामाडाइन'' ''31-3-82'' में अंकों के स्थान पर ''31-3-83'' अंक प्रतिस्थापित किये जायोगे।
- 2. प्रविष्टि ''मोनं।इन्स्'' ''1982'' मंग अंकों के स्थान मंग ''1983'' प्रतिस्थापित किये जायींगः।
- 3. प्रविष्टि ''पी ई-1-ए ई''''1982'' में अंको के स्थान पर ''1983'' प्रतिस्थापित किये जायेंगे।
- प्रीविष्ट ''पी ई-51, पीई-आय ए एस तथा पी ई-32'' ''31-3-82'' मों अंकों के स्थान पर ''31-3-83'' प्रतिस्थापित कियें जायोंगे।
- प्रविष्टि ''पुलवेर वस'' ''1982'' में अंकों के स्थान पर ''1983'' प्रतिस्थापित किये जायेगे, तथा
- 6. प्रविष्टि ''फिश्याडाइन'' ''31-3-82'' में अंकों के स्थान पर ''31-3-83'' अंक प्रतिस्थापित किये जायोंगे।

चरणजीत नान म्ख्य विस्फोटक नियंत्रक

पूर्ति तथा निपटान महानिवंशालय

(प्रशासन अनुभाग-1)

नई विल्ली, दिनांक 30 अप्रैल 1982

सं. प्र.-1/1(533)---इस महानिद्शालय में स्थाई अवर प्रगति अधिकारी तथा स्थानापन्न सहायक निद्शेक (ग्रंड-।।) श्री आर. रामाकृष्णन निवृतमान आयु होने पर दिनांक 30-4-1982 (अपहाह्न) से सेवा निवृत हो गए।

> मृकुल राय उप निद्येशक (प्रशासन) कृते महानिद्येशक पूर्ति तथा निषटान

नई दिल्ली, दिनांक 3 मई 1982

सं. प्र.-1/(1045)—महानिविश्वक पूर्ति तथा निपटान, भई दिल्ली के कार्यालय में सहायक निदा्यक (ग्रेड-।।) श्री राम- किशन दिनांक 27-3-82 के पूर्वाह्न से अवर प्रगति अधिकारी के अराजपत्रित पद पर पदावनत कर दिए गए हों।

एसः एलः कपूर उप निद्येशक (प्रशासन) कृते महानिद्येशक पुर्ति तथा निपटान

इस्पात और सान मंत्रालय

स्थान विभाग

भारतीय सान ब्यूरो

· नागपूर, दिनांक 5 मर्द 1982

सं. ए-19011(52)/77-स्था. ए.—विभागीय पदोन्ति समिति की सिफारिश पर श्री जे. पार्थसारथी, स्थायी विरिष्ठ खनन भूविज्ञानी, को भारतीय खान ब्यूरो में क्षेत्रीय खनन भूविज्ञानी के पद पर दिनांक 18-2-82 (पूर्वाह्न) से पदोन्नित प्रदान की गई हो।

मं. ए-19011(156)78-स्था. ए.—-योजना आयोग में उप-सलाहकार (खनिज) के पद पर प्रतिनियुक्ति होने पर श्री एस. वी. अली, स्थायी उप खान नियंत्रक, भारतीय खान ब्यूरों ने दिनांक 16 नवस्वर, 1981 अपराह्न से भारतीय खान ब्यूरों में उप खान नियंत्रक के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

व. च. मिश्र कार्यालय अध्यक्ष भारतीय सान ब्यूरो

भारतीय सर्वेक्षण विभाग महासर्वेक्षक का कार्यालय वेहरादून, दिनांक 3 मई 1982

सं० सी०-5810/707--- निम्निलिखित अधिकारी भारतीय सर्वेक्षण विभाग में अधिकारी सर्वेक्षकः (ग्रुपं "बी" पद) के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से स्थानापन्न रूप में पूर्णतया तदर्थ अनितम आधार पर नियुक्त किए जाते हैं:---

ऋम सं०	नाम श्रौर पदना म	यू निट/कार्यालय	तारीख
1	2	3.	4
1.	श्री श्रीराम भर्मा, ड्राफ्ट्समैन, डिविजन I सिले० ग्रेड	. सं० ९४ (ए० एम०) पार्टी (सर्वे० हवाई), नई दिल्ली ।	1-2-1982
2.	श्री ज्ञान सिंह रावत, सर्वेक्षण महायक, सिले० ग्रेड	. सं० 90 पार्टी (उ० स०), देहरादून	17-2~1982 (पूर्वाह्न)

				و مساور و به و و و المواد المساور و من من المساور و من من المساور و من من المساور و من من المساور و	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
1	2			<u> </u>	4
3.	श्री सालिग रामः ममगाई ड्राफ्ट्समैन, डिविजनः I सिले० ग्रेड	÷		. सं० 16 श्रारेखण कार्यालय, (मा० प्र० निदेशालय), देहरादून ।	1-2-1982 (पूर्वाह्न)
4.	श्री ए० फेलिक्स, . ड्राफ्ट्समैन,डिविजन I सिले० ग्रेड		٠	. सं० 4 म्रारेखण कार्यालय, (दक्षिणीं सिकल), बेंगलूप ।	2-2-1982 (पूर्वाह्म)
5-	श्री चेतन प्रकाण वर्मा, ड्राफ्ट्समैन, डिविजन, सिल्ठे० ग्रेड	•	•	. सं० 1 श्रारेखण कार्यालय, (मा० प्र० नि०), देहरादून ।	30-1-1982 (पूर्वाह्न)
6.	श्री एम० एच० फ्रांसिस, सर्वेक्षण सहायक, सिले०, ग्रेड	٠	•	. सं० 24 पार्टी (द॰ स०), बेंगलूर ।	2-2-1982 (पूर्वाह्न)
7.	श्री एस० पी० जयाल, सर्वेक्षण सहायक, सिल्ठे० ग्रेड	٠		. सं० 65 (टी०सी० एम०), पार्टी (सर्वे० हवाई), नई दिल्ली ।	1-3-1982 (पूर्वाह्न)
8.	श्री जे० बी० बहुगुणा, मर्वेक्षण सहायक, सिले० ग्रेड		•	. सं० 64 (ए० एच० एस०), पार्टी , (सर्वे० हवाई), नई दिल्लं/ ।	1-3-1982
9.	श्री प्रवेश कुमार पाल, मर्वेक्षण सहायक, मिले० ग्रेड	٠	,	. सं०ा ४ घ्रारेखण कार्यालय, (पूर्वी सिकल), कलकत्ता ।	6 2 1982 (पूर्वाह्म)
10.	श्रा महार्वार प्रसाद, सर्वेक्षण महायक, सिले० ग्रेड			सं० 33 पार्टी (उ० म०), देहरादून ।	17-2-1982 (पूर्वाह्न)
11.	श्री के० एस० भटनागर, सर्वेक्षण सहायक, सिल्ले० ग्रेड	•		. सं० 50 पार्टी, (प्रा० मा० उ०), हैदराबाद	1-2-1982 (पूर्वाह्न)
12.	र्श्वा जे० घ्रार० बालकृष्ण, सर्वेक्षण सहायक, मिले० ग्रेड	٠		. सं० 39 पार्टी, (स० प्र० सं०), हैदराबाद	1-2-1982 (पूर्वाह्न)
13.	श्री पी० ग्रार० जार्ज, सर्वेक्षण सहायक, सिले० ग्रेड		٠	सं० 40 पार्टी, (दक्षिणी सिकलि), बेंगलूर ।	2-2-1982 (पूर्वाह्न)
14.	श्री रणर्जात कुमार मित्रा, सर्वेक्षण सहायक, सिल्ठे० ग्रेड		,	. सं० 63 पार्टी, (पू० स०) कलकत्ता ।	6-2-1982 (पूर्वाह्न)
15.	श्री वाई० ए० <i>णरी</i> फ, मर्वेक्षण सहायक, सिल्ठे० ग्रेड	,	٠	. सं० 24 पार्टी, (द० म०), बेंगल्र ।	2-2-1982 (पूर्वाह्न)

जी० सी० श्रग्रवाल मेजर जनरल, भारत के महासर्वेक्षक

आकाशवाणी महानिद्देशालय

गई दिल्ली, दिनांक 3 मई 1982

मं. 4/4/82-एग.-2--महानिदोशक आकाशवाणी, एनद्-द्वारा श्रीकृती सम्प्र शीदास्त्व, हिन्दी प्राध्यापक, राजभाषा विभाग की समाचार सेवा प्रभाग, आकाशवाणी, नद्दी दिल्ली के कार्यालय में रुपए 650-30-740-35-810-द रो.-880-40-1000-द रो.-40-1200 के वंतनमान में तदर्थ आधार पर प्रतिनिय्क्ति पर हिन्दी अधिकारी नियुक्त फरते हों।

एए. वी. सेपादि प्रशासन उपनिदोशक **कृते** महानिदोशक

नर्ज दिल्ली, दिनांक 5 मर्ड 1982

सं. 4/121/75-एस.-।—-श्री एस. एस. एस. रिजवी, कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी ने 11 फरवरी, 1982 की अपराहन से सरकारी सेंदा से त्याग पत्र वे दिशा है।

विनांक 10 मह 1982

सं. 4(88)80-एस.-।—सहानिद्येशक, आकाशवाणी, एतद्-द्वारा श्री एल. च. साइलो को 7 अप्रैल, 1982 से अगले आदेश तक, आकाशवाणी शिलांग में, अस्थाई रूप में रा. 650-30-740-35-810-द. रो.-35-880-40-1000-द. रो.-40-1200 के वेतनमान में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं. 4(32)81-एस. एक--महानिद्शेक, आकाशवाणी एतद्-द्वारा श्री दिगम्बर कीलाबाजी पिम्पलधर को 9 फरवर्गे, 1982 से अगले आदेश तक, आकाशवाणी, रत्नागिरी में, अस्थाई रूप में, 650-30-740-35-810-द. रो.-35-880-40-1000-द. रो.-40-1200 रु. के वेतनमान सें कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करतें हैं।

सं. 4(46)/81-एस.-।—महानिव शक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री रफीक राज की 8 मार्च, 1982 से अगले आदेशों तक, रेडियो कश्मीर में, अस्थाई रूप में रह. 650-30-740-35-810-द रो -35-880-40-1000-व रो -40-1200 के देतनमान में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्स करते हैं।

मं. 4/61/81-एस.-।—महानिदोशक, आकाशवाणी एतद्-द्वारा श्रीमती नंदिता दिववेदी को 4 मार्च, 1982 से अगले आदोश तक, आकाशवाणी, इलाहाबाद में, अस्थाई रूप में रु. 650-30-740-35-810-द रो.-35-880-40-1000- . द. रो-40-1200 के वेतनमान में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियक्त करते हों।

> हरीश चन्द्र जयाल प्रशासन उपनिक्षेत्रक, कृते महानिक्षेत्रक

नर्हा दिल्ली, दिनांक 10 मर्हा 1982

मं. 10/59/80-एम.-3--श्री पी. एल. बरनवाल, सहायक इंजीनियर, अनुमंशान अभियंता का कार्यालय, आकाश-वाणी, नई दिल्ली को मिगनल इंजीनियरों की भारतीय रोल सेवा में गुण ''क'' अधिकारी के रूप में नियुक्ति के लिए श्रयन होने पर, 26-3-1982 की अपराहन से आकाशवाणी में उनके कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है।

स. ल. भसीन प्रशासन उपनिद्यास, कृते महानिद्यास

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-400026, दिनांक 1 मई 1982

मं 17/51/49-ई एस. टी.-।—मुख्य निर्माता, फिल्म प्रभाग, बम्बई व्वारा दिनांक 13 अप्रैल, 1982 से 30 जून, 1982 तक श्री एस. शेन्कटाचलम्, स्थानापन्न शेल्समैन को तदर्थ रूप में रह. 650-30-740-35-880-ई बी.-40-960 के वेतनमान पर सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा मदूराई शाखा के लिए नये पद की मंजूरी देने पर, स्थानापन्न शाखा प्रबन्धक के पद पर नियुक्त किया जाता है, उनकी नियुक्ति अस्थायी तौर पर मद्रास में की जाती है।

एसं. के. राय प्रशा. अधिकारी **कृते** सुरूप निर्माता

स्वास्थ्य सेवा महानिद्देशालय नईदिल्ली,दिनांक 31 मार्च 1982

सं ० ए० 31014/1/79 सी० जी० एच० एस०-1 (पार्ट)— स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में कार्य कर रहे निम्नलिखित यूनानी चिकित्सकों को उनके नाम के सामने दी गई तारीख से स्थायी रूप से नियुक्त कर दिया है:——

क्रम मं०	डा० का नाम	······································	स्थायी करने की नारीख
1	2	Service and Service page to plan	3
1. 2. 3.	हकीम सईदा फ्लीमा डा० (श्रीमती) एलिया-एमन मोहम्मद कुतुबुद्दीन फारूखी		11-11-78 18-8-79 19-1-82
4.	मोहस्मद इल्यास खान	•	19-1-82

मं० ए० 31014/3/82 सी० जी० एच० एस०-1--स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने स्वास्थ्य सेता महासिदेणालय के श्रन्तर्गत केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में कार्य कर रहे

निमालिखित होम्योपैथिक चिकित्सिकों को उनके नाम के सामने दो गई नाराख से स्थायी रूप से नियुक्त कर दिया है:---

क म	डा० गा नाम	स्थायी
मं०		करने की
		तारीख
	ور سو مستور سر اید فارستان استان استان و دار ایستان استان استان استان استان استان در این استان استان استان استان	——————————————————————————————————————
1.	डा०पी०के०कोयल	12-1-82
2.	डा० (श्रीमती) इन्द्रश्रार्य	12-1-82
3.	डा०टी० के० क्यूरियाकोस .	12-1-82
4.	डा०ए०के०देव	12-1-82
5.	डा०के०एल० जैन	12-1-82
6.	डा०सी०पी०विचित्रा	12-1-82
7.	डा० जे० के० ग्रस्थाना	12-1-82
8.	डा० (श्रीमती) एम० भ्राहलूबालिया	12-1-82
9.	डा० (कुमारी) चन्दा जोशी .	12-1-82
1 0.	डा०भ्रार्०के०मिश्रा	12-1-82
11.	डा० (श्रीमती) कुसुम दत्ता .	12-1-82
1 2.	डा० (कुमारी) वि जय लक्ष्मी	12-1-82
1 3.	डा० सुदर्शन सिंह	12-1-82
14.	डा०एन० प्रार० नैय र	12-1-82
1 5.	डा० ए० ग्रार० दास	12-1-82
16.	डा० (श्रीमती) उमा गुप्ता .	12-1-82
17.	डा०बी० एस० हाटा	12-1-82
18.	डा० (श्रीमती) पदमिनी दास	12-1-82
19.	डा० (श्रीमती) मलिना प्रसाद .	12-1-82
20.	डा० (श्रीमती) ए० जार्ज	12-1-82
21.	डा० (कुमारी) बलजीत कल्सी .	12-1-82
22.	डा० (श्रीमती) पी० एस० दत्तय	19-1-82
23.	डा०एच०सी०बंसल	19-1-82
24.	ष्ठा० (कुमारी) श्रमर बीर .	20-1-82
25.	डा० (कुमारी) सुजाना जे० .	20-1-82
26.	डा० (कुमारी) बी०एम० राय .	8-2-82
27.	डा०तीलकान्य दरूप्रा	8-2-82
28.	डा० ईप्यरदास	8282
29.	डा० के० श्रार० जदेजा	8-2-82
30.	डा०पी० के ० रेह्नी	8-2-82
31.	डा ० मान सिंह	8-2-82
		

टी० एस० राव

उप निदेशक प्रणासन (सी० जी० एच० एस०-1)

नई विल्ली, दिनांक 26 अप्रैल 1982

सं. ए. 12026/36/80-(एच. क्यू.) प्रशासन-।—स्वास्थ्य संदा सहानिद्देश ह ने थी इन्द्रजीत दीररा तकनीशियन ग्रेड-। (एस. डब्ल्यू.) केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरी, स्वास्थ्य संदा सहानिद्देशालय को 25 मार्च, 1982 के पूर्वीहन से आगामी आदेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिद्देशालय में स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी (तेत्र विज्ञान) के पद पर बिलकूल तदर्थ आधार पर नियक्त किया है।

मं. ए. 19019/3/80 (जे. आई. पी.) प्रशासन-1---जवाहर साल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा तथा अनुसंधान संस्थान, पाण्डिचेरी के जीव विज्ञान के सहायक प्रोफेसर डा. जे. दास गुप्ता सेवा निवृत्ति की आयु हो जाने के फलस्वरूप, 28 फरवरी, 1982 के अपराहन से सरकारी सेवा से निवत्त हो गये हैं।

दिशांक 5 मर्ड 1982

सं ए. 32013/2/81-एन. एम. ई. पी. प्रशासन-।— राष्ट्रपति ने डा. एम. एस. इत, सहायक निद्रेशक (रसायन विज्ञान) को 12 फरवरी, 1982 के पूर्वाहन सं आगामी आदेशों तक राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम, निद्रेशालय, दिल्ली में पूर्णतया अस्थायी रूप सं उप निद्रेशक | मंभार तन्त्र लाजि-स्टिक) तथा प्रशासन] के पद पर नियुक्त कर दिया है।

> त्रिलोक चन्द जैन उप निद्शिक, प्रशासन

नर्हा दिल्ली, विनांक 6 मर्हा 1982

सं. ए 19012/2/82-एस आई — स्वाम्थ्य सेवा महा-निदंशक ने श्री आर. वी. राथोड को 14 अप्रैल, 1982 से आगामी आदंशों तक गवर्नमेन्ट मेडिकल स्टोर डिपों, बम्बई में महायक उप प्रबंधक के पद पर सवर्थ आधार पर निय्क्त कर विया है।

> शिवदयाल उप निदोशक, प्रशासन (एस. आर्ह.)

भारतीय डाक-तार विभाग

कार्यालय, निर्वाही यंत्री, डाक-तार असैनिक मंडल

भ्वनेश्वर, दिनांक 1 अक्तूबर 1981

नोटिस नं. सी. डी. बी./पी. एफ./यू. के. एस./1— केन्द्रीय असीनिक सेवा (अस्थायी सेवा) 1965, नियम 5(1) के अनसार यह नोटिस सेवा निवत्ति जन्य प्रेसित किया गया।

पश्चात् नियम 5 के उप नियम (1) केन्द्रीय अमैनिक सेवा (अस्थायी सेवा) नियम, 1965 के अन्तर्गत में श्री बी. एन. घोषाल, निर्वाही यंत्री, डाक-तार असैनिक मंडल, भ्वनेश्वर-751009, श्री उमाकान्त धर्मा, बेलदार, डाक-तार असैनिक उप-मंडल, भ्वनेश्वर की सेवा निवृत्ति की यह अधिमृचित (नोटिस) प्रेमित दिनांक के एक माह की समाप्ति के पश्चात् सेवा निवृत्ति के होत् प्रतिपादन कर संलग्न करता हो।

बी. एन. घोषाल 1-10-1981 नियुक्तिकर्त्ता

सेवा में,

श्री उमाकान्त भर्मा, पी. 4, क्यामगंज, सीमल भंगजा, नेपाल।

प्राप्त स्वीकति

मैं, आज दिनांक इस निवृत्ति सेवा नोटिस की प्राप्ति को स्वीकार करता हुं।

प्रामीण विकास मंत्रालय

विषणन एवं निरीक्षण निद[े]शालय प्रधान कार्यालय

फरीवाबाद, विनांक 5 मर्ड 1982

सं. ए. 19023/9ं81-पृ. तृ. — इस निद्येषालय के अधीन बम्बई में श्री एन जे. पिल्ले, की विषणन अधिकारी (वर्ष-।) के पद पर तबर्थ नियुक्ति को 30-6-82 तक या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाता है, दोनों में से जो भी पहले हो, बढ़ाया गया है

शुद्धि-पत्र

- मं. ए. 19025/23/81-पृ. तृ.—सहायक विषणन अधिकारी के पद पर श्री डी. बी. भारम्बाज की नियमित नियमित की तारील को '12-3-1982 (पूर्वाह्न)' के बढ़ले 15-3-1982 (पूर्वाह्न)' पढ़ा जाये।
- सं. ए. 19025/3/82-पृ. तृ.—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तृतियों के अन्सार श्री एम. हरिप्रसाद को इस निद्देशालय के अधीन नागपुर में दिनांक 5-4-82 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग-1) नियुक्त किया गया है।

गोपाल शरण शुक्ल कृषि विपणन सलाहकार भारत सरकार

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र (कार्मिक प्रभाग)

इम्बर्श-5, दिनांक 22 अप्रैल 1982

ट्राम्बे, बम्बर्श-400085, दिनांक 29 अप्रैल 1982

सं. पी. ए. 76 (3) 80-आर. -।।। (1)—ि दिनांक 31 मार्च, 1982 श्री त्रिक्कूर कृष्ण अय्यर राजप्पन की सहायक लेंबा अधिकारी पद पर हुई स्थानापन्न नियुक्ति को 9 फरवरी, 1982 (पूर्वाह्न) से 31 मार्च, 1982 (अपराह्न) तक किया जाता है।

आ. ना. कट्टी उप स्थापना अधिकारी

परमाणु उठर्जा विभाग

विद्युत प्रायोजना इंजिनियरिंग प्रभाग

बम्बर्च-5, दिनांक 22 अप्रैल 1982

सं पीपीर्रं डि/3 (283)/82-स्थापना-1/5641—निद्येषक, विद्युत प्रायोजना इं जिनियरिंग प्रभाग, बम्बर्ग एत्वृक्वारा भाभा परमाण, अनुसंधान केन्द्र के एक स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक और इस प्रभाग के स्थानापन्न सहायक लेखाकार श्री पी. वासू को मार्च 22, 1982 के पूर्वोहन सं आगामी आदोश जारी होने तक उसी प्रभाग में सहायक लेखा अधिकारी के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति सहायक लेखा अधिकारी श्री एम. एस. एम. इक बान के स्थान पर की जा रही है जो छुट्टी पर चले गए है।

आर. व्हि. बाजपेयी सामान्य प्रकासन अधिकारी नरारा परमाणु विद्युत परियोजना

नं. प. वि. प. टाउनशिप, दिनांक 4 मर्इ 1982

क. नं. प. वि. प./प्रशा/26(1)/82-एस/6135—
निद्येक, विद्युत प्रायोजना अभियंत्रण प्रभाग, बम्बई, स्थायी
अधीक्षक एवं स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी श्री प्रेम प्रकाश
को, श्री ए. डी. भाटिया, प्रशासन अधिकारी, जिन्हें विनांक
5-3-1982 से 5-4-1982 तक की अवधि के लिए हर्द्ध आधार पर स्थानापन्न प्रशासन अधिकारी-।।। के पद पर नियुक्त किया गया हो, के स्थान पर तदर्थ आधार पर नराँरा परमाणु विद्युत परियोजना में रह. 840-40-1000-द. रो.-40-1200 के वेतन मान में स्थानापन्न प्रशासन अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

कः नं प वि प /प्रशा/26(1)/82-एस/6137— निविश्वक, विकृत प्रायोजना अभियंत्रण प्रभाग, बम्बर्इ, स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक एवं स्थानापन्न धरन श्रेणी लिपिक श्री ओमप्रकाश को, श्री प्रम प्रकाश सहायक कार्मिक अधिकारी, जिन्हें तदर्थ आधार पर स्थानापन्न प्रशासन अधिकारी-।। नियुक्त किया गया है, के स्थान पर विनांक 5-3-1982 से अप्रम आदेशों तक नरींग परमाणु विग्रुत परियोजना में 650-30-740-35-880-द रो -40-960 रु के बेतन मान में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

अ. द[े]. भाटिया प्रशासन अधिकारी

नाभिकीय इधिन सम्मिश्र

दिनांक 17 अप्रैल 1982

सं. का प्रभ/0704/1048—नाभिकीय इंधिन सम्मिश्र के मुख्य कार्यपालक उच्च श्रेणी लिपिक श्री पी. वेंकट राव को नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र में स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर दिनांक 13-4-1982 से 15-5-82 पर्यन्त या अगले आदेशों तक, जो भी पूर्व घटित हो, तदर्थ आधार पर अवकाश रिक्ति पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 28 अप्रैल 1982

मं. ना ई म्ंका प्र भ/0705/1089—नाभिकीय ई धन सिम्मश्र के मृख्य कार्यपालक जी, लेखा सहायक, श्री मी. आर. प्रभाकरन को नाभिकीय ई धन सिम्मश्र में स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी के अवकाश के कारण रिक्त पद पर दिनांक 23-01-1982 में 17-3-1982 पर्यन्त तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

पी. गोपालन प्रशासनिक अधिकारी

मद्रास परमाण विद्यह परियोजना

कलपाक्कम-603102, दिनांक 28 अप्रैल 1982

सं० एम० ए० पी० पी० /18(123)/82 भर्ती—-परियोजना निदेशक, मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना, इस परियोजना के निम्नलिखित अधिकारियों को इसी परियोजना में अस्थाई

₩ ₽	से	उनके	नाम	के प्रागे	उल्लेखित	पदऋमों	पर दिनांक	1
फ्र	री	1982	पूर्वाह	से सहब	नियुक्तः	करते हैं:-		

क्रम	नाम		वर्तमान ८६	হি.স্ <u>হি</u> চা
सं०				पद
1	2		3	4
सर्वश 1. के	गी ० श्राई० जॉन	•	वैज्ञानिक सहायक	वैज्ञानिक ग्रधिकारी/ ग्रभियंता एस० बी०
-	० श्रीनिवासन् ० दिल्ली दुराई		,, ेट्रेडस मैन बी))))

श्रार० पी० हरन् प्रशासनिक श्रधिकारी

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैवराबाद-500016, दिनांक 5 मई 1982

सं प स प्र-16(3)/82-भर्ती—परमाण जर्जा विभाग, परमाण सिनज प्रभाग के निविधक एत्व्वारा परमाण सिनज प्रभाग के स्थानी सहायक लेखा प्रति और स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी, श्री वी. डी. चौधरी को उसी प्रभाग में श्री के पी. शेखरन, लेखा अधिकारी-।।, जिन्हें छुट्टी प्रवान की गई है, के स्थान पर 3 मई, 1982 के पूर्वीहन से 5 जून, 1982 तक 34 दिन के लिए तदर्थ रूप से स्थानापन्न लेखा अधिकारी-।। नियुक्त करते हैं।

सं. प क् प्र-16/3/82-भर्ती—परमाणु कर्जा विभाग, पर-माणु बनिज प्रभाग के निव सक एतद्द्वारा परमाणु बनिज प्रभाग के स्थायी वरिष्ट आशुलिपिक और स्थानापन्न आशुलिपिक ग्रेड-।।।, श्री पी. ओ. करुणाकरण को उसी प्रभाग में श्री टी. एस. नारायणन, सहायक कार्मिक अधिकारी, जिन्हें छूट्टी प्रवान की गई है, के स्थान पर 1 मई, 1982 के पूर्वाहन से 31 मई, 1982 तक 31 विन के लिए तदर्थ रूप से स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं. प स प्र-16/3/82-भर्ती — परमाणु कर्जा विभाग, पर-माणु हिनज प्रभाग के निद्धाक एतद्द्वारा परमाणु सनिज प्रभाग की स्थानापन्न सहायक लेखापाल श्रीमती सरस्वती वेंकटचालम को उसी प्रभाग में श्री वी. डी. चौधरी, सहायक लेखा अधिकारी जिनकी लेखा अधिकारी-।। के पद पर पदोन्नती हो गई है, के स्थान पर 3 मई, 1982 के पूर्वाहन से 5 जून, 1982 तक 34 दिन के लिए तदर्थ रूप में स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं. प ख्प्र-16(3)/82-भतीं—परमाणु कार्जा विभाग, पर-माणु खनिज प्रभाग के निद्देशक एतद्द्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक और स्थानापन्न लेखापाल, श्री जे. के. शर्मा को उसी प्रभाग में श्री आर. एस. गोसांई, सहायक लेखा अधिकारी, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर 26 अप्रैल, 1982 के पूर्वाह्न से 29 मई, 1982 तक 34 दिन के लिए तदर्थ रूप से स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

> म. सु. राव वृरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

तारापुर परमाणु बिजलीवर व्यणे, दिनांक 30 अप्रैल 1982

आवेश

सं. टी ए पी एस/2/521/67—जबिक श्री उजागर सिंह जीती, ट्रंड्समीन (जी), तारापुर परमाणु विजलीषर ने दिनांक 28 जनवरी, 1982 की एक त्यागपन प्रस्तुत किया जो प्रशासिनक अनुभाग में दिनांक 29 जनवरी, 1982 को प्राप्त हुआ;

और जबिक श्री जीली 13 मार्च, 1982 से इ्यूटी से अनुप-स्थित रहें और अवकाश के परलग्नक दिनांक 9, 10 और 11 अर्थल, 1982 की अनुमृति सिंहत दिनांक 13 मार्च, 1982 से 8 अर्थल, 1982 तक 28 दिन के अवकाश के लिए उन्होंने दिनांक 15 मार्च, 1982 को आवेदन भेजा जिसमें छुट्टी के दौरान पते वाले कालम में दिल्ली लिखा गया था;

और जबकि उनके दिल्ली स्थित स्थायी पते पर एक पत्र दिनांक 24 मार्च, 1982 भेज कार उन्हें 12 अप्रैल, 1982 को, उनके त्यागपत्र के स्वीकृत होने तक, ड्यूटी के लिए रिपोर्ट करने का परामर्घ दिया गया;

और जबिक श्री जौली 12 अप्रैल, 1982 को इंयूटी के लिए रिपोर्ट करने में असफल रहे;

और जबिक उनके दिल्ली स्थित स्थायी पते और अंतिम जात स्थानीय पते पर पंजीकृत डाक पावती दोय द्वारा एक पत्र दिनांक 13 अप्रैल, 1982 भेज कर उन्हें ड्यूटी के लिए तुरंत रिपोर्ट करने का परामर्श दिया गया;

और जबकि श्री जीली को उनके दिल्ली स्थित स्थामी पते और उनके अंतिम जात स्थानीय पते पंजीकृत जाक पावती देश द्वारा भेजा गया पत्र दिनांक 13 अर्थल, 1982 दोनों गन्सव्य स्थानों से डाक प्राधिकारियों द्वारा इस टिप्पणी के साथ लौटा दिया गया कि पत्र पाने वाला उपलब्ध नहीं है;

और जबिक उपरोक्त श्री जौली विनांक 12 अप्रैल, 1982 से ज्यूटी से अनिधिकृत तौर पर अनुपस्थित रहने और स्वीक्छा से सेवा छोड़ने के दोषी हैं;

और जबिक अधोहस्ताक्षरी संतृष्ट है कि ताराप्र परमाण् बिजलीघर को अपना अता-पता सृचित किए बिना सेवा छोड़ दोने के कारण केन्द्रीय सिविल (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम 1965 के नियम 14 के प्रावधानों के अन्तर्गत आंच किया जाना युवितयुक्त तौर प्र साध्य नहीं है;

अतः अब परमाण कर्जा दिभाग की अधिसूचना संख्या 22 (1)/68-ए डी एम-11, दिनांक 7 जुलाई, 1979 और केन्द्रीय सिविल सेवाएं (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम. 1965 के अनुसार प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए अधी-हस्ताक्षरी एतद्द्वारा उपरोक्त श्री उजागर सिंह जौली को तुरंत सेंब्रा से बरखास्त करते हैं।

के. पी. राष मृह्य अभीक्षक

प्रतिलिपि :

श्री उजागार सिंह जौली, 33/आर, मस्जिद रोड, शिव मार्केट, डाकघर-जंगपुरा, भोगल, नई दिल्ली-14

रिएक्टर	श्रनुसंधा	न	केन्द्र	
कलपाक्कम-603102,	दिनांक	22	ग्रप्रैल	1982

सं० ए० 32014/4/82/4934—रिएक्टर प्रानुसंधान केन्द्र के निदेशक ने इस केन्द्र के उन कर्मचारियों में से प्रत्येक को जिनके नाम नीचे दिए जा रहे हैं, उनके नाम के प्रागे लिखी तारीख से प्रगला प्रादेण होने तक के लिए ६५ए 650—30—740—35—810—द० रो०—35—880—40—1000— द०—रो—40—1200 के वेतनमान में वैज्ञानिक प्रधिकारी/प्रभियंता प्रेड एस० बी० के पद पर प्रस्थायी रूप से नियुक्त किया है:—

क्रम सं०	नाम	वर्तमान पद	वैश्वानिक प्रधिकारी/ प्रभियंता ग्रेड एस० बी० के पद पर नियुक्ति की जाने

			का ताराख
1	2	3	4
· स	र्वश्री	<u>,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,</u>	
1. 🕏	। • बी • लखोले	स्थायी नक्शा-	1-2-82
		नवीस ''बी०''	(पूर्वाह्न)
4		तथा स्थान।पन्न	
		नक्षा नवीस	
		"सी" ।	
2. के	० गुरुमूर्ति	स्थायी वैज्ञानिक	1-2-82
		सहायक ''बी०''	(पूर्वाह्न)
		तथा स्थानापन्न	
		वैज्ञानिक	
		सहायक "सी"।	
3 जी	० म्रार० रविप्रसान	स्थायी वैज्ञानिक	2-2-82
		सहायक ''बी''	(पूर्वाह्न)
		तथा स्थानापन्न	
		वैज्ञानिक "०॥	
		सहायक "सी"।	
4. पी	० टी० जोसफ	स्थायी नक्शा-	1-2-82
		नवीस "बी०" 	(पूर्वाह्स)
		तथा स्थानापन्न	
		नक्शानवीस	
•		"सी०" ।	1 0 00
5. पी	शिव रामन	स्थायी यत्	1-2-82
•	·	फोरमैन रिक्ट	(पूर्वाह्म)
6. T	० के० वासुदेवन	स्थायी बत् स्थायी कर्	1-2-82
		फोरमैन	(पूर्वाह्न)

स्थायीवत्

सहायक फोरमैन

7. ग्रार० कुमारेशने

1-2-82

(पूर्वाह्न)

1	2	3	4
,		तथा स्थानापन्न फोरमैन ।	
8. ব িয়	गर० रघुरामन	स्थायीवत् फोरमैन	1-2-82 (पूर्वा ह्न)
9. गृन ० र	के० जगदीशन	विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग के स्थायीवत् - वैज्ञानिक सहायक "बी" तथा स्थानापन्न वैज्ञानिक सहायक "सी"।	1-2-82 (पूर्वाह्म)
		एस० प्रशासनिक	पद्मनाभन मधिकारी

महानिद शक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 अप्रैल 1982

मं. ए. 32013/5/82-ई. ---सचिव, पर्याटन और नागर विमानन मंत्राल्य व्वारा लिए गए निर्णयानुसार, श्री आर. पी. सिंह, उपनिद्याक विमानन सुरक्षा को दिनांक 20-4-1982 (पूर्वाहन) से छः मास की अविधि के लिए निद्याक किया क्षण और अनुजापन को पद पर तबर्थ आधार प्र नियुक्त किया गया है।

दिनांक 30 अप्रैल 1982

सं. ए. 32013/17/81-ई -।—-राष्ट्रपति ने स्री वी. धन्द्रशंखरन, क्षेत्रीय निवशक मदास को 26-4-1982 (पूर्वा - हन) से 25-10-1982 तक या पद के नियमित रूप में भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, महानिद्शक नागर विमाननन मुख्यालय में उपमहानिद्शक के पद पर तदर्थ आधार पर नियक्त किया है।

सुधाकर गुप्ता उपनिद्याक प्रशासन

नई विल्ली, विनांक 30 अप्रेल 1982

सं० 32013/10/80-ई० सी०—इस विभाग की दिनांक 21 मई, 81 की प्रधिसूचना सं० ए० 32013/10/80-ई० सी० के कम में, राष्ट्रपति ने निम्नलिखित प्रधिकारियों की वरिष्ठ संचार प्रधिकारी के ग्रेड में की गई तदर्थ, नियक्ति, प्रत्येक के नाम के सामने दी गई प्रविध तक प्रथवा ग्रेड में नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें से जो भी पहले हों जारी रखने की स्वीकृति प्रवान की है :---

ऋम नाम सं∘	तैनाती स्टेशन	भ्रवधि तक
1. श्रीवी० एस० दाहिया	वैमानिक संचार, स्टेशन, कलकत्ता	
2. श्री बी० एम० बरारी	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता ।	30-9-81

जगदीश चन्द्र गर्ग महायक निवेशक प्रशासन

विवंश संचार सेवा

बम्बर्ड, दिनांक 6 मर्ड 1982

- मं. 1/215 82 स्था ----नर्घ दिल्ली शासा के मुख्य यांत्रिक, श्री एस. सी. खन्ना 15 अप्रेल, 1982 के पूर्वीह्न से स्वेच्छया सेवा निवृत्त हो गए।
- मं. 1/363/82-स्था.—बस्बई शास्त्रा के उप परियात प्रबंधक, श्री एम. फर्नानडिस निदर्तन की आयु के हो जाने पर 31 मार्च, 1982 के अपराहन से सेवा निदरत हो गए।
- सं. 1/84/82-स्था ---विचेश संघार सेवा के महानिदोहक एतद्दवारा कलकत्ता के पर्यवेक्षक, श्री एस तिकों को बिल्कुल तदर्थ आधार पर अल्पकालीन खाली जगह पर 28-2-82 से 13-3-82 तक की अविधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप प्रियात प्रवंधक नियुक्त करते हैं।
- सं. 1/344/82-स्था.—-विवंश मंचार सेवा के महानिवंशक एसक्क्वार कलकत्सा शासा के पर्यवेक्षक श्री ए. के. चटर्जी को दिवर्थ आधार पर 13-10-81 से 12-10-81 तक उसी शासा में अस्थायी रूप से उप परियात प्रबंधक नियुक्त करते हैं।

एच. एल. मलहात्रा उप निद्यास (प्रशा) कृती महानिद्यास

निरीक्षण व लेखा परीक्षा निद्योगलय् सीमा शुल्क व केन्द्रीय उत्पादन शुल्क

नर्क दिल्ली, दिनांक 10 मर्क 1982

सं. 8/82--श्री बी. एन. डो. ने, जो पहले कलकरता समाहर्तालय में अधीक्षक ''ग्रुप बी'' के पद पर तैनात थे, निद्देशा-लय के दिनांक 22-12-81 के एत्र सी. सं. 1041/2/81 के अनुसार, निरक्षिण एवं लेखा परीक्षा निद्देशालय, सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के कलकत्ता स्थित, पूर्वी प्रादेशिक यूनिट में, दिनांक 20-4-82 (पूर्वाह्न) से निरक्षिण अधिकारी ग्रुप ''बी'' के पद का कार्यभार संभान निया।

एसः बीः सरकार निरीक्षण निद[े]शक

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-110066, दिनांक 4 मई 1982

मं. ए-19012/996/82-स्था.-5—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग एतद्वारा श्री एस. के. मलहोत्रा, पर्यवेक्षक को अति-रिक्त सहायक निर्वेषक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेंड में पूर्णतया अस्थाई तथा तवर्थ आधार पर रु. 650-30-740-35-810-द. रो.-35-880-40-1000-द. रो-40-1200 के वेतनमान में 6 महीने की अविध के लिये अथवा पदों के निय-मित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, 19 अप्रैल, 1982 की अपराहन से नियुक्त करते हैं।

ए. भट्टाचार्य अवर समिव कोन्द्रीय जल आयोग

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड रिजिस्ट्रार आफ कम्पनी का कार्यालय कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैं. इफिक्टब एडवरटाइंजिंग थ्रा. लिसिटोड को विषय में

नक् दिल्ली, दिनांक 26 अप्रैल 1982

सं. 6750/7216—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा के अनुसरण में एतद्द्यारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैं. इफिक्टब एडवरटाई जिंग प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिश्ति न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जायेगी।

सत्येन्द्र सिंह सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार दिल्ली एवं हरियाणा

कम्पनी अधिनियम, 1956 और प्रधाकर कलारग प्राइवेट लिमि-टोड को विषय मों

बंगलौर, विनांक 10 मर्ছ 1982

सं 1842/560/8283—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन मास के अवसान एर प्रबाकर कलारग प्राइवेट लिमिटेंड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दर्शित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेंगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और जयबी हसपेरस प्राइवेट लिस-टोड को विषय में

बंगलीर, विनांक 10 मर्ड 1982

सं. 2335/560/82-83—क स्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतब्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांदा से तीन मास के अवसान पर जयबी हसपेरस प्राइवेट लिमिट ड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिश्ति न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त क स्पनी विघटित करू दी आयगी।

पी. टी. गजवानी कम्पनियों का रिअस्टार

कार्यालय

म्रायकर मायुक्त नई दिल्ली, दिनांक 28 मर्प्रैल 1982

म्रायकर

सं० ज्यूरि-विल्ली/सी० प्राई० टी०/82-83/2425— प्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 123 (1961 की 43वीं) की उप-धारा (1) के प्रन्तर्गत प्रदत्त णिक्तयों तथा इससे सम्बन्धित प्राप्त अन्य सभी शिक्तयों का प्रयोग करते हुए तथा इस विषय पर जारी की गई सभी पूर्ण प्रधिमूचनाग्रों का प्रधिक्रमण करते हुए, प्रायकर ग्रायुक्त दिल्ली-7 एवं 8 नई दिल्ली यह निर्देश देते हैं कि प्रधोलिखित भनुसूची के कालम-1 में निर्विष्ट निरीक्षीय सहायक श्रायकर श्रायुक्त इसी भनुसूची के कालम 2 में निर्विष्ट डिस्ट्रिक्ट/सिक्त के श्रायकर श्रिक्त भारियों के ग्रधिकार में श्राने वाले क्षेत्रों अथवा व्यक्तियों प्रथवा व्यक्ति वर्गों, ग्रथवा ग्राय, ग्रथवा ग्राय वर्गों ग्रथवा मामलों व मामलों के वर्गों के सम्बन्ध में उक्त ग्रधिनियम के ग्रन्तर्गत निरीक्षीय सहायक श्रायकर श्रायुक्त के सभी दायित्वों का निष्पा-वन करेंगे :---

दन करेंगे ः⊸– •					
प्रनृसूची					
रेंज	भायकर डिस्ट्रिक्ट/सर्किल				
1	2				
विल्ली VII प्रभार					
1. निरीक्षीय सहायक श्रायकर	डिस्ट्रिक्ट III (19) से				
श्रायुक्त, रेंज III डी, नई दिल्ली					
-	एवं डिस्ट्रिक्ट (27)				
	नई विल्ली।				
	डिस्ट्रिक्ट I नई दिल्ली				
	सभी वार्ड।				
1	डिस्ट्रिक्ट JX नई दिल्ली के				
	सभी वार्ड ।				
િં	स्ट्रिक्ट 111 जी, नई दिल्ली				
	के सभी वार्ड।				
दिल्लो $oldsymbol{ m VII}$	प्रभार				
2. निरीक्षीय सहायक स्रायकर	सभी चार्टंड एकाऊंटेंट				
श्रायुक्त रेंज- $\Pi \left(1 ight)$, नई दिल्ली	सकिल, नई दिल्ली।				
	सभी वकील सर्किल,				

नई दिल्ली । डि० X (3) डि० X (II) एवं स्पे० सकिल I एवं नई दिल्ली ।		1	2
डि० $old X$ $old (3)$ डि० $old X$ $old (II)$ एवं स्पे० सकिल $old I$	_		
			डि॰ $old X$ $ig(3ig)$ डि॰ $old X$ $ig(IIig)$ एवं स्पे॰ सकिल $old I$

यह प्रधिसूचना दिनांक 27 धर्मेल 1982 से लागू होगी ।

रनबीर चन्द
ग्रायकर ग्रायुक्त, दिल्ली II एवं दिल्ली III,

नर्ह दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 मई 1982

श्रायकर

फा॰ मं॰ जूडि॰ दिल्ली-3/8283/2831—-ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 (1961 का 43वां) की घारा 123 की उपधारा (1) ब्रारा प्रवत्त णिक्तयों तथा इस सम्बन्ध में प्राप्त सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस विषय पर पहले के सभी ग्रादेशों में संशोधन करते हुए ग्रायकर ग्रायुक्त, दिल्ली-3, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई श्रनुसूची के कालम-1 में निर्दिष्ट निरीक्षीय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त उसी ग्रनुसूची के कालम-2 में निर्दिष्ट डिस्ट्रिक्टों/सिक्षिलों के ग्रायकर ग्रधिकारियों के ग्रधिकार क्षेत्र में ग्राने वाले क्षेत्रों या व्यक्तियों, या व्यक्तियों के वर्गों के या ग्राप या ग्रापक वर्गों या मामलों निरीक्षीय सहायक ग्रायकर ग्रा

श्रनुसूची

रेंज	ग्रायकर डिस्ट्रिक्ट/सर्किल
1	2
—— निरीक्षीय सहायक श्रायकर श्रायुक्त, रेंज-4-ए, नई दिल्ली ।	1. डि॰-5, नई दिल्ली के सभी बार्ड, 5 (2), 5(8), 5(2) श्रोर 5 (12) को छोडते हुए । 2. ग्रति॰ सर्वे सर्किल-4, नई दिल्ली ।
निरीक्षीय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, रेंज- 4-बी, नई विल्ली ।	 डि० 8 (12), 8 (13), प्रति० 8 (13) प्रौर 8 (14) को छोड़ते हुए डि०-8, नई दिल्ली के प्रन्य सभी वार्ड ।

1	2	1	2
निरीक्षीय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त, कम्पनी रेंज-1, नई दिल्ली।	 कम्पनी सिकल-12, 13 और 23, नई दिल्ली । 		(13) घीर 8 (14) नई दिल्ली ।
	2. डि॰ 5(2), 5 (11) श्रीर 5 (12) नई	यह ग्रधिसूचना 19-4-	82 से लागृ होगी।
दिल्ली । [`]	` '		डी० एन० चौध री
	3. স্থিত-8 (12), ৪ (13), স্মর্নিত ৪		्र म्रायकःर म्रायुक्त दिल्ली-3, नई दिल्ली

प्ररूप धाई•ढी•एन•एस•--

मायकर विभिन्निमन; 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के मधीन सूचना

पारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 4 मई 1982

निद^{्र}शिक सं. चण्डी/115/81-82——अतः मुफ्ते, सुख देव चन्द.

कायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- ४० से प्रधिक है

अर्रि जिसकी सं प्लाट नं 1552 है तथा जो सैक्टर 34-डी, भण्डीगढ़ में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अगस्त 1981

को पूर्वे बित सम्पत्ति के स्वित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए सन्तरित की गई है और मुझे बह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित याजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (सन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण सिखित में बास्तविक कप से किन्त किया नहीं गया है। --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, चन्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (भ) ऐसी किसी आय या किसी घन या खम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त खिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए चा, कियाने में सुविधा के लिए।

त्रतः अत्र, उत्ततः श्रीविनियमं की धारा 269-गं के श्रनुसरण में, में, उत्तर श्रीविनयमं की धारा 269-गं की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिसित व्युक्तियों, अर्थात्:--

- 1 मैं ताए खन्द बेदी सपुत्र श्री विश्वन दास बेदी निवासी ए-3/192, पश्चिम विहार, नई दिल्ली-63 । (अन्तरक)
- श्री जोगिन्द सिंह बावा सपुत्र श्री बारिम सिंह बावा और श्रीमती सर्वण कार बावा परनी श्री जोगिन्द सिंह बावा निवासी 1117, सैक्टर 15-बी, चण्डीगढ़। (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वौक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप !---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समान्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिक द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा; प्रजोहस्ताकारी के पास लिखित में किये जा. सकेंगें।

स्पट्टोकरण :--इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो 'उन्त श्रिधिनयम' के शब्दाय 20-क में परिचालित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस शब्दाय में दिया गया हैं।

अनुसुची

प्लाट नं. 1552 सैक्टर 34-डी, चुण्डीगढ़। (जायबाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 740 अगुस्त 1981 के अधीन् दर्ज हो)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, लुधियाना

तारीख: 4-5-1982

माहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, लुधियाना

ल्धियाना, दिनांक 4 मर्द 1982

निविश सं. चण्डीगढ़/121/81-82--अतः मुभ्ने, सुखदेव चन्दा, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक है और जिसकी सं. मकान नं. 1582 है तथा जो सैक्टर 34-डी, चण्डीगढ़ में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908) का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1981 का पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ए'से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; आर्रिया
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रक्रोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित न्यक्तियों, अर्थात :---

1. स्व. कर्न. अमरीक सिंह सुपुत्र श्री केहर सिंह निवासी एम. पी. सैंजुलोस. प्रा. लिमि: ग्वालियर-5 माध्यम उसके जनरल अटोरनी थू नधनी-लय मही सपुत्र श्री रेवनूर माही निवासी 1582 सैक्टर 34-डी खण्डीगढ़।

(अन्तरक)

- 2 श्री जिया लाल जैन सपुत श्री चम्पत लाल जैन निवासी मकान नं 2503 सैक्टर 35-सी, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)
- ^{*}3 श्री निर्मल सिंह सोही सपुत्र श्री ग्रनाम सिंह 1882 सैक्टर 34-डी, चण्डीगढ़। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पति हैं)।

को यह सूचना जारी करके पूर्कोंक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ता में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

मकान नं. 1582 सैक्टर 34-डी ,चण्डीगढ़। (जायबाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 792 अगस्त 1981 के अधीन दर्ज हैं)।

> मृखदेव चन्द सक्ष्म प्रापिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, लुधियाना

तारीख : 4-5-1982

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.------आयकर अभिनियम, 1,961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, लुधियाना

लुध्याना, दिनांक 4 मई 1982

निदंश सं. चण्डीगढ़/128/81-82--अतः मुक्ते, सुखबंब चन्द,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी संस्था मकान नं. 1938 है तथा जो सैक्टर 22-बी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यानय, चण्डी-गढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1981

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसीं आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :——
3 —3531/82

- श्रीमती सरस्वती देवी विभवा स्व. अर्थाशर दयाल निवासी मकान नं. 11/4, पूसा रोड, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- स/श्री चन्द्रमोहन, रवी कान्त, सुधीर मोहन और विजय कुमार सपुत्र श्री इिंद्वर दास निवासी मकान नं. 1922, सैक्टर 22-बी, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)
- *3. मीं. अपोली प्रोपटी डिलरज और मीं के. एल. चन्दला और कं., निवासी 1938 सैक्टर-बी, चण्डीगढ़।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पति हुउ)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि न द में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकोंगे।

स्याक्कीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्यी

मकान नं. 1938 सैक्टर 22-बी, खण्डीगढ़। (जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संस्था 866 अगस्त 1981 के अधीन दर्ज हैं)।

> मृखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, लुधियाना

तारीब : 4-5-1982

मंग्रि सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, लूधियाना

ल्धियाना, दिनांक 4 मई 1982

निदोश मं. चण्डीगढ़/130/81-82--अतः मुक्ते, सुन्वदोव चन्द,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचान उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/~ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नं. 3460 ही तथा जो सैक्टर 35-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1981

को पृवाकत संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिकन के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथा पृवाकत सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का वन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिवत में वास्तिक रूप से कृषित वहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त मिछ-नियम के भ्रमीन कर देने के अग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के किए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थातु:—

- 1. श्री हिमालम इंदिनर सिंगल सुपृत्र श्री किशारी लाल निवासी 38/2077, नाइंथाला करौलबाग नई दिल्ली माध्यम उसके स्पेशल पावर आफ अटारेनी श्री समन लाल बई सपुत्र श्री कर्ला राम डाफटमैन निवासी 3460 सैंक. 35-डी, चण्डीगढ़। (अन्तरक)
- मि. सुशील कुमारी घई पत्नी श्री चमन लाल घई, निवासी 3460 सैंक्टर 35-डी, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)
- *3. स/श्री राम कुमार चन्द्रभान, अमोलक सिंह रमेश (पंडित) सभी निवासी आफ मकार नं 3460 सैक्ट.-डी, चण्डीगढ़।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्परि हैं)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की वादी से 45 दिन की धनियं या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धनिन्न, बो, भी धनिश्च बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में दितवढ़ किसी धम्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास जिब्बित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण।—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होना, जो उस अध्याय में वियागया है।

अनुसूची

्ष्लाट नं. 3460 सैक्टर 35-डी, चण्डीगढ़। (ज्यायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्रा अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 879 अगस्त 1981 के अधीन दर्ज हैं)

> स्खदेव भन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, लुधियाना

तारीस : 4-5-1982

प्रस्पु बार्द. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज्, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 4 मर्च 1982

निदंश सं. चण्डीगढ़/132/81-82--अतः मुफ्ते, सुखर्वव चन्द,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रू. से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान नं 684 है तथा जो सैक्टर 8-बी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डी-गढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से किश्वत क्षा विस्त

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; बीर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— संश्री मनजीत बाबा धर्यं सिंह आर बीना वीरमनी माध्यम श्री मनजीत बाबा निवासी 684 सैक्टर 8-बी, खण्डागिष्ठ

(अन्तरक)

2. श्रीमती कुश्म प्रभा बत्त और मि. निरूपमा दत्त निवासी, 1242 सैक्टर 34-सी, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः ---इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुया है।

अमुस्धी

मकान नं. 684 रौक्टर 8-बी, भण्डोगढ़। (जायादाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेश संख्या 909 अगस्त 1981 के अधीन दर्ज है।

> सुबदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जनुर्जे, लुधियाना

तारांख : 4-5-1982

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

ल्धियाना, दिनांक 4 मर्ड 1982

निवंश सं. खरड़/12/81-82--अतः म्भते, स्खदव चन्दा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अकत अधिनियम' कहा गया है), की 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका खितत बाजार मृहय 2.5,000/• र० से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान नं 1111 फेंज 5 है तथा जो मोहाली में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खारड़ में रिजस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारील अगस्त 1981

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितिमों) के भीच ऐंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधाके लिए; घोर/या
- (खा) ऐसी किसी आय या किसी घन या ग्रन्थ आस्तियों को जिन्हें भारतीय मायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धन-कर मिंबनियम, 1957 (1957 का- 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अस: ग्रव; उक्त व्यविनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में. मैं उंक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जात:---

- श्री अरविन्द सिंह सपुत्र श्री शादी सिंह निवासी मकान नं. 1111 फोज 5, मोहाली तह. खरड़। (अन्तरक)
- श्री जीवन सिंह वि्रक सप्त्र श्री वार सिंह विरक मकान नं. 93 फेज् 2 मोहाली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (事) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी आसे 45 विन की धविध या तस्त्रंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की वामील में 30 दिन की भवधि, जो भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अद्योहस्ताकारी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

स्वजीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विषा गया है।

अनुसूची

मकान नं. 1111 फेज 5, मोहाली तह. खरड़ में स्थित हैं। (जायदाद जो कि रिजुस्ट्रीकर्ता अधिकारी सरड़ के कार्यालयु के विलेख संख्या 3611 सितम्बर 1981 के अधीन दर्ज हैं)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, लुधियाना

सारी**स : 4-5-1982**

प्ररूप बार्ड, टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 23 अप्रैल 1982

निद^{ें}श सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1187—अतः मुझे, वी. कं. अग्रवाल, आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्रधिकारी को. यह विश्वास करने का कारण

ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं जाट नं 25 ए ही तथा जो उदयपूर में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित ही), रिजस्ट्रीकर्त अधिकारी के कार्यालय उदयप्र में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की जाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अअ, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों वृष्तिः—
5—76 GI/82

- (1) सीनियर राजमाता श्रीमित वीरद कांवर, उदयपुर। (अन्तरक)
- (2) श्री ज्याहर लाल पुत्र श्री मोती लाल जी जैन, नि. जदयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्या हैं।

अनुसूची

प्लाट नं. 25 ए, सर्वऋतु विलास, उदयपुर जो उप पंजियक, उदयपुर द्वारा कम संख्या 1886 विनाक 31-8-81 पर पंजिबद्ध विकय एव में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> वी. के. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रजे, जयपुर

तारीख : 23-4-1982

मोहर 🚁

प्रकप भाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जयपुर

जयपुर, विनांक 23 अप्रैल 1982

निर्दोश सं. रोजः/सहा. आ., अर्जन/1186---अतः सुम्नो, वी. के. अग्रवालः,

सायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधितियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक है

और जिसकी सं प्लाट नं 78 है तथा जो उदयपुर में रिश्त है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यानय उदयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियस, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रयापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्छत प्रतिशत से मिक्षक है और अन्तरित (मन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बोच ऐने प्रनरिश किए तथ पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रविक

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त श्रवि-नियम के श्रवीन कर येने के भन्तरक के दायिस्त्र मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर स्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उसत अधिनियम या धन-कर स्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: अब, उक्न प्रश्चितियम, की धारा 269-म के धनुसरण में में, एक्स प्रश्चितियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) सीनियर राजभाता श्रीमित्त वीरद कर्षर, उदयपुर। (अन्तरक
 - (2) श्री देवी लाल पुत्र श्री गणेश लाल जी मांगावत, कोलियारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्परशिकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो जकत श्रीधितियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही श्रथ हो गा, जो जस श्रष्टयाय में विधा गया है।

अनुसुची

प्लाट नं. 78, सर्वऋतु विलास, उदयपुर जो उप पंजियंक, उदयपुर द्वारा कम संख्या 1877 दिनांक 31-8-81 पर पंजिबद्ध विकक्षा पत्र में और विस्तृत रूप से विधरणित हैं।

> वी. के. अप्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्तर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन् रंज, अयपुर

तारीख: 23-4-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की मारा 269 घ (1) के मिटीन सूचना भारत सरकार

(0-0--

कार्यालय, सहायक आयकर आवृत्तः (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 23 अप्रैल 1982

निर्देश मं. राज /सहा. आ. अर्जन/1185--अतः मुझं, बी. के. अग्रवाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उमत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 के अधीन अक्षम प्राधिकारी की यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- राज्ये से अधिक हैं

और जिसकी सं. प्लाट नं. 48 है तथा जो उदयप्र में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-6-1981

को पूर्वेक्स संपत्ति के उचित वाजार गृल्य रो कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण दिखिश में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त ग्रहि-नियम के ग्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; भ्रीर/या
- (ब) ऐसी किसी आर या किसी धन या अन्य आस्तियों की; जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 37) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपा में सुविधा के लिए।

- (1) मीनियर राज्भाता श्रीमति वीरद क्वर, उदयपुर। (अन्तरक)
- (2) थी चन्द्र प्रकास एवं श्री छोटा लाल पिता श्री नाथ्-लाल जैन, निवासी उदस्पूर। (अन्तरिती)

को यह सूत्राना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के **प्रर्जन** के लिए कायवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के श्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपा में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन है भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोत्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वश्कीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 48, सर्वऋतु विलास, उदयपुर जो उप पंजियक, उदयपुर द्वारा कम संख्या 1889 दिनांक 29-8-81 पर पंजि-बद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप में विवरणित हैं।

> वी. के. अग्रवाल सक्षम प्राध्यिकारो सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, जयपू**र**

अत: अद, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिगियम की धारा 269-घ की उपगारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

सारीख : 23-4-1982

गोहर :

श्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जरप्र

जयपुर, दिनांक 23 अप्रैल 1982

निद^{*}श सं. राज./महा. आ. अर्जन/1184~-अतः मुझो, बी. के. अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राध्विकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. प्लाट नं. 24 है तथा जो उदयपूर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालग उदयप्र मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का प्रंप्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बुचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) सीनियर राजमाता श्रीमृति विरद क्युंबर, उदय्पूर । (अन्तरक)
- (2) डा. माणक लाल मांगरा पृत्रु श्री मंगीलाल जी मांगरा, निवासी बड़ी सादडी, जिला चित्तोड़गढ़ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से कि 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिका गुया है ।

अनुसूची

प्लाट नम्बर 24, सर्वऋतु विलास, उदयपुर जो उप पंजियक, उदयपुर द्वारा क्रम संख्या 1876 दिनांक 25-8-81 पर पंजि-बद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> वी. के. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्तर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जनुरज, जयपुर

तारींच ः 23-4-1982 मोहरः

प्रकृष ग्राई॰ टी॰ एम॰ एस॰---ग्रायकर प्रविचियम, 1981 (1981 का 43) की ग्राचा 269-ष (1) है अभीन सूचना

धारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन र्ज, जरप्र

जयपुर, दिनांक 23 अर्थल 1982

निदंश मं. राजः /गहाः का अर्जन/1183--अतः मुझो, बी. को. अप्रवालः,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ ने एधीन एक्सम प्राधिकारी को, यह निर्माण करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित हाजार मृत्य 25,000/- कार्य में अधिक है

और जिसकी मं. प्लाट नं. 79 हौ तथा जो अदयपुर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजम्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अभीन, तारीस 25-8-1981

को पूर्वोवत सम्पत्ति के नित बाजार मृत्य से कल के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उवित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिगों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए ठय पाया गया प्रतिफल. निम्नलिखित उद्देश के उकत अन्तरक जिल्हित में बास्तविक रूप से अधिक मही किए गए है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत सकत श्रीविषम के श्रीन कर देश के श्रम्तरक के दायित्व मं श्रमी करने या उससे बचने में सुविश्वा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी अप या किसी घन या अन्य आस्थियों ने जिस्सें अपसेष आयकर अधिनियम, १६०६ । १६०६ का ११०० का ११०० का ११० के प्रतिस्थान, एक पर कर्मविस्थान, एक पर कर कर्मविस्थान, एक कर प्रविस्थान, एक कर प्रविस्थान, एक कर प्रविस्थान, एक एक प्रयोजनाओं अन्सरिती दारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के किए।

श्रतः अब, उन्त अधिनयम की अपः (१८१-म के अनुसरण में, में, जबत अधिनियम की धारा 209-घ की उपधारा (1) के अधीन, जिस्ति विकास क्येषितयों अर्थान ——4—8601/82

- (1) सीनियर राजमाता श्रीमित वीरद कर्वर, उदयपूर। (अन्तरक)
- (2) श्रीमित सन्तु बार्ड पितन श्री गणेश लाल जी, निवासी कोलयारी।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियों करता है।

चनत सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी खाबीप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकानन की हारीय से 45 दिन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घवधि, जो भी धविब बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवीनस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत में शकातन की तारीच से 45 दिन के भीतर अकत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हणक्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का; जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रंथ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 79, सर्वऋतु विलास, उदयपुर जो उप पंजियक, उदयपुर द्वारा क्रम संख्या 1885 दिनांक 25-8-81 पर पंजि-बद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> वी. के. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, जयप्र

नारील : 23**-4-1982**

प्ररूप **बाइ** . टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आध्का (निरीक्षण) अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 23 अप्रैल 1982

निदंशि सं. राज./महा. आ. अर्जन/1182---अत मुझो, बी. को. अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. प्लाट नं. 49 है तथा जो उदयपर सं स्थित है (और इससे उपादद्ध अनुसूची मं और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयप्र में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-8-1981

को गूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुफे यह विश्वाह करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा केलिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हों, हों उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) सीनियर राजमाना श्रीमति तीरद कांश्रर, उदयगर। (सन्तरक)
- (2) राम जसंमुन्दडा पुत्र श्री काल्राम जी मृन्दडा, निवासी उदप्रप्र। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तमील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के रजपन में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्ध्योकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-कं में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

प्लाट नं. 19, सर्वऋत् विलाम, उदयपर जो उप पंजियक, उदयप्र द्वारा क्रम संस्था 1754 दिनांक 20-8-81 पर पंजि-बद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से वितर्राणत हो।

> वी. के. असवाल मक्षम प्राधिदारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्ष्ण) अर्जन रंज, जसएर

तार**ीव** : 23-4-1982

प्रकप मार्च . दी . एन . एस . :----------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्ज, जरप्र

जयप्र, दिनांक 23 अप्रैल 1982

निर्दाश सं. राज /सहा. आ. अर्जन/1181--अतः मुझे, बी. कं. अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 25,000/- रह. सं अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 30 सी ही तथा जो अदयप्र में स्थित हैं (और इसमें उपावद्भ अनुसूची में और पूर्ण स्प से वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अदयप्र में रिजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीक 20-8-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिन की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त गंपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एस दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निनिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्ति में वास्त-विक स्प से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जनतरण से हुई किसी भाग की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के निए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :---

- (1) सीनियर राजमाता श्रीमति वीरद कृंबर, उदयपुर। (अन्तरक)
- (2) श्री रंगलाल पुत्र माधव लाल एवं प्यार लाल पुत्र माधवलाल, निवासी उदयपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अन्धाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्यब्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचीं

प्लाट नं. 30 सी, सर्वऋतु विलास, उदयप्र जो उप पंजियक, उदयपुर द्वारा क्रम संख्या 1751 दिनांक 20-8-81 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित ह³।

> वी. के. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जयप्**र**

तारीख: 23-4-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 23 अप्रैल 1982

निवाँश मं. राज./सहा. आ. अर्जन/1180—अतः मुझे, बी. कं. अग्रवाल, आयकर अधिनियमा, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 68 ए हैं तथा जो अदयप्र मं स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अदयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार सूल्य से कम के ट्रियमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण सं हुइ किसी आय की बाइत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाथित्य में कमी करने या उसमें बचने में सूबिधा के लिए; आदि/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीग निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) सीनियर राजमाता श्रीमित वीरद कंवर, उदयपुर। (ग्रन्तरक)
- (2) सम्पत कामार कांठारी पुष श्री वहादार क्षण जी कांठारी, निवासी उदयपुर।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी कारके पूर्वींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मा कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सभ्वन्थी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, की अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन<u>ु</u>स्ची

प्लाट नं. 68 ए, सर्वऋतु विलास, उदयपुर जो उप पंजियक, उदयपुर द्वारा क्रम संस्था 1757 दिनाक 20-8-81 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप में विवरणित ह²।

> वी. के. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन र^रज, जयपुर

तारीय : 23-4-1982

प्ररूप आई.टी.एन एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त अयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 23 अप्रैल 1982

निदंश सं. राज / सहा. आ. अलंग/ 1179—अतः मुझे, वी. के. अभवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हों), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 47 है तथा जो उदयप्र में स्थित है (ओर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता आधिकारी के कार्यालय उदयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-8-1981

को प्यों क्त संपरित के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिप्तल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वों क्त संपरित का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिप्तल से, ऐसे दश्यमान प्रतिपत्त का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिप्तल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, ल्याने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) सीनियर राजमाता श्रीमित वीरद कुंवर, उदयपुर। (अन्तरक)
- (2) श्री रमेश चन्द एवं श्री सुन्दर लाल पिता श्री भीमराम जी, कि. उदयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं:

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखरः 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, हो शितर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्नस ची

प्लाट नं. 47, सर्वऋतु विलास, उदयपुर जो उप पंजियक, उदयपुर द्वारा कम संख्या 1758 दिनोक 18-8-81 पर पंजि-बद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> वी. के. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन् रांज, जयपुर

तारीख: 23-4-1982

प्ररूप आईं. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीर सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जयपुर जयपुर, दिनांक 23 अप्रैल 1982

निर्दर्भेश सं. राज्./सहा. आ. अर्जन/i178——अतः मुझे, वी. के. अग्रवाल,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 50 है तथा जो उदयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याल्य उदयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-8-1981

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्ते अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अत:, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नुतिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) सीनियर राजमाता श्रीमित बीरद कंवर, उदयपुर। (अन्तरक)
- (2) श्री मोहन लाल ,दोवपुरा सी ए, निवासी 2 बी कालाजी गौरांगी, उदयपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं 50 ए, सर्वऋतु विलास, उदयपुर के उप पंजियक, उदयपुर द्वारा कम संख्या 1755 दिनाक 18-8-1981 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> वी. के. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रंज, जयपुर

तारीख: 23-4-1982

प्ररूप बाइं्टी एक एक -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

आरत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 23 अप्रैल 1982

निदर्शे सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1177--अत: मुझो, बी. को. अग्रवाल,

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त जीधीनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उजित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नम्बर 25 है तथा जो उदयपुर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-8-1981

को वर्षोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक हैं और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बारिसवां को, जिन्हों भारतीय बाय-कर बीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धनकर अधिनियम, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बंदा था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के स्विधः

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त औधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अभीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थातु:—

- (1) सीनियर राजमाता श्रीमित बीरद कांवर, उदयपुर। (अन्तरक)
- (2) श्री बुधमल जौशी, सूरजपोल, उदयपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां शुरू करता हड़ें।

उक्त सम्मिति के मुर्चन के सुम्बन्ध में काहे भी आक्षेपूछ--

- (क) इस स्वान के द्रावपत्र में प्रकाशन की तार्रींच से 45 दिन की वविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की वविध, जो भी वविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतूर प्रविक्त व्यक्तियों में से दिवसी व्यक्तिय हवाराह
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनता स्थान्द संपत्ति में हित्नकृष् किसी जन्म न्योनिक द्वारा अभोहस्ताकरी के पास निस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

प्लाट नं 25, सर्वऋतु विलास, उदयपुर जो उप पंजियक, उदयपुर द्वारा कम संख्या 1752 दिनाक 17-8-81 पर पंजि-बद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

वी. के. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे, जयपुर

तारीख: 23-4-1982

प्रकप धाई० टी० एम० एस०---

अ(यकर म**विनियम; 1961** (1981 ा **43)** की शारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयक्त आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रिन, ज्यप्र

जयपुर, दिनांक 23 अप्रीत 1982

निदोश संख्या राज./सहा. का. अर्जन/1176---अतः मुझो, बी. के. अग्रवाल,

अधिनयम, 1961 (1961 का 43) िंगरो इसमें इसके पंजवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का लारण है कि स्वावर सम्प्रति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रू में अधिक है और जिसकी संख्या प्लाट वं 62 ही तथा जो उत्यवर में व्यिष्ट हैं और इसमें उपाबद्ध अनुसूची मो और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अभिकारी के कार्यालय उत्यवर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ल्यीन, तारीख 17-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए प्रत्तरित की गई है और मृझं यह तिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के ऐसे दृश्यमक प्रतिफल का पन्तर प्रतिगत से विक है और अन्तरक (ग्रन्तरकों) और अन्तरिती (ग्रन्तरिनिधौं) के बीच ऐसे अन्तरण के जिसे तय पासा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदेश्य से उन्त ग्रन्तरण लिखित में वास्नविक रूप में कथित नहीं किया गया है !---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अद्यितियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उपने बचने सुविधा के निए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अस्य आस्तिकों इस (जन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1923 (18:2 का 11) या उक्त अधिकिस्स या घन-कर अधिनियम, 1957 (19:7 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रका नहीं िका क्या स्वाब किया जाता आहिए बा, ेपाने सुविधा है लिए;

स्रतः अब, उन्त श्रिधिनियम की धारः 269-ग ६ अनुसरण में, मैं, उन्त श्रिधिनियम की धारा 269-व की खपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः---

- (1) সজमाता श्रीमती तीरद्र कर्बिंग, उद्यक्ष्य (अन्तरक
- (2) डा. महोन्द्र सिंह गातृण गुन शी वलकान सिंत् नाहर एवं शीमती होगाना नाहर गोन भी गता सिंह नाहर, निवासी उदयप्र

(अन्सरिती)

को पह सूचना आरी करके प्रचौंकत सम्पत्ति के श्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं !

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अन्निध या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील में 30 दिन की प्रविध, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना व राजपत में बकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्बक्ति में कितबद्ध किसी अभ्य व्यक्ति द्वारा, अंबोड्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे

स्पन्ति शब्दों और पदों का, जो उन्त अधितयम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अथं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 62, भविश्वन विलास, उद्ययप जा उप पंजियक, उदयपुर व्वास क्रम संस्था 1753 दिनाक 17-8-1981 पर पंजीबबुध विकास पत्र को और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> वीं कें अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन राँज, जयपुर

तारीख: 23-4-1982

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.------

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त अगुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, अयपुर

जयपुर, दिनांक 23 अप्रैल 1982

निद्या संस्था राजः /सहाः आः अर्जन/1188--अतः मुक्ते, वीः केः अग्रवाल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नम्बर 19 है तथा जा उदयपूर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उदयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 17-8-1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी अपने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, द्विपाने में स्विधा को लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसत व्यक्तियों, अथित्:—— 5—86 GI/82

- सीनियर राजमाता श्रीमती विरद क्रांबर उदयपुर (अन्तरक)
- 2. श्री मांगीलाल पृत्र हीरालाल जी एवं श्री मनोहर लाल पृत्र हीरालाल जी जैन निवासी भावसौंडा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृषांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवीं कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुमा है।

अगसची

प्लाट नम्बर 19, सर्वऋतु विलास, उदयपुर जो उप पंजियक, उदयपुर द्वारा काम संस्था 1756 दिनांक 17-8-1981 पर पंजिबद्द्ध विकास पत्र में और विस्तृत स्था से वितरिणत हैं।

> वी के अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जयपुर

त्रारीस : 23-4-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रिज, जयपूर

जयपुर, दिनांक 23 अप्रैल 1982

निद्देश संख्या राज /स्हा. आ. अर्जन/1189—–अतः मृभ्ते, वी. के. अग्रवाल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स ने अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट तं. 30 है तथा जो उदयपुर में स्थित हैं (और इससे उपाअव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुम्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त कन्तरण लिखित में बास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिभा के लिए:

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- सीनियर राजमाता श्रीमसी विरद क्रावर उक्ष्यपुर (अन्तरक)
- श्रीमती लक्ष्मी बार्ड पिन्न श्री बृज लाल जी जैर एवं श्रीभती शांति बार्ड पिन्न श्री गणेश लाल जी संघवी निवासी नाथद्वारा जी. उदयपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नम्बर 30 बी सर्वऋत विलास, उषयपुर जो उप पंजी-यक, उदयपुर व्यारा कम संख्या 1734 विनांक 14-8-1981 पर पंजीबद्ध विकय पत्र मो और विस्तृत रूप से विवरणित हो।

> वी. के. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आग्रकर आग्रक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जयप्र

तारीच 23-4-1982

भाहर

प्ररूप भाई० टी० एन० एस●----

न्नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जयप्र जयपुर, दिनांक 23 अप्रैल 1982

निदंश संख्या राज /स्हा. आ. अर्जन/1194--अत: मुफ्तं, वी. को. अग्रवाल,

श्रायकर प्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

और जिसकी संख्या प्लाटनं. 29 ही तथाजो उदयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयप्र में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-8-1981

को पूर्जीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भ्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण ै कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य जसके दश्यमान पतिफल ये ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है। और प्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर धन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीव ऐने घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उत्रत ग्रस्तरण लिखित में वास्तविक इस में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबंत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायिएव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ए`सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

धत: अब, उक्त श्रिष्ठिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित त्यक्तियों, ग्रर्थात :---

- सीनियर राजमाता श्रीमती विरद का बर उवयपर (अन्तरक)
- श्री भंवर लाल एवं शान्ति लाल पिता पृथ्वीराज जी जैन निवासी साकरोदा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्पत्ति ह ग्रर्जन क सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दित को प्रविध या तरसम्बन्धी क्यक्तियों पर मुचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) ६प ्चता के राजनत्न में प्रकाशत की तारीख सें 45 दित के भोतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में हितबद्ध किसो प्रत्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

भ्यष्टी कर ग:--इसने त्रयुक्त गब्दो ग्रीर नदीं हा, जो उक्त ग्रिधि-ंत्यम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होता, जो उप प्रध्यात में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं, 29 सर्वऋत् विलास, उदयपुर जो उप पंजीयक, उदय-पुर द्वारा क्रम संख्या 1733 दिनांक 17-8-1981 पर पंजीबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> वी. के. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जायप्र

तारीष : 23-4-1982

प्ररूप बाद्दै.टी. एन्. एस्. -----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जयपुर

जयपुर, विनांक 23 अप्रैल 1982

निवोध संख्या राजः /सहाः अाः अर्जन/1196---अतः मुक्ते, वीः केः अप्रवालः,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रह. से अधिक है

अरि जिसकी सं. प्लाट नं. 27 है तथा जो उदयपुर में स्थित है, (अरि इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 17-8-1981

को पूर्विक्स सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीभ ऐसे अन्तरण के लिए तय पाण गया प्रतिपत्त, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित भें वास्सविक रूप से किथत नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुइ किसी नाय काँ वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए?

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिति व्यक्तियों, अधित्:—

- सीनियर राजमाता श्रीमती विरद कृंबर, उदयपुर। (अन्तरक)
- श्री औमप्रकाश पृत्र श्री नाथूलाल जी अग्रवाल, निवासी उदयप्र।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी हसे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दूवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अप्रसची

प्लाट नम्बर 27, सर्वऋतु विलास, उदयपुर जो उप पंजीयक, उदयपुर द्वारा कम संस्था 1730 दिनांक 17-8-1981 पर पंजीबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से दिवरणित हैं।

> वी. के. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रंज, जयपुर

तारीब : 23-4-1982

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपूर

जयपुर, दिनाक 23 मंत्रल 1982

निदोश संख्या राज /सहा . आ . अर्जन/1175—अतः मुफ्ते, वी . के . अग्रवाल ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नं. 31 है तथा जो उदयपुर मो स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मों और पूर्ण रूप से विर्णत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर मों, रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-8-1981

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रदेष्ठ प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वोदय से उचत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविभा के शिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, एक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. सीनियर राजमाता श्रीमती विरव कर्ंवर, उदयपूर (अन्तरक)
- श्री सुमित प्रकाश पुत्र श्री महिन लाल संगावत एवं श्रीमती दाखा बृद्द विष्या श्री मान्गीलाल टीमखा, नि उवयपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूच्ना के राज्यक में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 31, सर्वऋतु विलास, उदयपुर जो उप पंजियक, उदयपुर द्वारा कम संख्या 1731 दिनांक 14-8-1981 पर पंजीबद्ध विकय पत्र में और विस्सृत रूप से विवरणित हैं।

> वी. के. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहामक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रॉज, जयपुर

तारीख: 23-4-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, जयपुर जयपुर, दिनांक 23 अप्रैल 1982

निदंश संख्या राज /सहा. आ. अर्जात/1193--अतः मृक्षे, वी. के. अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण हैं। कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक हैं

और जिसकी सं प्लाट नं 28 है तथा जो उदयपुर मं स्थित है, (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची मं और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय उदयपुर मं, रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 13-8-1981

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मी. उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. सीनियर राजमाता श्रीमती विरद कुंवर, उदयेपुर (अन्तरक)
- श्री वीपचन्द पिता कालू लाल जी जैन निवासी करावली तह. सलूम्बर

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए, जा सकोंगे!

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नम्बर 28, सर्वऋत विलास, उदयपुर जो उप पंजियक, उदयपुर व्वारा कम संख्या 1735 दिनांक 13-8-1981 पर पंजीबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित हो।

वी के अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जयपुर

तारीख : 23-4-1982

प्ररूप धाई • टी • एन • एस • --

आंयकर पश्चितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के ध्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जनर्ज, जयपुर

जयपूर, दिनांक 23 अप्रैल 1982

निदोश संख्या राज . /सहा . आ . अर्जन / 1197 — अतः मूर्फे , वी . के . अग्रवाल ,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नं. 50 है तथा जो उदयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त भ्रम्तरण लिखित में वास्तविक च्या से कथित नहीं किया गया है।

- (क) ग्रन्तरण से हुई फिसी भ्राय की बाबत उक्त ग्रिध-नियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसा घन या भ्रन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर भ्रिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनायं भ्रन्तिर्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में स्विधा के लिए;

भतः प्रय, उन्त ग्रधिनियम के घारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, एक्त ग्रधिनियम की घारा 269-घ की उपवारा, (1) के ग्रधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- सोनियर राजमाता श्रीमती विरद क्वंबर, उदयपूर (अन्तरक)
- 2. डा. गोवर्धन लाल पुत्र श्री शंकर लाल जी डाड, निवासी गांव नगरी जिला चित्तांडरढ़ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के धर्णन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी स्पिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पिक्तयों में में किसी स्पिक्त दांरा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो छक्त ग्रिधिनियम के फल्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रथं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

प्लाट नं. 50, सर्वऋतु विलास, उदयपुर जो उप पंजियक, उदयपुर द्वारा कम संख्या 1733 दिनांक 13-8-1981 पर पंजिबद्ध विकय एव में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> वी. के. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, अयप्र

तारीख : 23-4-1982

प्रका धाई० टी• एन०एस•---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार। 269व(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र ज, जयपूर

ज्यपुर, विनांक 23 अप्रैल 1982

निविश संख्या राज./सहा. आ. अर्जन/1190--अतः मृभ्ते, वी. के. अग्रवाल,

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-क से ग्रीधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नं. 44 है तथा जो उदयपुर में स्थित है, (और इससे उपाडव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित् बाजार मूल्य से कम के ख्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (ग्रम्तरितियों) के बीच ऐसे प्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित बास्तविक हर मे कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आप की बाबा, उका मिध-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या मन्य खास्तिओं को, जिन्हें भारतीय माय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिनियम, या धन-कर भिनियम, या धन-कर भिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की स्पधारा (1) के अधीन, निम्निसिटित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- 1. सीनियर राजमाता श्रीमती विरद क*ुवर, उदयप्र* (अन्तरक)
- श्री राम सुख गोविनछ राम मह³श्वरी, निवासी गंगा-पुर तह. भीलवाड़ा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जी भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तक्षारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शक्दों श्रौर पदों का, जो उक्त प्रिन्नि नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नम्बर 44, सर्वऋतु विलास, उदयपुर जो उप पंजियक, उदयपुर द्वारा कम संख्या 1660 दिनांक 10-8-1981 पर पंजिबद्ध विकय पद में और विस्तृत रूप से विधरणित हैं।

बी. के. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, अयपुर

तारीस : 23-4-1982

ंप्ररूप आर्द्: टी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जयपुर

जयपूर, दिनांक 23 अप्रैल 1982

िदिश संख्या गज/सहा. आ. अर्जन/1191--अतः मूफो, बी. को. अग्रवाल,

आयकर घिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चात् 'उक्त घिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अशीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 26,000/- द के से घिषक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 30 है तथा जो उदयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर मे, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 10-8-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त भाषा-नियम के अधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--6---86 GI/82

- सीनियर राजमाता श्रीमृती विरद कुवर, उदयपुर (अन्तरक)
- 2. अन्त्री वार्द्र पत्नि श्री चुन्नी लाल जैन, निवासी नवाणिया तह. बल्लभ् नगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पित्त के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के मुर्जन के सम्मृत्भु में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवीं कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (**■) इस् स्भाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से**45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. सर्वऋतु विलास, उदयपुर जो उप पंजियक, उदयपुर किम संख्या 1663 दिनांक 10-8-1981 पर पंजिबद्ध विकय-पत्र मों और दिस्तृत रूप से विवरणित हो।

> यी . के . अग्रताल सक्षम प्राधिकारी स्हायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज , जयपुर

तारी**ल** : 23-4-1982

AVdi - S

प्ररूप आहे.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जनरज, जयपूर

जयपुर, दिनांक 23 अप्रैल 1982

निविश संख्या राज./सहा, आ. अर्जन/1198--अतः मुभै, वी. के. अग्रवाल.

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नं. 22 है तथा जो उदयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विर्णत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख 21-9-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह दिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत अधिक है और अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्न्लिखित व्यक्तियाँ अर्थात्:——

- सीनियर राजमाता श्रीमती विरद कुंबर, उदयपुर (अन्तरक)
- 2. श्रीमती पन्नू बाई परिनृश्री भवर लाल अने, निवासी उदयपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपक्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन् के संबंध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनस्यो

प्लाट नं. 22, सर्वऋतु विलास, उवयपुर जो उप पंजियक, उदयपुर द्वारा कम संख्या 2088 दिनांक 21-9-1981 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

थी. के. अप्रवास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रोज, जयपुर

तारीख: 23-4-1982

मोहर:

المراجع المرا

प्रकप बाइं.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्**ष**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, ज्युपुर जयपुर, दिनांक 23 अप्रैल 1982

निद्देश संख्या राज /सहा. आ. अर्जन/1174--अतः मुफ्ते, वी. के. अग्रवाल,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण. है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नम्बर 84 बी है तथा जो उदयपूर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपूर में रिजस्ट्रीकर्रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-9-1981

का पूर्वों कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल के पन्तर प्रतिफल के पन्तर प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्ति पिक स्प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी अरने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

बतः मन, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- सीनियर राजमाता श्रीमतोा विरद करूंब्र, उदयपुर (अन्तरक)
- श्री कुल्द्रीप व्यास संरक्षक चन्द्रशेखर व्यास, मेहता जी की बाड़ी, उदयपुर (अन्त्रिता)

का यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी बसे 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामिल से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबब्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिसित में किए जा सकींगे।

स्पष्टोकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नम्बर 64 बी, सर्वऋतु विलास, उदयपुर जो उप पंजियक, उदयपुर द्वारा कम संख्या 2090 दिनांक 19-9-81 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> वी. के. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रुज, जयपुर

तारीख : 23-4-1982

प्ररूप नाइ , दी. एन्., एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्क (निरीक्षण)

अर्जन र ज, ज्यपुर

जयपुर, दिनांक 23 अप्रैल 1982

निदोध संख्या राज /स्हा. आ. अर्जन/1195--अतः मुफ्ते, वी. को. अग्रवाल,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या 45 है तथा जो उदयप्र में स्थित है, (और इसमें उपाबद्ध आनुसूची में और पूर्ण रूप से दर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 15-9-1981 को पूर्वों क्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की ग्रिड है और मुक्ते यह यिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण

लिखित में बाम्तिबिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--

- सीनियर राजमाता श्रीमती विरद कुंबर उदयपुर। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती मन्जू दोवी पितन श्री शोखर लाल जी जैन एवं श्रीमती तारा दोवी पितन श्री शन्ति लाल जैन निवासी उदयपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

अनुसूची

प्लाट नम्बर 45 सर्वऋतु दिलास उदयपुर जो उप पंजियक, उदयपुर क्वारा क्रम संख्या 2086 दिनांक 15-9-1981 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत कप से विवरणित है।

> वी. के. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रोज, अयपुर

तारीव : 23-4-1982

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

. कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र^{चे}ज, जयपुर र टिनांक २२ अप्रैसं 10

जयपुर, दिनांक 23 अप्रेलं 1982

निर्दोश संस्था राज /सहा. आ. अर्जन/1192--अतः मुक्ते, वी. के. अग्रवाल,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उषित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं, प्लाट नं. 45 है तथा जो उदयपुर में स्थित है, (और इससे उपाइद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर मं, रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-9-1981

को पूर्वो कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में थास्तिक है से किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिख्त व्यक्तियां, अर्थात् :—

- मीनियर राजमाता श्रीमती विरद कुंबर, उदयपुर । (अन्तरक)
- श्री तोलाराम पृत्र श्री पन्ना लाल जी उदयपुर । (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से
 45 दिन के भीतर उन्कत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य न्यिक्तयों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 80, सर्वऋतु विलाम, उदर्गपूर जो उप पंजियक, उदर्गपूर द्वारा काम संख्या 2089 दिनांक 15-9-1981 पर पंजिबक्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप में विवरणित है।

वी के. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन र^{र्}ज, जयपुर

तारोख : 23-4-1982

प्रकृष् बाह्रै, दी, एन्, एस्.-----

आयकर अधिनियम, .1961 (1961 का 43) की धारा **269-ण (1) के मुधीन सूच्**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 24 अप्रैल 1982

निद्धें सांस्था राज /सहा. आ./अर्जन/1202—अतः मुझे, वी. के. अप्रवाल, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त बिधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं. डी-29 हैं, तथा जो जयपुर में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

3-9-1981
को पूर्वो कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान
प्रांतपाल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती
(मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक
दूर से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर उधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम् की भारा 269-ग के अनुसरण, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन निमनिलिखित व्यक्तित्य", नुश्रीत् ह—

- श्री विष्वनाथ काले पृत्र श्री वसन् काले, सृष्टमपुरी, जयपुर।
 - (अन्तरक)
- 2. श्री आर. बी. माथुर पुत्र श्री वी. एत. माथुर डी-29, पुत्रकार कालोनी, ज्यपुर। (अन्सर्रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी ।

स्मण्डीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शन्दों भौर पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

प्लाट नं . डी-29, पत्रकार कालोनी, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर व्वारा कम संख्या 2304 दिनांक 3-9-81 पर पंजीवद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

वीं के अप्रताल स्थम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 24-4-1982

प्रकप् आइं.टी.एन.एस.,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मू (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 24 अप्रैल 1982

निर्देश संख्या राजः/सहा. आ. अर्जन/1200---अतः मुझे, बी. के. अग्रवाल,

मायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिस्का उपित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से मिथक है

और जिसकी सं प्लाट नं 240 है, तथा जो जौधपूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जौधपूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीच 21-4-1981

को पूर्वों क्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्त्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्स सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके स्त्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे उन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिबित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिबित में वास्तिविक रूप से किया गृया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, अक्त जिम्मित्यम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अजने में सुविधा के सिए; जॉर/मा
- (थ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

कतः अन, उक्त अधिनियमः की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्निन्दित व्यक्तियों, अर्थातु :--- श्री ओ पी बंसल, डिप्टी चीफ इंजीनियर, राजस्थान राज्य विद्युत मण्डल, जयपुर।

(अन्तरक)

 श्रीमती सुशीला राठी द्वारा के. आर. राठी एण्ड कम्पनी, चार्टांड अकाउन्टेन्डस, चौंपामनी रोड, जौधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की जविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्योकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होना जो एक अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

प्लाट नम्बर 240, सैक्टर ए, सैक्टर 4, मसरिया सैक्टर, शास्त्री नगर, जोधपुर जो उप पंजियक, जौधपुर द्वारा कम संख्या 707/2027 दिनांक 21-8-81 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> वी. के अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जयपुर

तारी**ल** : 24-4-1982

माहर :

प्रकल बाह् , टी., एन्., एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र³ज, जयपर

जयपुर, दिनांक 24 अप्रैल 1982

निद्देश संख्या राज./महा. आ. अर्जन/1199-~अतः मृझे, थी. के. अग्रवाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं प्लाट नं 1 है, तथा जो जैश्वपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जौधपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-8-1981

कां पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक स्पूर् से कथित नहीं किया गया हैं।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या
- (हा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री राजराजेक्वर प्रसाद भटनागर पुत्र बेनी प्रसाद भटनागर, भरतपुर।

(अन्तरक)

 श्री महाबीर मेहता पुत्र श्री नेमी चन्द जैन, निवासी मोहनपुरा, जौधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृस्ची

प्लाट नं. 1, मसूरिया, सैक्शन 7, एक्सटेन्शन, जौधपुर जो उप पंजियक, जौधपुर द्वारा कम संख्या 705/1877 दिनांक 7-9-81 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित ही।

> थी. के. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जयपुर

तारीय : 24-4-1982

प्ररूप आर्द्र, टी एन, एस,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

12 34 M

कार्यालय, महायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, जयप्र

जयपुर, दिनांक 24 अप्रैल 1982

निक्टेंश संख्या राजः/सहाः आः अर्जन/1201——अतः मुक्ते, वीः के अग्रवालः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मं. मकान है, तथा जो जीधपुर में स्थित है (और इससे उपाबस्थ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जीधपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 6-8-1981

को प्रवेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिखत में बास्तविक रूप के किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, उधितः——
7—86G1/82

 श्रीमती प्रशंका वार्ष्ट एवं कथला हाई प्रकीय ह्युक्त सिंह राज्युक, निकासी लौकते हाइ, रक्ताएा, जोधप्र।

(अन्तरक)

 श्री ऑमप्रकाश प्त्र श्री ग्लगज अग्रदाल, सिटी पुलिस, जीधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूधना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृस्ची

आवासीय मकान, रतनाडा, रोलये रिनंग सैंड के पास, जीधपूर जो उप पंजियक, जीधपूर व्वारा क्रम संख्या 724/1844 दिनांक 6-8-81 पर पंजिबद्ध विक्रय एवं में और विस्कृत रूप से विवरणित किया गया है।

वी. के. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी महायक ग्राथकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जयपुर

नारीब : 24-4-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रंज, जयपूर जयपूर, दिनांक 21 अप्रैल 1982

निद्रिश संख्या राजः /सहाः आः अर्जन/1167—यतः सृष्टो, वी. के. अग्रवाल,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं कृषि भूमि है, तथा जो उवयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उदयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनिएम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 28-8-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमार प्रतिफल के लिए अन्तरित की दिं है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरित (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

 श्री अजय सिंह पुत्र श्री जगत सिंह महिता, जीवन निवास, उदयपुर।

(अन्तरक)

 श्री महोश काुमार पृत्र श्री महोन्द्र काुमार नलवाया, महता जी की बाड़ी, उदयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यक्षाहियां करता हूं। ** ***

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिटबद्ध किसी अन्य व्यक्तियाँ द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम दिस्तित में किए जा सकरि।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जो उदयपुर में स्थित हैं और उप पंजियक, उदयपुर व्वास काम मंख्या 1908 दिनां 26-6-81 पर पंजि - बद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

वी. के. अग्रदाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन र³ज, जयप्र

तारीय : 21-4-1982

माहर

प्ररूप आइं.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन राज, जयपुर

जयपूर, दिनांक 21 अप्रैल 1982

निर्देश संख्या राज / महा. आ. अर्जन/1168—यतः मुझे, वी. के. अग्रवाल, ... आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी मं. कृषि भूमि है, तथा जो उदयप्र में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मं और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजन्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उदयप्र में रिजन्द्रीकरण

4-9-1981
को पूर्वोक्षत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल कि निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- श्री अजय सिंह पुत्र श्री जगत सिंह महेता, जीवन निवास, उदयपुर।
 - (अन्तरक)
- श्री महेश कुमार पुत्र श्री महेन्द्र कुमार नलवाया, महता जी की बाड़ी, उदयपुर। (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पोत्त में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जो उदयप्र में स्थित है और उप पंजियक, उदयपुर द्वारा क्रम संख्या 1907 दिनांक 4-9-81 पर पंजिन बद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

वी. के. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अ्र्जन रॉज, जयपुर

बतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नियमिन, व्यक्तियों अर्थात्:——

तारील : 21-4-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 21 अप्रैल 1982

निर्दोश संख्या राज् /सहा. आ. अर्जन/1169--यतः मुझे, वी. के. अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक ही

और जिसकी सं. कृषि भूमि है, तथा जो उदयपुर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उदयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-9-1981

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमार प्रतिफाल को लिए अन्तरित की गई है। और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल में, एंसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिष्ठत अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिरियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धेन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विधी के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियमः, की धारा 260-ए के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) यो अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों अर्थात् :---

1. श्री अजय सिंह पुत्र श्री जगत सिंह महेता, निवास, उदयपूर। (अन्तरक)

2. श्री महोश क्मार पुत्र श्री महोन्द्र कुमार नलवाया, महता जी की बाड़ी, उदयपुर। (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिटबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों च्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक⁷गे।

स्पष्टीकरण.--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जो उदयपुर में स्थित है और उप पंजियक, उदयपुर द्वारा क्रम संख्या 1905 दिनांक 1-9-81 पर पंजिन बद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> वी. के. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक अायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जयप्र

नारील : 21-4-1982 साहर :

प्ररूप आहा. टी. एन. एस.----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन गंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 21 अप्रैल 1982

निर्दोश संस्था राज /सहा. आ. अर्जन/1170--यतः सुझे, वी. के. अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं कृषि भूमि है, तथा जो उत्यपुर में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची मो और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उदयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-9-1981

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्तेयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; गौर/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर मिश्नियम, 1922 (1922 का 11) या उबत आंधिनियम, या धनकर मिश्नियम, या धनकर मिश्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

 श्री अजय सिंह पुत्र श्री जगत सिंह महिता, जीवन निवास, उदयपुर।

(अन्तरक)

 श्री महोश क्यार पृत्र श्री महोन्द्र क्यार नलवाया, महता जी की बाड़ी, उदयप्र।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्.---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की टारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उवत स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गयः हैं।

अन्सूची

कृषि भृमि जो उदयपुर में स्थित है और उप पंजियक, उदयपुर द्वारा कम संख्या 1908 दिनांक 1-9-81 पर पंजि-बद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> वी. के. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आय्कर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जयपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण माँ, माँ, उक्त अधिनियम की कारा 269-व की प्रणारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातुः——

न्।रीस : 21-4:1982

माहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रंज, जयप्र

जयपुर, दिनांक 21 अप्रैल 1982

निर्देश मंख्या राजः/सहाः आः अर्जन/1171--यतः मस्ते, वी. के. अग्रहालः

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रा. से अधिक है

और जिसकी सं प्लाट है, तथा जो उदयपुर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उदयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10 अगस्त 198।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृष्य सं काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृद्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी अपने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

- श्रीमती मणी ब्रेन परनी रतनाजी रावजी, अझाँक नगर, उदयपुर।
 (अन्तरक)
- 2. श्रीमती महोन्द्र दंबी पत्नी श्री शान्ती लाल जी. चाप-लोत, अशोक नगर, उदयपूर। (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पृवां क्ता सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अशोंक नगर उदयपुर स्थित प्लाट जो उप पंजियक, उदयपुर द्वारा क्रम संस्था 1703 दिनोंक 10-8-81 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित ह³।

> वी. के. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जयपुर

तारीख : 21-4-1982

भोहर:

प्ररूप बाइ .टी.एन्.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 21 अप्रैल 1982

निद्रोंश संस्था राज./महा. आ. अर्जन/1172--यन मुझे, बी. को. अग्रवाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000 र से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट का भाग है, तथा जो उदयप्र मं स्थित हैं (और इससे उपाइद्ध अनुसूची मं और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उदयप्र मं रिजस्ट्रीकरण अधिनियस, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 14-9-1981

को नूबाँवत सम्पत्ति के उिषत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्र कल निम्नलिखित उद्दोश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बाम्तिवित कर से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन-कर अधिनियम या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः---

- श्री भगवत सिंह सुपूत्र श्री गनपत सिंह कोठारी, निराला मार्ग, कक्तिनगर, उदयपुर। (अन्तरक)
- श्रीमती म्मिका दोवी पत्नी श्री नरोन्द्र क्यार नाया, उदयप्र।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी स्पित्तयों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्पृत्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीन से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितनक्थ किसी अन्य व्यक्ति इतारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्वविकारण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकता अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अन्स्ची

पार्ट आफ ओपन प्लाट, क्षेत्रफल 518 वर्ग फुट जो उप पंजियक, उत्थपुर द्वारा ऋम संस्था 2116 दिनांक 19-9-81 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और बिस्तृत रूप से विवरणित हैं तथा दहिसीगेट के बाहर, उदयपुर में स्थित हैं।

> वी. के. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोज, जयपुर

तारीच : 21-4-1982 मोहर : ----

प्राच्या आहूरि. टो. एन. एस.------

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन गुणा

भारत सरकार

कार्यात्वय, महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयप्र

जयप्र, दिनांक 21 अप्रैल 1982

निर्दोश संख्या राजु./सहा. आ. अर्जन/1173--यतः मुझे, वी. को. अग्रवाल,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट है, तथा जो उदयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ला अधिकारी के कार्यालय, जदयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-9-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रिक्तिल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुभे यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बाच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीन,--

 श्री भगवान सिंह, एव श्री गनपत सिंह कोछारी, निराना साग, शिवलनगर, उद्ययपुर।

(अन्तरक)

 श्री विरोन्द्र कोुमार पृत्र मोहन लाल ताया, उदयपुर। (अम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षोप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पार्ट आफ ओपन प्लाट, क्षेत्रफल 518 वर्ग फ्ट जो दहिली गेट, उदयप्र के बाहर स्थित है और उप पंजियक, उदयप्र द्वारा क्रम संख्या 2024 दिनांक 14-9-81 पर पंजिबद्ध विक्रम पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित्ही।

> वीः के. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जय**ए.र**

नारी**ख** : 21-4-1982

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिरियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज-।, इन्द्रप्रस्थ स्टोट, नर्ह दिल्ली
नर्झ दिल्ली, दिनांक 22 अप्रैल 1982

निदर्शि सं आई. ए. सी./एक्ए./2/एस-आर-3/8-81/700--अत: मुक्ते, एस. आर. गप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- र_र. से अधिक है और जिसकी सं. कषि भूमि है तथा को गास-होरा मंडी, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनु-सृची में पूर्व रूप से वर्णित हैं), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय नर्इ दिल्ली में भारतीय रिजस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) को अधीन तारीक अगस्त 1981 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित क्षाजार मुख्य में कम के बुश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विख्यान करने का कारण है कि प्रथापवींक्य सम्पत्ति का उचित बाजार मध्य, उसके दश्यमान प्रतिपाल से, ऐसे इण्एसन प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ब्रधिक है और अस्तरक (परारकों) और परतरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया गतिफल, निम्नलिखित छहेश्य से उनत श्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत. उनत प्रिष्ठ-नियम के प्रधीन कर देने के धन्तरक के दायित में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए। श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या घरप भास्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धनकर भिधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या िया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रवः श्रवः, उक्त यक्षिनियम् की धारा 269ना के श्रनुसरण में, में, उकत श्रिधिनयम् की धारा 269-ध की उप**धारा (.1) के मधीन,** निस्त**िख**त व्यक्तियों, **खंबत् :-**8—86G)/82 श्रीचन्द्र सुपुत्र श्री हरबंस निवासी-ग्राम डोरी मंडी नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. कुमार प्रशोतम दरीयानानी सुपुत्र श्री प्रशोतम रूप चन्द चेलाराम्, व्वारा आर. डी. चन्द्रा निवासी-13-डी, पौकेट-एच, डी. डी. ए. सेल्फ फाइने-सिंग फ्लेट, सांकेत, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियों करना हैं।

उत्रत सम्पत्तिके मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेपः ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वादा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
 किसी धन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास विकित
 में किये जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण :--इसमें प्रयुक्त सब्दों श्रीर पदों का; जो उक्त अधि -नियम के श्रष्ट्याय 20-क में परिवाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अमृस्यी

कृषि भूमि क्षेत्र 7 बिघे और 4 बिश्वे, मुस्टाटील नं. 39, किला नं. 14(4-9), 8(2-15), ग्राम-डेरा मंडी, तहसील-महराँली, नई दिल्ली।

एस. आर. गृप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-1, दिल्ली, नर्द्र दिल्ली-110002

नारीस : 22-4-1982

मोहर 🤢

प्ररूप बार्ड टी. एन्. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज-।, इन्द्रप्रस्थ स्टंट, नर्इ दिल्ली
नर्इ दिल्ली, दिनांक 22 अप्रील 1982

निवर्षेश सं. आई. ए. मी./एक्यू./2/एस-आर-3/8-81/701--अतः मुक्ते, एस. आर. गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाम् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पित्स, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-डेरा मंडी, नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व क्य

विल्ली मों स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुमूची मों पूर्व कप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यलय, नई दिल्ली मो भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीक अगस्त-81

को पूर्वो क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की इपधारा (1) के अधीन निम्निनिश्चित अधिकत्यों अर्थात् :-----

- श्री चन्य सुपुत्र श्री हरबंग, निवासी-ग्राम-इरेरा मंडी, महरौती, नई दिल्ली।
- (अन्तरक)

 2. कामार प्रशोतम दरीयानानी सुप्त श्री प्रशोतम रूप
 चन्द चेला राम द्वारा आर. डी. चन्द्रा निवागी-13
 डी, प्रौकेट-एच, डी.डी.ए. संल्फ फाईनेनिसंग
 पसंट, साकेत, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए एसब्ब्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राज्यक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निख्ति में किए जा सकने।

स्पष्टीकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

समस्त्री

कृषि भूमि क्षेत्र 4 बिघे 16 बिश्वे, बियरिंग मुस्टाटील नं. 39 किला नं. 7, ग्राम-डोरी मंडी, नई दिल्ली।

> एस. आर. गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारील : 22-4-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन राज-2, इन्द्रप्रस्थ स्टोट, नई विल्ली नई विल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-2/8-81/6056—अतः मुक्ते, नरन्द्र सिंह, आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो भ्राम-ब्रारी दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), राजिस्ट्रीकर्ग अधिनियम, 1908 (1908 का

16) के अधीन तारी अगस्त-81
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कस के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्षे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्वश्य से उच्त अन्तरण लिखित मे
भास्तिक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलिसित व्यक्तियों, अधीत्:--

 श्री इन्द्रा राज सूपुत्र श्री खुषाल निवासी-ग्राम-बुरारी-दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 श्री फुल सिंह डाइमा सुपुत्र लद् राम डाइमा, निवासी-एफ-14/51, माडल टाउन, दिल्ली-9। (ग्रम्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्मृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पृतित् के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यवाराः
- (ज) इस् सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नगसर्ची

प्रो. भूमि का माप-12 बिश्वे, खसरा नं. 818, ग्राम-बुरारी, दिल्ली।

> नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, दिल्ली, नर्ह दिल्ली-110002

तारी**ल** : 19-4-1982

प्रकृप बार्ड्, दौ. एन्. एस्. -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

HIST STATE

कार्याज्य, ब्हार्क जार्क्ड नायुक्त (निर्द्वीक्ष्म)

अर्जन रॉज-2. इन्द्रप्रस्थ स्टोट, नर्झ दिल्ली नई दिल्ली, विनांक 19 अप्रैल 1982

निर्देश सं. आर्ह. ए. सी./एक्यु./2/एस-आर-2/8-81/6158--अतः मुभ्ते, नरन्त्र सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके परवात् 'उवत् विधिनियम्' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का का<u>रण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उत्त</u>िक बाजार मूल्य

25,000/-रु. से अधिक हैं आरि जिसकी सं.सी-180 है तथा जाहरी नगर,

विल्ली में स्थित **है (और इससे उपाबद्**ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीय अगस्त-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य संकम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्रांक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरिक्तियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्नलिखित उपदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप में कथित नहीं किया गया है---

- (क) अन्तरम से हुन्दे किसी भाग की गायुत्, समत् बाँगानियम के अभीन कर देने के मुखरक के दायित्व में कभी कहती वा उससे बुचने में स्विधा के लिए। महि/ग
- (व) ऐसी हैकसी जाम या हैकसी भूग या जन्य आस्तियाँ का, जिल्हें जारतीय वाय-कर वर्डिंगियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भगकर **सर्वि**नियम_ा 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में वृद्धिया के क्रिएत

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण नें, में, उन्त गरिंशनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिशिकत व्यक्तियाँ अधीत्:--

1. श्री सतपाल हुन्डा सुप्त्र श्री अमर नाथ हुन्डा निवासी-एल-16, 'किती' नगर, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती समित्रा आसारी पत्नी श्री पथ्यी राज नागपाल, डब्ल्यू-जंड-10-बी, रतन पार्क्स नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कृत्वा 🗗

उन्तु सुम्पृत्ति के नर्वन के सम्बन्ध में कोई भी नालेप:--

- (क) इस स्थना के राज्यकुमें प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से हिस्सी व्यक्ति प्रवास
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति दूबारा वृश्हेहस्ताक्ष्री के पास सिहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्री होल्ड प्लाट नं. सी-180 हरी नगर, दिल्ली 220 वर्ग गज, दिल्ली।

> नरन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी तहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, विल्ली, नर्ध दिल्ली-110002

तारीव : 19-4-1982

प्ररूप आहाँ.टी.एन.एस.-----

भायकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध(1) के अधीन सूचना

अपरत नरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, इन्द्रप्रस्थ स्टॉट, नई दिल्ली नह दिल्ली, दिनांक 19 अप्रेल 1982

निद्रिक सं. आहै. ए. श्री./एक्यू. '2/एस-आर-2/8-81/6160—-अनः शुक्त, शराग्र किस.

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख की अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हुँ

और जिस्को गं. कृषि भीम है तथा जा ग्राम नांगली पूना दिल्ली मा स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्मूची मी पूर्व रूप से वर्णित है), र जिस्द्रीकर्ता श्री प्रकारी है कार्यलय, नई दिल्ली मो रिजस्ट्रीकरण अधिराधमा, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीक अगस्त-81

को पूर्वोक्त सम्पत् उचिन वाजार मृत्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मफ़े यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोक्त मंगरित का उधित बाजार मृत्य उसके द्रयमान प्रतिफल से, एमे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिक्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिश्वित उद्देष्य से उस्त अन्तरण जिल्ला में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क्कं) बस्तरण से हुए किसी आय की बाबत उक्त जिंध-नियम के बधीन कर दोने के बस्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बाँड/या
- (अ) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, पा धन- अर अधिनियम, पा धन- अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के सिए:

अतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात्:--

- श्री यसपाल सुपुत्र जोगवाश्या निवासी-सी-26, सुदर्शन पार्का, दिल्ली और गजराज सिंह, ग्पुत्र अर्जन सिंह निवासी-ग्राम-पो. समेपुर, दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्री गुरमंल सिंह सृपूत्र श्री प्यारे सिंह निवासी-गुरद्वारा हरगोविन्द सर, नांगली पूना, औ. टी. रोड, दिल्ली।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी अरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ब्रजँन के सिए कार्यवाहियों करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिन्नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुवा हैं 11

अनुसूची

एरिया 15 बिधे और 13 बिक्वे, ग्राम नंगली पुना, दिल्ली।

नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, दिल्ली, नर्ह दिल्ली-110002

तारीख : 19-4-1982

प्ररूप स्नाई० टी० एन० एस०---

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-११, नई विल्ली

नइ दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निदांश सं. आर्झ. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-1/8-81/8280--अतः मुभ्ते, नरोन्द्र सिंह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपृत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. सं अधिक है

और जिसकी सं. सी/129-जी है तथा जो मोती नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अगस्त-81

को पूर्वोक्त संपिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफ के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षक निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविद्य में वास्तविद्य रूप से किश्त नहीं किया गया है:--

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त श्रिष्ठितयम के श्रिष्ठीन कर देने के भ्रग्तरक के दायित्व में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनामें अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः प्रय, उक्त श्रविनियम की भारा 269-च के अनुसरण में, में, उक्त श्रविनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) भाषीन निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थाक्ष :--- श्री शिव दयाल सुपुत्र श्री दोवीदयाल निवासी सी/ 129-बी, मोली नगर, नृष्ट् दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री गिरधारी लाल मृपुत्र श्री बिखा राम, निवासी 8/11 पुराना राजिन्दर नगर, नई दिल्ली। (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस स्वाग के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हित-बद्ध किसी अन्य ध्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्कोंगे।

स्यक्षीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सरकारी बना हुआ मकान नं सी $^{\prime}$ 129-बी, मोती नगर, न $\mathbf{r}^{\mathbf{r}}$ दिल्ली।

नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, नर्घ दिल्ली

तारील : 19-4-82

मोहर 🖫

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ल (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-१।, नर्ह दिल्ली नर्ह दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्देश मं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एम-आर-1/8-81/8326—अतः मुफे, नरोन्द्र सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) कि धारा 269 ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विख्याम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. ले अधिक है

और जिसकी सं, 1533 (जी-एफ) है तथा जो वार्ड नं. 13, अजीज गंज बहाद गढ़ रोड, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूनी में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजर्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, नर्ह दिल्ली में रिजर्ट्रीकरण अधिकारों के कार्यालय, नर्ह दिल्ली में रिजर्ट्रीकरण अधिकार के विद्यास अगस्त-81 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह है और सुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिका) और अन्तरिती (अन्तरिता) के बीच एसे अन्तरण के लिए तर्य पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक एप से किया गया है:---

- (क) मृत्युरम् सं हुन्। हिंकसी नाव की बावत , उपल महिन्दिनम् के ब्योन् कह बेने के ब्न्टरक के दायित में कभी कहने या उससे ब्यमें में सुनिधा के लिए। महिन्दा
- (व) एसी किसी आन या जिसी भून वा अन्य जास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ मन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मृतिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उत्तत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनित व्यक्तियों, अर्थात् :— थी वरहो मल सुपुत्र थी चृहर मल निवासी एल/25 शास्त्री नगर, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री मतीश चन्द सुपुत्र श्री उमराव सिंह मकान नं . 1533 (जी-एफ) अजीज गंज, बहादर्गढ़ रोड, दिल्ली।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर वृद्धिन्दम्, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वृद्धी वर्ष होना वो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्त्ची

एस मकान नं . 1533 (जी-एफ) वार्ड नं . 13, अजीज गंज, बहाद्रगढ़ रोड, दिल्ली।

नरन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, नर्दो दिल्ली

तारीख : 19-4-82

प्ररूप आई. टां. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-११, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्दोश सं. आर्ड्: ए. सी./एक्यू./2/एम-आर-2/8-81/5286--अतः मुक्ते, नरन्द्र सिंह, अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृख्यु 25,000/-रु. मे अधिक है और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-होलम्बी जलांन, विल्ली में स्थित हैं (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में पर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नहीं दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त-81 को पूर्वोक्त संपरित को उचित बाजार मूल्य से काम के रूपयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त मंपरित का उचित वाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशक्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फस, निम्नलिखित उद्वेदारेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्सरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स जिथिनियम के जधीन कर दोने के जन्तरक को बायित्व में कभी करने या उससे बचने थें सुविधा के लिए: और/या
- (ख) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं सिवा गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुभारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अपीन, निम्नृतिस्थित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- पूम दत सुपुत्र श्री रहन लाल निवासी-ग्राम-होलम्बी कलांन ,दिल्ली।
- 2. श्री जसबीर सिंह सुपूत्र श्री महांगा राम निवासी-169-ए, डी. डी. ए. फ्लंट्स राजोरी गार्डोन, नहीं दिल्ली।

(अन्तरिती)

को गृह सूचना जारी कर्क पूर्वोक्त सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध , जो भी अविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्कीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का माप-13 विघे और 12 विष्ये, ग्राम होलम्बी कालांन, दिल्ली।

> नरन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-।।, नर्झ दिल्ली

वा**रोख** : 19-4-82

(अन्तरक)

प्रकप नाइ. टी. एत्. एस.-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-।।, नई विल्ली

नर्ह दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

आर्ड. ए. सी. /एक्य*ृ.* / 2/एस-आर-2/8-81/5410--अत: मुभ्ने, नरन्त्र सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम्' कहा ग्या हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. संब्रिधिक हैं

और जिसकी सं कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-ब्रारी, दिल्ली में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्नेयह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पौरत का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निध्नलिसित छद्दरेग से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तनिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण सेहुइ किसीआय की बाबत, उपत अभिनियम को अभीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीड/वा
- (स) एोसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियौ को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) याउक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः गब, उक्त अभिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269- व की उपधारा (1) अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--9-86GI/82

2. श्री चुली चन्द पुत्र श्री किशोरीलाल, निवासी-ए-।/ 13 शक्ति नगर, एक्सटेनशन, दिल्ली-7 । (अन्तरिती)

1. श्री देव शर्मा पुत्र श्री भगवान सहाय, निवासी-झड़ वा,

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

पो. बुरारी, दिल्ली प्रशासन दिल्ली।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस् सूचनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा चे 45 विन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिब-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति युवारा अधोहस्ताक्षरी की पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होना जो उत्त अध्याय में दिया नया है।

अनुसूची

भूमि ताददी 18 विश्वे, सितजुमला 2 विषा 15-1/2 बिश्व, मितजुमले सालिम भूमि ताबादी 5 बिघे 7 विश्व, मुनदरेज मुस्ताती नं. 6, खसरा नं. 452, वाक्या ब्रूरारी, विल्ली प्रशासन, विल्ली।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, नृष्ट् विल्ली

तारीच : 19-4-82

मोहर:

ना पूजानत सम्यात के जायत बाजार मूल्य से कम के बृहयमान प्रतिकल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अम्तरितियों) के बीच ऐसे प्रम्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिकाल निम्नलिखित उद्देश्य छे उक्त प्रान्तरण शिकित मैं वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अभ्तरण से हुई किसी आय की बाबत छक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रम्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; **धीर/**या
- (ख) ऐसी किसी श्रायया किसी धनया अरूप आस्तियों को जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, घनकर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए;

सिखित में किए जासकेंगे।

स्प**ब्होक्तरण:---इ**समें प्रयुक्त शब्दों स्रौर पदों का, जो उस्त पिंछितियम के पश्याय 20 नक में परिभाषित हैं, वही मर्व होगा जो उस मध्याय में विद्या

अनुसूची

कृषि भूमि मुसतितल नं. 58, किला संख्या 14/2 (2-16) 17(5-7), 23(4-0), 24(4-16) ग्रामः साहिबाबाद दोलत पूर, दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, नहीं दिल्ली

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 260- व की उपधारा (1)

तारीख : 19-4-82

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।।, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्दोध सं. आर्घ. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-2/8-81/6102—अतः मुफ्ते, नरोन्द्र सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्यात् उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य

2,5,000 / - रु. से अधिक **है**

और जिसकी सं कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-मुन्डका में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील

अगस्त-81

भी पूर्वोक्त सम्पत्ति के छिचत बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितिबों) के बीच ऐसे अन्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नविधित उदेश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तबिक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

 श्री नन्द लाल सुपुत्र श्री दोवी दिता राम, 1159 रानी आग, शकुरबस्ती दिल्ली।

(अन्तरक) 2. श्री राकेश चन्द सूपृत्र श्री राम चन्द, 3/40, शान्ती निकेतन, नर्झ दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सर्वाच या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी सर्वाच बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीक से
 45 दिन के भीतर उक्त क्यावर संपत्ति में
 हितवद किसी प्रस्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी
 के पास निक्षित में किए जा सकों है।

स्पब्दीकरण। -- इसमें प्रयुक्त शक्यों भीर पर्यो का, जो सकत भविनियम के भेड़याय 20-क में परिचाणित हैं, वहीं भवें होगा जो उस भड़मान में दिया गया है।

भारत का राजपत्र, मई 29, 1982 (ज्येष्ठ 8, 1904)

[भाग III—खण्ड 1

7122

प्ररूप बार्द, टी. एन. एस. -----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रोज-2, इन्द्रप्रस्थ स्टोट, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निव शं. आई, ए. सी./एक्यू. 2/एस-आर-2/81-81/6256—अतः मुफ्ते, न्रेन्द्र सिंह, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/-

रुपए से ग्रधिक हैं और जिसकी सं. भूमि हैं तथा जो ग्राम-पालम, विल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नहीं विल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के

अधीन, तारीख अगस्त-81
को पूर्वो कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्त्रित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
पूर्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रम्तरकों) और
पश्तिरती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; गौर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए;

- श्री राजु सिंह, हुकम चन्द, राम चन्दर, सूपूत्रगण श्री जागी राम निवासी-ग्राम-मटीयाला, दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्री तारा चन्द सपुत्र श्री बेनी प्रसाद निवासी-1215/ 83 त्री नग्र, दिल्ली-35 । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रजेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (का) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उमत स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:-इसमें प्रयुक्त सन्हों ग्रीर पदों का, जो सनत श्रिधनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

भूमि का माप-19 बिक्ये, ग्राम-पाल्म, दिल्ली।

A . A

न्रेन्द्र सिंह सक्तम प्राधिकारी क झायकर ग्रायक्त (निरीक्षण)

सहा । क बायकर धायकत (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण

प्ररूप आहें. टी. एन. एस ------

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की **269-व (1) के समीत सूच**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्देश सं. आई, ए. सी./एक्यू. 2/एस-आर-2/81-81/6234—अतः मुभ्ने, नरेन्द्र सिंह,

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिथिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-लक्षमी नरायण में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीक अगस्त-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृथ्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके तृथ्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत खबत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए; धीर/या
- (ख) ऐसी किसी आयया किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्निल्**षित व्यक्तियों, अर्थात्** :---

- श्री हरीश कुमार और सुरन्दर प्रीतमपुरा, दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्री लक्षमी नारायण सुपूत्र श्री लखी राम, 1665 कुचा दरीबा, दरीया गंज, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवादियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि थो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस यूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
 किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास
 सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्षीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिश्वनियम के पश्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा जो उस शब्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि मुसतितल नं. 58, किला संख्या 14/2(2-16) 17(5-7), 23(4-0), 24(4-16) ग्रामः साहिशाबाद दोलत पूर, दिल्ली।

नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

तारीस: 19-4-82

प्ररूप आहें, टी. एन. एस. -----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269=प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, इन्द्रप्रस्थ स्टोट, नई विल्ली नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निद^{**}श सं. आई, ए. सी./एक्यू. 2/एस-आर-2/81-81/6256—अतः मुक्ते, नुरोन्द्र सिंह, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/— रुपए से प्रधिक है

और जिसकी सं भूमि हैं तथा जो ग्राम-पालम, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त-81

कों पूर्वों कर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्त्रित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है मौर अन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखात में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त भिक्षितयम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या घ्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- श्री राज् सिंह, हुकम चन्द्र, राम् चन्दर, सूपूत्रगण श्री जागी राम निवासी-ग्राम-मटीयाला, दिल्ली।
- श्री तारा चन्द सृपृत्र श्री बेनी प्रसाद निवासी-1215/
 83 त्री नगर, दिल्ली-35 ।

(अन्त्रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो स्वत अधिनियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

भूमि का माप-19 बिख्ये, ग्राम-पालम, दिल्ली।

नरोन्द्र सिंह सक्तम प्राधिकारी सहायक आयुक्त (निरीक्तण) मुर्जन रोज-2, नहीं दिल्ली

तारीख : 19-4-82

मोहर 🖪

प्रकप आई० टी॰ एन॰ एस॰----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।।, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्देश सं. आर्ड. ए. सी. $/ v_{eq} = \frac{1}{2} / v_$

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो ग्राम साहिबाबाद, बालतपुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 16) के अधीन, तारीख अगस्त-81

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुन् किसी काय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वजने में सूबिधा के लिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सुधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ॥— श्री कोहर सिंह सुपूत्र लायक राम निवासी-ग्राम-पो साहियाबाद, वोसतपुर, विल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री बहेल चन्द जैन सृपृत्र श्री अरी दमन लाल जैन निवासी-4बी, अल्ता माउन्ट रांड, बम्बेय, 26 । (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत् सम्पृतित् न्हें नुर्पन् के सम्बन्ध् में कोई भी नाक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए या सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनस ची

कृषि भूमि 8 बिये और 17 बिश्वे, ग्राम-साहिबाबाद, दौलतपुर, दिल्ल्झी।

नरेन्द्र सिंह सक्तम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

तारीख : 19-4-82

प्रकल नाहै ही एन् एस् ---

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय्, सहायुक आयुक्त आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रज-११, नई विल्ली

नई पिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निवर्ष सं. आई. ए. सी./एक्यू. 2/एस-आर-1/8-81/8342--अतः मभे, नरोन्द्र सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्थले पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. 13/3, है तथा जो इस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1981

को पूर्विक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पंन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल जिल्न निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथिस नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

श्री ज्योति प्रकाश स्पृत्र श्री मेला राम, शिवासी-446, पाराउड राड, इस्ट डीड्सब्यूरी, मनचस्टर (इंगलैंन्ड) व्वारा जी/ए-श्री जसवन्त राय कुमार स्पृत्र श्री मेला राम, निवासी-8/21, बेस्ट पटेल नगर, नई विल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री सी. उमेश कामथ सुपूत्र श्री सी-श्रीनिवासन कामथ निवासी-9/23, इस्ट पटल नगर, नुई विल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी गाओप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेष्ठस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डी. एस. हाउस नं. 13/3, इस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली क्षेत्रफंल-20 वर्ग गज ।

नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, नर्द दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

तारीख : 19-4-82

त्राक्प भाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^{र्ज}ा।, नर्ह दिल्लो

नक् विल्ली, विनांक 19 अप्रैल 1982

निदंश सं. आर्ड. ए. सी./एक्यू. 2/एस-आर-1/ \sim 81/8256~~~अतः मुक्ते, नरेन्द्र सिंह,

आयकर मधिनियम; 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. 2513, पुराना है तथा जो नया नं. 1154, चमारवाले खुर्व, तिलक बाजार में स्थित है (और इससे उपा- बद्ध अनुसूधी में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि- कारी के कार्यालय, फाटक हवास खाना, नई दिल्ली में रजि-स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विष्यास करने का कारण हैं कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से भिष्ठक हैं और अन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तरिक रूप से किवत कहीं किया बया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उपस मित्रियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के क्रिए। और√या
- (ख) ऐसी किसी शाय या किसी धन या अन्य भारितयों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिवित्यम, या धन-कर भिधित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उनत श्रिधिनियम की धारा 269-व के धनुसरण में, में, उन्थ प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन्, निम्नुलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ६--

- मै. नाथु मल दोसराज रंगवाले, कटरा टबाको, दिल्ली द्वारा-पार्टन्र श्री दोव राज खुराना सुपुत्र श्री दोस राज खुराना, निवासी-जी-96, अशोक विहार, फोस-1, दिल्ली।
- (अन्तरक)
 2. श्रीमती कामनी देवी सुपुत्र श्री किश्चन लाल परनी श्री
 हरबंस सिंह निवासी-2547 चमार धारा कलां,
 तिलक्र, तिलक बाजार, दिल्ली।

(अन्तरि**ती**)

को यह सूचना जारी ऋरके पूर्वीक्त सम्पति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी वा से 45 दिन की घवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी का से 30 दिन की अवधि, जो भी घवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपत स्थापर सम्पत्ति में हितवड़ किसी भ्रम्य स्थित द्वारा प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी एक्त बाधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अयं होगा, जी एस बझ्याय में दिया गया है।

• अगुसूची

मकान नं 2513 (पुराना) नया नं 1154, धमार वाला खुर्द, तिलक बाजार, फाटक हवास खाना, वार्ड नं 3, दिल्ली।

> नरन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रौज-2, नहीं दिल्ली

तारीख : 19-4-82

प्रकृप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुमृता

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अ्र्जन रोज्-2, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर बिल्डिंग्

इन्द्रप्रस्थ स्टोट नई दिल्ली

नर्इ दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निद^{क्}श सं. आर्ड. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-1/2-81/8230—अतः मुभ्ते, नरन्त्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

अरि जिसकी सं. डी-2/17, है तथा जो माडल टाउन, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीस अगस्त 1981

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कम निम्नितिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक कप से कथिस नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की स्पधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थीत्:-- श्री सीरी राम सेठी, निरन्दर कुमार सेठी, हरबंस लाल सेठी, और सुबील कुमार सेठी सुपुत्रगण एल. श्री मलीक राम सेठी, निवासी-148 अलेनेबी लाइन, अम्बाला कट (हरियाणा)।

(अन्तरक)

2. % मिहन्दर कुमार ब्ब्ता सुपुत्र एल. देवी दास बब्ता निभासी-की-2/17 माकल टाउन, दिल्ल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मृतित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधिया द्वारसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, आरंभी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों आरे पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसूची

डी. एस. नं. डी-17 माधल टाउन, दिल्ली, 250 वृर्ग गज

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-2 विल्ली, नर्ष दिल्ली-110002

तारीख: 19-4-1982

प्रकप भाई। टी० एन० एस०--

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, इस्क्रप्रस्थ स्टोट, नद्दे दिल्ली नद्दे दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निद³श सं. आर्ड्ड. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-3/8-81/6022—अंतः मुक्ते, नरोन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिस्की सं. कृषि भूमि है तथा जो ,ग्राम-कादिपुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्णलय, नई दिल्ली में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्चत से मधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) शौर अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण में लिखित वास्तिकक रूप से कथित नहीं किया प्रया है:—

- (क) कलरण सं हुई किसी जाय की बाबत उक्त खीं अ-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बुचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया का जा जा जिला जाना चाहिए था, क्रिपान में मृतिभा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धार 269-ण के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

10—86GI/82

- च. सरूप सिंह सुपुत्र श्री नारायण सिंह ग्राम-कादि-पुर, दिल्ली।
- 2. श्री मोती लाल गुप्ता सपृत्र श्री चिरन्जी लाल गुप्ता निवासी 16/73, पंजाबी बाग, विल्ली। (अन्तरिती)

को मह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्वत्ति के व्रर्जन के लिए कार्यवाहियां ग्रुष करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भारतेप :--

- '(क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हित- बव्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा व्याहस्ताक्ष्री के पास लिकित में किए जा सकांगे।

स्पद्धिकरणः-इसमें प्रयुक्त शस्यों और पर्यों का, जो उक्त जिथ-नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, बही जर्थ होगा, जो उस अध्याय में विमा गुमा है।

अनसची

कृषि भूमि 13 बिघे और 4 बिघवे, ससरा नं 677, 678, 679, 680, और ससरा नं 641, ग्राम-कादिपूर, दिल्ली।

नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2 दिल्ली, नर्दो दिल्ली-110002

तारीख: 19-4-1982

प्ररूप आहर्. टी. एन. एस . ------

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-2, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर बिल्डिंग इन्द्रप्रस्थ एस्टोट, नई दिल्ली

नहीं दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्दोश सं. आर्षः ए. मी./एक्यू./2/एस-आर-1/2~ 81/8299--अतः मुक्ते, नरेन्द्र सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

और जिसकी सं ए-18, हैं तथा जो 45-माल रोड, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1981

को पूर्वोंक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के उध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके उध्यमान प्रतिफल से, ऐसे उध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत में वास्तयिक हम से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियमं की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन गिम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- मं रेन्टीयर्स एण्ड फाइनेनसीयर्स प्रा. लि , 10-मृली रोड, दिल्ली-1।
 (अन्तरक)
- 2. श्री अशोक बाधवार सुपुत्र श्री वि. के. बाधवार, निवासी--2 अलीपुर रोड, दिल्ली। (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उच्छा अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही बर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

. फ्लंट नं. ए-18, स्थापित 45, माल रोड, दिल्ली माप--370 वर्ग गज।

> नरोन्द्र सिंह सक्ष्म प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, दिल्ली-110002

तारीख: 19-4-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 घ(1) के श्रिभीन सूचना भारत सरकार

कार्यालयं, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, इन्द्रप्रस्थ स्टोब नर्इ दिल्ली नर्इ दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्दोश सं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-3/8-81%8281—अतः मुक्ते, नरोन्द्र सिंह, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगति, जिसका उचित बाजार पूल्य 25,000/-र• से अधिक है

और जिसकी सं. एफ-37 है तथा जो राजोरी गाडौंन, नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीस अगस्त-81 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के जित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का जित्त बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भौर प्रम्तरिती (प्रम्तरितिमों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त प्रन्तरण लिखिन में वास्तविक स्थ से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी साम की बाबत छक्त अधिनियम के मधीन कर देने के जग्तरक के वासित में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या धनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः ग्रब, उक्त अधिनियम, की घारा 269-ग के भ्रमुसरण में, में, उक्त भ्रधिनियम की घारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, तारीख अगस्त, 1981

- श्री सोहन लाल आनन्द सुपुत्र श्री गनेशी दास, निवासी-18/66, पंजाबी बाग, नृई दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्री अनुप सिंह सूपूत्र श्री मान सिंह, निवासी-एफ-37, राजोरी गाड न, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के भ्रजीन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोदत वावितयों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अभ्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उरन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

1/4 अविभाजित हिस्से मकान नं एफ-37, राजोरी गार्डीन , नई विल्ली।

नरन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, दिल्ली, नुई दिल्ली-110002

तारी**ब** : 19-4**-**1982

प्रकप् मार्थः दीः एतः एसः ---

आगकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन र्रज-११, इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नर्झ दिल्ली नर्झ विल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निद^क्ष सं. आई ए. सी./एक्यू./2/एस-आए-1/8-81/8282--अतः म्.के, नरन्त्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित् बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एफ-37 है तथा जो राजोरी गार्डोंन, नई विल्ली में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीक अगस्त-81

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कि निम्निसिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इन से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण माँ, मौं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री उत्तम सिंह बिन्द्रा सृपुत्र श्री गुजम्स सिंह बिन्द्रा 2/70 पंजाबी बाग, दिल्ली।

(अन्तरक)

. 2. श्री अनुप सिंह सुपृत्र श्री मान सिंह, निवासी-एफ-37 राजोरी गाड न, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त म्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीं करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पृदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अगृत्ची

1/ 4हिस्से अविभाजित, प्रो. नं. एफ-37, राजोरी गार्डोन, नई विल्ली।

> नरोन्द्र सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 19-4-1982

प्ररूप आहु . टी. एन. एस. ------

आनकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 289-म (1) के घंधीन सूचना

पारत परकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्ज-2, इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निवर्षा सं. आर्ष: ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-1/8-81/8283—अतः मुक्ते, नरन्द्र सिंह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है, की बारा 269 ख के अधीन समम प्राधिकारी को; यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका छन्ति वाजार मृह्य 25,000/-से अधिक है

और जिसकी में एफ-37 है तथा जो राजांगी गार्डोन, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित हैं), रिअस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का का 16) के अधीन तारीस अगस्त-81

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मितिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत खबत अधि-नियम, के प्रधीन कर देने के प्रम्तरक के वाबित्व में कमी करने या छ6से बचने में ख़बिचा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धाय-कर पिष्ठनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अब, तक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्-मरण में, मैं, अकन अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निक्नलिखिन व्यक्तियों, अधीत:—

- श्री णोगा सिंह श्री सोजरन सिंह जी-एल, निवासी-ई-28ए, राजोरी गाडोन, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्री अनुप सिंह सुपृत्र श्री मान सिंह, निवासी-एफ-37 राजोरी गाडे न, नई दिल्ली। (अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी कर्क पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहिकों करता हुं।

तक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

वनुसूची

1/4 विभाजित हिस्से प्लाट नं 37, ब्लौक-एफ राजोरी भाड $^{\circ}$ न, नर्ह दिल्ली।

नरन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2 दिल्ली, नर्दा दिल्ली-110002

तारींच : 19-4-1982

प्ररूप आइ. टी. एन्. एस.-----

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, इन्सप्रस्थ स्टोट, नई दिल्ली नई दिल्ली, विनाक 19 अप्रैल 1982

निवाँश सं आई ए. सी. /एक्यू. /2/एस-आर-1/8-818284—अतः मुक्ते, नरोन्द्र सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है और जिसकी सं एफ-37 है तथा जो राजोरी गाडोंन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में पूर्व रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त-81 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्स (अन्तर्सों) योर अन्तरिती (अन्तरितेयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप में किशत नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने क प्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त श्रविनियम की घारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रविनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के के बचीन, निम्निवित व्यक्तियों, वर्षात्ः श्री रणजीत सिंह सुपुत्र एस : आत्मा सिंह ई-37, राजोरी गार्डोंन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2 श्री अनुप सिंह सुपृत्र श्री मान सिंह, निवासी-एफ-37 राजोरी गाडाँन, नई दिल्ली। (अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

खनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किमी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोत्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शस्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के अध्याय 30-क में परिभाषित है. वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 अविभाजित हिस्से मकान नं एक. 37, राजोरी गाडौँन ,नई दिल्ली।

> नरन्द्र सिंह सक्ष्म प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2 दिल्ली, नर्ह दिल्ली-110002

तारीख: 19-4-1982

प्रकप साई॰ टी॰ एन॰ एस॰~~

म्रायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रोज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्दोश सं. आर्घ. ए. सी. /एक्यू. 2/एस. - आर-2/8-81/6272— अतः मुफ्ते, नरोन्द्र सिंह, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' छहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि क्याबर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मूल्य 25,000/- हन्ये से अधिक है और जिसकी सं. कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम बुरारी, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के छित्त बाजार मृहय से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विप्रथम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्र बाजार मृहय, उपके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पख्रह प्रतिशत ग्राधिक है धौर प्रम्तरक (यम्तरकों) घौर अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रम्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदेश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक स्था से क्यित नहीं किया नया है:—

- (क) अग्तरण से हुई किसी आय की बाबत **एक्त ग्रधि**-नियम के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अग्य श्रास्तियों को, निन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, श्रव, उक्त स्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, में, उक्त स्रिधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नितिखित व्यक्तियों, श्रयीतः -- श्री तेजपाल सिंह सुपृत्र श्री हुकम सिंह, निवासी 71-ड़ाका, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री फुल सिंह डाइमा सुपृत्र श्री लवु राम, एफ-14/51, माडल टाउन, विल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रार्वन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दित की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की खबिध, जो भी अविधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति झारा;
- (का) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त मन्दों ग्रीर पर्वो का, जो उपत ग्रधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा,जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि, माप 9 विघे और 12 विश्वे, ग्राम् बुरारी, विल्ली।

नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, विल्ली, नक्षी विल्ली-110002

तारीख: 19-4-1982

मोहरः

प्रकप बाई • टी • एन • एस • ---

म्रावकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-2, नर्दा विल्ली
नर्दा विल्ली, विनांक 19 अप्रैल 1982

निदाँश सं. आई. ए. सी./एक्यु. 2/एस.-आर-2/8-81/6021——अतः मुफे, नरन्त्र सिंह, जावकर लिपनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पथ्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं. कृषि भूमि हैं, तथा जो कादिपुर, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध जनस्वी में और पर्ण रूप से

और जिसकी सं. कृषि भूमि हैं, तथा जो कादिएर, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, नहीं दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है धीर मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पत्यह प्रतिशत से अधिक है भीर भ्रत्तरक (भ्रन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के भीच ऐसे भन्तरक के लिए तय पाया बबा प्रतिफल, निम्नलिखित छहेश्य से उच्क भ्रन्तरक सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी भाग. की बाबत जबत धिवियम के भ्रष्ठीन कर देने के भ्रष्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (अ) ऐसी किसी आय या किसी घन या घन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या श्रनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ गर्नारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था जिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुबरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपश्रारा (1) के अधीन. निकासिकत व्यक्तियों, सर्वात :----

- चौ. सराप सिंह सुपृत श्री नरायण सिंह, निवासी ग्राम काविपुर, दिल्ली।
 - (अन्तरक)
- श्री सुभाष चन्द्र सुपुत्र श्री रूप लाल, निवासी 16/ 73, पंजाबी बाग, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां चरता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वालेप '---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में क्षितवा किसी अल्प व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--दसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'सक्त ब्रिकिन नियम', के अध्याय 20-क में परिचाबित हैं। बही प्रवें होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्**ची**

कृषि भूमि 13 बिघे और 4 बिघवे, ख्सरा नंः 677, 680, 681, 682 और खसरानं 641, ग्राम कादिपुर, दिल्ली।

नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, दिल्ली, नर्ष दिल्ली-110002

तारीब : 19-4-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर घ्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की झारा 269-व(1) के घ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रज-2, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्दोश सं. आर्ष: ए. सी./एक्य्. 2/एस.-आर.-2/8-81/6100---अतः मुभ्ते, नरोन्द्र सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बति, जिसका उपित बाजार मृल्य 25,000 / रत. से अधिक **ह**ै और जिसकी सं. कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम नरेला, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रोजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नहीं दिल्ली में रिज्स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1981 को पूर्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपति का उचित बाजार मुल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती

(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक

रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सूविधा के लिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के निए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण को. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिसित व्यक्तियों अर्थात् ----

 श्री साहि राम, सुपुत्र श्री फतेह सिंह, निवासी नरेला, दिल्ली राज्य।

(अन्तरक)

 श्री राम मेहर और महा सिंह पुत्रगण श्री गरोब राम, निवासी ग्राम सिफदाबाद, जिला सोनीपत, हरीयाणा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृतित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, यो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित अब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्त में किए जा सकोंगे।

स्वद्धीकरण---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 हिस्से भूमि का माप 37 विघे और 11 विषये, ग्राम नरोना, दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-2, बिल्ली, नई दिल्ली-110002

ता्री**स** : 19-4-1982

प्ररूप घाई० टी • एन० एस•---

कायकर ग्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आगुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्दोश सं. आई. ए. सी./एक्य. 2/एस.-आर.~1/8-81/8323--अत: मभ्ते, नर्नेद्र सिंह, भाव हर गवितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा की धारा 269-घ के प्रधीन समय प्राधिकारी की, विश्वान करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/- **र**पये से प्रधिक है, और जिसकी सं. 6/7 हिस्सा, 1484 से 1489 है, तथा जो नया नं. 2158 से 2161, मोहल्ला गाधवालन, तुर्कामान गेंट, बाजार चितली कबर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रोजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रोजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1981 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मुख्य से कम क दृश्यमात प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाय करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफार से, ऐसे दृष्यमान प्रतिका का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और ध्रन्तरप्र (अन्तरकों) और अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तम भाग गया पतिकत निम्नतिश्चित वनेका से उक्त प्रनारम विख्या में सस्वविक एवा से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) भ्रन्तरण से हुई किशी भाग की बाबत उक्त भिष्ठितियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिय; और/या
- (ख) ऐसी जिसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत् :--- 1. श्री जय भगवान जैन सुपूत्र एल. विशम्बर दास जैन, दिवासी ए-1/136, सफदरजंग विकास एरीया, नई विल्ली, अटार्नी श्रीमती कमला वती जैन, रमेश चंद जैन, श्रीमती सुशीला देवी, श्रीमती अंगुरी बाला और बिमला वेवी।

(अन्तरक)

2. (1) श्री अजिजजूदिन सुपुत्र मोहम्मद युसफ, निवासी 2466, हवेली महावत सान, दिल्ली, (2) श्री मुंबी सान, (3) श्री मोहम्मद राम जान सुपुत्र श्री अब्दुल गफुर, निवासी 2843, बुलबुली खना, बाजार सीता राम, दिल्ली-6।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :=-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तरसंबंधी स्थानतयों पर सूचना की तामील में 30 दिन की भविध, नो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोका काकितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति शारा अधोहस्तावारी के पान लिखिन में किये जा मर्केंगे।

स्यक्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शाक्दों और पदो का, जो छक्त अधिनियम के अध्याप 20-क में परिमाणित हैं, त्रहो अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

6/7 अविभाजीत हिस्से, सिंगल मंजील मकान नं. पुराना नं. 1484 से 1489, न्या नं. 2158 से 2161, मोहल्ला गाधेवालन, तूर्कमान गेट, बाजार चितली कबर, दिल्ली, क्षेत्रफल-200 वर्ग गज।

नरोन्द्र सिंह सक्ष्म प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, विल्ली, नर्हो दिल्ली-110002

तारील : 19-4-1982

प्ररूप आई० टी० एत० एस०----

भ्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्तय सहायक आयकर आः क्वत (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्दोश सं. आर्ह. ए. सी./एक्यू. 2/एस..-आर.-2/8-

81/5425—अतः मुक्ते, नरन्त्र सिंह, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सभम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से अधिक है और जिसकी सं. डी-10 है, तथा जो शिव नगर, एक्स एरीया तिहार, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिक्त की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने हा कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत्त से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का पन्त्रत प्रतिकृत से

प्रधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) पौर घन्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखिल उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तिविक एप से कथित नहीं

किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उनत अधिनियम के बधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या भ्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भ्र∸रिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अप्तः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- श्री राम प्रकाश सुपुत्र श्री सीता राम छात्रा, निवासी 8/37, तिलक नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री एस . जसवृत्त सिंह, निवासी बब्ल्यू-जेड-47, कृशना पार्क, नृद्द विल्ली।
 (अन्तरिसी)

(अन्तारसा)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उनत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप : --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जनत स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पढडीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के घ्रह्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्म होगा, जो उन अध्याय में विया गमा है।

अनुसूची

प्लांट नं. डी.-10, भूमि का माप--150 वर्ग गज, स्थापित शिव नगर एक्स एरीया, ग्राम तिहार, नई दिल्ली।

> नरोन्द्र सिंह सक्ष्म प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 19-4-1982

प्ररूप आई ० टी० एन० एस० ----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुधना भारत तरकाउ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज 2, नई दिल्ली

नइ दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निवांश सं. आर्ड. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-1/8-81/8286--अत: मुक्ते, नरन्त्र सिंह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं 4598-12-बी, है तथा जो दरीया गंज, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त-81

को पूर्वा कित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्रम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा कित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तुरण सं हुइं किसी बाय की वाबत, उक्त किसीनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिश्वा के लिए;

 श्री धरम पाल गोला और श्रीमती देवी रानी गोला, निवासी-गोला कोटोज, दरीयागंज, नई दिल्ली।

2. मै. 'जे' एण्ड 'जे' वीचाने लेबोरेटरीज प्रा. िल हैं बराबाद, द्वारा वि. राममाचन्द्रन, ब्रांच मैंनेजर दिल्ली डीपोट मैं. 'जें' डीचाने लेबोरेटरीज प्रा. िल. 22, नेताजी सुबास मार्ग, दरीया गंज, नई दिल्ली।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अविभिया तत्सम्बन्धी अ्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- धव्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित र्वं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

4598-12-बी, दरीया गंज, नई दिल्ली-2, एरीया 916-10 वर्गगज, (33.77 वर्गफिट) टोटल 394-77 वर्ग फिट (जी. एफ. भाग)।

> नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निविद्या व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 19-4-82

प्रकप ग्राई० टी० एन० एस०----भ्रायक्तर प्रमिनियन, 1961 (1981 का 43) की

प्रायक्तर प्राधिनियत्र, 1981 (1981 का 43) की धारा 269-च (1) के मधोन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, नहीं दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निवर्षा सं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-1/8-81/8301—-अतः मुक्ते, नरोन्द्र सिंह, भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत प्रधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारग है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित

बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से ग्रधिक है

और जिसकी सं 12, रोड नं 18, है तथा जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अगस्त-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरिन की गई है और मुझे यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और धन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्तयों) के बीच ऐसे भ्रम्तरम के लिए तय पाना गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य मे उकत अन्तरण निखित में बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है।—

- (क) अक्तरण मंद्वई किसी आयं की बाबत उक्त श्रधि-नियम के अधीन कर देन के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ पन्तरिती जारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए था छिपानें म सुविधा के लिए;

कसः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 1. श्री नरायेण संरूप निर्णिया सुपृत्र एस. राम धन्द नांगिया (कर्ता) मी. राम चन्द नांगिया एण्ड सन्स एच. यु. एफ, 6/73 आर. को. पुरम, नई दिल्ली ।

and the second of the property of the

(अन्तरक)

2. श्री विष्णु कुमार गृप्ता, जनक कुमार बंसल, सुपूत्रगण धनराज गृप्ता और श्रीमती कुसुम गृप्ता पत्नी श्री महाश कुमार, एन ए. 29 पंजाबी बाग, नई विल्ली-26।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पृत्रोंकत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाकीप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 विन की श्रवधि या तत्संबंधी स्थिकतयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के मीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी अन्य व्यक्ति कारा, अधोत्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रष्ट होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

नं. 12 रोंड नं. 18, पंजाबी बाग, नुई दिल्ली ।

नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) अर्जन रज-2, नई दिल्ली

त्रारीख : 19-4-82

प्रकल नाइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-६ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, नर्ह दिल्ली नर्ह दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निवर्षे सं, आर्क्ट, ए. सी. /एक्यू. /2/एस. आर. -2/8-81/6036—अतः मुभे, नरान्द्र सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं भूमि है तथा जो रिशी नगर, शकुर बस्ती, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्मूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर योने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; जीर/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन- कर अधिनियम, या अन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

 श्री शिव नरायण सुपुत्र बृज लाल निवासी-डब्ल्यू-जेड-15ए, रिसी नगर, शक्त्रबस्ती दिल्ली।

(अन्सरक)

2. श्रीमती सरीता जोशी पत्नी श्री क्लदिप जोशी, निवासी-सी-11, अजय इनकलेव, दिल्ली। (अन्स्र-रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 दिन की अविध, ओ भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया हैं।

मनुसूची

भूमि का माप-150 वर्ग गज, रिशी नगर, शक्दबस्ती विल्ली।

नरन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी स्हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-2, नहीं दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (।) ■ अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत :—

तारीख: 19-4-82

कार्यवाहिस्यं करता है।

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, नर्ह दिल्ली नर्ह विल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

दिदौंश सं. आर्इ. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-।/8-8<u>1</u>/ 8321-- अतः मुभ्ते, नरान्द्र सिंह, आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रत. से आधिक है और जिसकी सं. 1-बी. है तथा जो कोर्ट रोड, सीविल लाइस, विल्ली में स्थित हैं। (और इससे उपावव्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त-81 को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्वां क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त लिखित में वास्तविक घप म क्रीथन नहीं किया यया है: --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की धाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सृविभा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतं: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रश्रीत् :---

- 1 श्री परकाक्ष नरायण सूपुत्र श्री किरपा नरायण निवासी-37, और जब रोड, दिल्ली ।
- (अन्तरक)

 2. श्री प्रभू लाल सुपुत्र मोघ राज (2) त्लसी दोवी पत्नी
 श्री प्रभू लाल, (3) ओम प्रकाश और अनिल क्रमार सुपुत्र श्री प्रभू लाल, निदासी-1-बी, कार्ट राड, सिदिल लाइन्स, दिल्ली।
 (अन्तरिती)

को यह सूचनाजारीकरके पृत्रोंकत सम्परित के अर्जन के लिए

उस्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप '--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनस्ची

नं. 1-**बी**, कोर्ट रोड, सिविल लाइन्स, **दि**ल्ली मीप-750 वर्गगज।

> नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

तारीख : 19-4-82

प्रकप काई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-११, नई दिल्ली

नर्इ दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्यू. 2/एस.-आर.-2/8-6128--अतः मुभ्ते, नरन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं 26, रांड नं 69, है तथा जो पंजाबी बाग, नहीं दिल्ली में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित ही), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नहीं दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त-81

को पूर्वीक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने में अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/गा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन्या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिध, के लिए:

 श्री कोश राज सृपुत्र श्री नानक चन्द निशासी 11-डी/53, लाजपत नगर, मई विल्ली।

(अन्तरक)

 श्री बलवन्त कौर पत्नी श्री जी. बी. सिंह निवासी-जी-139, हरी नगर, नई दिल्ली।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्वचिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित मूँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मजीला भकान नं, 26, रोड नं. 69, पंजाबी बाग, नर्झ दिल्ली भूमि माप-364.16 वर्ग गज।

नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियमः, की धारा 269-ग के अनुसरणः में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (१) के अधीन, रिश्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :--

तारीम : 19-4-82

प्रसप आई• टी • एन • एस • ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अभीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, नर्झ दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्दोश सं. आई. ए. सी./एक्य्./2/एस-आर-1/8-81/6185--अत: मुक्ते, नरोन्द्र सिंह,

श्रीयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 48) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'जवत शिधिनियम' कहा गया है), की सारा 269-ख़ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचिन वाजार मूल्य 25,000/-रु• संग्रीक है

और जिसकी सं. भूमि है तथा जो ग्राम होलम्बी कलां, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अन्मूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील अगस्त-81 को

पूर्वोक्न्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्न्नह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिसत उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप में किथा नहीं किया गया है:--

- (क) श्रन्तरणं से हुई किसी आय की बाबत; उनत श्रीवित्यम के आधीन कर दने के बन्दरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य ग्रस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की, अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

12-86GI/82

 श्री निरंजन सिंह, राजक कुमार सुपृत्र श्री नन्दु, निवासी-ग्राम-होलम्बी कलां, दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री जसिवर सिंह सृपुत्र श्री महंगा राम, निवासी-169-ए, डी. डी. ए. फ्लंट्स एम. आई. जी. राजोरी गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की प्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी
 धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक में प्रकाणन की तारी कसे 45 दिन के भीतर उस्त क्यावर सम्पत्ति में हिसवड़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रश्लोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा समेंगे ।

स्पद्धीकरण !--इसमें; प्रमुक्त शब्दों घोर पर्दो का, जो सकत प्रक्षितियम के सब्बाय 20क में परिचाधित है; बही धर्ष होगा, जो उस खब्याय में दिया गया है।

अनुसुची

भूमि क्षंत्र 4 विघे 16 बिश्वे, ग्राम्-होलम्बी कलां, दिल्ली।

नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी महायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, नई दिल्ली

ता्र**ीस** : 19-4-82

मोहर 😥

प्ररूप आई. टी. एस. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, नर्ह दिल्ली

नर्इ दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्वोष्ण सं. आर्ह. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-2/81-82/6028—अत: मभी, नरान्द्र सिंह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों अर्थ यह पिश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-कादिपुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजन्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नर्ष दिल्ली में रिजन्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीब अगस्त-81

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में शस्तिषक म्प में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आय-कर आधिनियम, 1022 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ह्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;
- मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिष्त व्यक्तियों, अर्थात :--अत: अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण

 चौ. सरूप सिंह सूप्त श्री तरायन सिंह, निवासी-ग्राम-कादिपुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री ध्रम पाल स्पूत्र श्री दुर्गा राम, निवासी, ए-1ए रामा रोड, आदर्श नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास निहित्त में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि का क्षेत्र का क्षेत्र 13 विष्यं, 4 विश्वं, ग्राम कादि-पुर, दिल्ली।

> नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, नहीं दिल्ली

तारीख: 19-4-82

प्रकप आई.टी.एन.एस्.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्**ष**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, जी-13, ग्राउन्ड फ्लॉर, सी. आर बिल्डिंग इन्द्रप्रस्थ स्टाट नर्ह दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निवर्षा सं. आर्च. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-2/8-81/ 6315—अतः म्भो, नरान्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सिरम पूर, दिल्ली मो स्थित हो (और इससे उपाबद्ध अन्सूची मो पूर्ण रूप से वर्णित हो), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली मो रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीय अगस्त-81

को पूर्वाक्त सम्पन्ति के उचिन वाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम, के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विका के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— श्री दलेल सिंह सुमुत्र श्री छोटु, निवासी ग्राम और भो. सिरसपुर, दिल्ली।

(अन्तरक)
2. श्री अरुण कुमार बजाज स्पूत्र श्री त्रीलोक अन्य बजाज मार्फात परगती आटो सन्टर 32 गूरु नानक चरीट बल ट्रस्ट, 1413/1 निकल्शन रोड, कारिमरी गेट, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामिल से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 1 बिधा और 7-1/2 बिश्य, जिसका माप-1370 वर्ग गज, ग्राम-सिरसपुर, चिल्ली।

> तरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, नर्झ दिल्ली

तारीख : 19-4-82

प्रारूप् आर<u>्द</u>े<u>.</u>टी..एन . एस . ------

अभयकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायुक आयुक्त आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-।।, नर्द दिल्ली नर्दे विल्ली , दिनांक 19 अप्रैल 1982

निद^रश सं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस-आग-2/81-82/ 6316—अत: मुफ्ते, नरन्द्र सिंह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-सिरस पूर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप संवर्णित है), रिजस्ट्रीक तां अधिकारी के कार्याजय, नई दिल्ली, में रिजस्ट्रीक रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त-81

को पूर्वाकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वाकित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिशत से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि स्वित में पान्तीयक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुड़ां किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अन, उक्त अभिनियम की धारा 269-म को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखत व्यक्तियों अर्थात् :--

 श्री दलेल सिंह सुपुत्र श्री छोट निवासी-ग्राम और पा. सिरसपुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री रमश कुमार बैद सुपृत्र श्री तारा चन्द बैद, निवासी 19/56 पुराना राजिन्दर नगर नई विल्ली (जन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वां कर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

कृषि भूमि एरीया 1 विघा 8 विघव, ग्राम-सिरसपुर, दिल्ली।

नरोन्द्र सिंह सक्ष्म प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्थन रोज-।।, नई दिल्ली

तारीख : 19-4-82

प्ररूप आधै.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्**य**ना भारत सरकार

कार्यालय, सहायुक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-११, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 19 अर्थन 1982

निर्दाश सं. आई. ए. सी. /एक्थू: /2/एम-आर-2/81-82/6317---अता: मुफ्ते, नरोन्द्र सिंह,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सजन प्राधिकारी की, यह विश्वान करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पए से प्रधिक है

और जिसकी गं. कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सिरसपूर, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुम्बी में पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकता अधिकारों के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियर, 1908 (1908 का 16) के अधीर, तारीस अगस्त 1981

को प्वोंकित संपित्त हो उचित वाजार मृत्य से काम के दृश्यमार प्रतिफल के लिए अन्तिरित को गर्ड ही और मुभ्ने यह विश्वास कारमें का कारण हो कि यथाप बोक्त संपित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उच्चेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक्य रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- '(क)' अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्ते अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

 श्री दलेल सिंह सुपृत्र श्री छोट् निवास-ग्राम पां सिरसप्र, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री बजरंग लाल बाथरा, पृत्र श्रो पूरत चन्द बोथरा, निवासी-सी-30, शक्ति नगर, एक्सटनशन, दिल्ली।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करकं पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसते अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि एरीया का माप-1370 वर्ग गज, (1िबघा 7-1/2 विष्व) ग्राम-और पो. सिरसपुर, दिल्ली।

नरन्द्र सिंह् सक्ष्म प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्थन रॉज-११, नर्ह दिल्ली

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की भाग 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिमित व्यक्तियों. अर्थात् :---

तारीस : 19-4-82

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-।।, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्वोध मं. आई. ए. सी. /एक्यू. /2/एस-आर-2/81-82/6318—अतः मुके, नरेन्द्र सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं. कृषि भूमि हैं तथा जो ग्राम सिरसपूर, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपादद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अगस्त-81

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सिरमपूर, प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल सो, एसे इश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल कित निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण के हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धून या जन्य जास्तियाँ की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रजोजनार्थ जन्तीरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

शतः सव, उक्त ऑधिनियम की धारा 269-ग की, सनुसरण में, में, उक्त औधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कें प्भीन निम्मृतिवित् वित्वाची व्यक्तिः— श्री दलेल सिंह सुपुत्र श्री छोट् निवासी-ग्राम और पो. सिरसपुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री इन्बरजीत सिंह स्पृत्र श्री बलवन्त भिह, निवासी 3/13 डक्क्यू. ई.ए. करोल बाग, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हुने के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पक्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनसची

कृषि भूमि 1 विधा और 7-1/2 बिश्वे, ग्राम-सिरसपूरा, दिल्ली।

नरन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्यत (निरक्षिण) अर्जन रज-११, नई दिल्ली

तारींग : 19-4-82

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-११, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्दोश सं. आई. ए. सी./एक्य्./2/एस-आर-1/8-81/ 8247---अतः मुभ्ते, नरन्द्र सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उषित बाजार भूल्य 25,000/- एत. से अधिक हैं और जिसकी सं. 491, बार्ड-1, है तथा जो गयी राजन कर्ला गन्दानाला, काक्सिरी गंट, मं स्थित **है (और इससे उपाबद्**ध अनुसूची मं पूर्ण रूप संवर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यात्य, नर्दा दिल्ली में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील अगस्त-81 को प्देक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती

प्रतिफल निम्नसिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में

(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय

वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की बाबत, उपक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ उन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भों, भों, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिस्यों, अर्थात् :-- श्रीमती सतनाम काँर विधवा पत्नी श्री गुरमस सिंह, निवासी 491, गली राजन कालां. गन्दानाला, गाहिमरी गेट, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती पृष्पा दोन्नी पत्नी श्री हरी राम गृष्ता, निवासी 6282, गली बताशन, खारो बालनी, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सृच्नाजारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन केलिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपल संपत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति :
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनसची

1/2 हिस्से अविभाजी, दों मंजीला प्रो. नं. 491, राली राजन क्रालां, वार्ड नं. 1, गन्दानाला, क्राहिमरो गेट, दिल्ली।

> नरोन्द्र सिंह सक्ष्म प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-११, नई दिल्ली

त्रारीख: 19-4-82

प्रस्प आहूर.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-११, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 अप्रैल 1982

निर्दोश सं. आर्ड. ए. सी./एक्य्./2/एस-आर-1/8-81/ 8255--अतः मुभ्ते, नरोन्द्र सिह, आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख को अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक है और जिसकी सं. 491, वार्ड-1, है तथा जो गन्दानाला, कारिमरी गेट, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्-सची में पर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के के कार्यालये, नर्इ दिल्ली मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियस, 1908 (1908 का 16) के अधीन, वारीस अगन्त-81 को पर्वेक्सि सम्परित के उष्टित बाजार मन्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मत्या, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्योश्य से उक्त अन्तरण लिलित में दास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उन्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के धायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों कां. जिन्ह³ भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

कतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1). के अधीन निम्नलिसिति व्यक्तियों, अर्थातः ----

 श्रीमती सतनाम कौर विधवा पत्नी श्री गृंग्म्स सिंह, निवासी 491, गलो राजन कव्यं गन्दानाला, काश्मिरी गेट, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री प्रेम चन्द्रशोयल मृपुत्र श्री जग लाल गेयल, निवासी-288, बाग कार सान, किञ्च गंज, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँक्त सम्पृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितनबूध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्सूची

1/2 अविभाजीत हिस्से दो मंजीला प्रो. म्यूनिसीपल नं. 491 गली राजन कान वार्ड नं. 1, गन्दानाला, काश्मिरी गेट, दिल्ली क्षेत्र का माप-108 वर्ग गज।

> नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयकत (निरक्षिण) अर्जन रॉज-११, नर्ड दिल्ली

तारील : 15-4-82

प्रकृष आर्थ० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।।, नर्ह दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 19 अप्रैल 1982

निर्दोश सं. आर्ड. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-1/8-81/8290—अंतः मुभ्ने, नरोन्द्र सिंह,

कायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ॰ से अधिक है

और जिसकी सं सी-22, है तथा जा 16 अलीप्र रोड, दिल्ली-54, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ९ पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय, नई दिल्ली में र्जिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन, तारीख अगस्त 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्वह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में किश्त नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रस्तरण में हुई किसी याय की बाबत उक्त ग्रिध-नियम के प्रधीन कर देने के ग्रस्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किमी ग्राय या किसी धन या ग्रस्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उनतः श्रीधनियम की घारा 249-ग के भनुसरण में, म, उनत अधिनियम की घारा 269-थ की उपघारा (1) के प्रधीन. निम्निष्टित न्यम्तियों, अर्थात --- श्री चरनजित लाल गुलाटी मृपूत्र श्री मोहन लाल गुलाटी और श्री वि. के. गुलाटी, मृपूत्र श्री चरन-जीत लाल गुलाटी निवासी-3-डा, टिजाम्दीर इस्ट नई दिल्ली-13 ।

(अन्तरक)

 श्रीमती राजकुमारी भार्गवा पत्नी स्वर्गीस्य श्री जितन्दर नाथ भार्गवा, (2) राजेश भार्गवा सूप्त्र स्वर्गीय श्री जितन्दर नाथ भार्गवा, (3) श्रीमती अमिता भार्गवा पत्नी श्री राजेश भार्गवा, निवासी 1/3 रूप नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के श्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त अधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भ्रयं होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ब्लौक नं. सी-22, अलीपुर रोड, दिल्ली-54।

न**रेन्द्र** सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, नर्झ विल्ली

तारीख: 19-4-82

मोहर 🗓

13-86GI/82

प्ररूप आर्ड . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^{*}ज-।।, नर्हा दिल्ली

नर्इ दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्दोश सं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-2/81-82/6320---अत: म्फो, नरोन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है। कि धारा 269-से के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बोजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम बुरारी, विल्ली पं में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तह विल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख बगस्त, 1981

को पूर्नोक्त संपत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्रत आधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्र फल निम्नतिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्नियक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी शाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में क्रमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए, और/या
- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुजिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन निम्निलिस व्यक्तियों, अर्थास् :---

- श्री धर्म देव पूत्र श्री भगवान सहाय, निवासी अङ्खा,
 पो. बुरारी, विल्ली प्रशासन, दिल्ली।
 (अन्तरक)
- र्था बालीनन्द पृत्र थी किशोरी लाल, निवासी ए-1/13, शक्ति नगर, एक्स ं, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीलर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

भूमि तावादी, 18 बिक्ये, मिनजुमला, 2 बिक्ये और 16 बिक्ये, सालिम भूमि तावायी, 5 बिये और 7 बिक्ये, मुनदरजे मुस्तातील नं. 6, बसरा टं. 452, बाक्या बुरारी, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली।

नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अजन रॉज-।।, तर्हा दिल्ली

तारील : 19-4-82

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-११, नक्ष दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निद^रश सं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-।/8-81/6321—अतः मुफ्ते, नरन्द्र सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. कृषि भूमि हैं, तथा जो ग्राम बुरारी, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई विल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, तारीस अगस्त, 1981

कान, तरिक्ष अगस्त, 1981 को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए इन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत अचिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाधित्य में कमी करने या उससे बचने में तृषिभा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिर्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री देव शर्मा सृपुत्र श्री भगवान सहाय, निवासी भ्रहावा, पो. बुरारी, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्री दुली बन्द पृत्र श्री किशोरों लाल, निवासी ए-1/13, शक्ति नगर, एक्स., दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनस सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर 45 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीसर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 विन के भीतर उका स्थावर सम्यक्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रधाक्षताक्षरी क पास लिखि। में किए जा मर्केंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बड्डी अर्थ होगा जो उस अध्याव में दिया गया हैं।

अन्य स्टी

भूमि तादादी 17-1/2 बिश्वे, मिनजुमले सालिम भूमि तादादी 5 बिघे, 8 बिश्वे, मुनदरजे मुस्तातील नं. 6, खसरा नं. 452, वाक्या, ग्राम बुरारी, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली।

وأنجر ويعجز المبادية

नरन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-११, नई दिल्ली

तारी**ल** : 19-4-82

प्रकृष् आई. टी. एन. एस.-----

आय कर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाय्क आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निवाँक सं. आर्कः ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-1/8-81/ 6322--अतः मुक्ते, नरन्द्र सिंह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम बुरारी, विल्ली में .स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1981

को पूर्वो क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृष्ट प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निलिखत उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलियित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री देव शर्मा सुपुत्र श्री भगवान सहाय, निवासी अड़ौदा, पा. बुरारी, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्री रोशन लाल पुत्र श्री नरसिंह दास, निवासी बी/ 15, भगवानवास नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिमिन में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो, उत्कल अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

असुची

भूमि तावादी 18 बिक्वे, मिनजुमला 2 बिका, 16 बिक्वे, मिनजुमले सालिम भूमि तावादी 5 बिक्षे और 7 बिक्वे, मृनदर्जे मुस्तातील नं 6, खसरा नं 452, वाक्या बुरारो, पो बुरारी, विल्ली।

नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^{र्}ज-।।, न**र्ह** दिल्ली

तारीख : 19-4-82

प्रारूप आई.टी.एन.एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्दोश सं आई. ए. सी./एक्यू 2 एस.-आर-2/8-81/6098—अतः मुक्ते, नरेन्द्र सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं और जिसकी सं कृषि भूमि हैं, तथा जो ग्राम् - मस्दाबाव, नजफगढ़ रांड, नहें दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नहें दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तार्याम् अगस्त, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की हिं हैं और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसं द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उच्स अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की, अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपध्या (1) के अभीन निम्नीतिश्वत स्यक्तियों, अर्थात् :----

- श्री हिमान्सू रोहतगी सुपुत्र श्री कं ज बिहारी, दिवासी-419, इस्प्लेनेड रांड, दिल्ली। (अन्तरक)
- श्री बाल किशन मेहता सुपृत्र स्वर्गीय सरदार चन्द, गिवासी-सी-3/185, जनकपुरी, नद्दी दिल्ली-58 1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृशाँकत सम्मिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरणः--इसमें प्रमुक्त शक्यों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि एरीया 7 बिघे और 19 बिश्वे, ग्राम मसुदाबाद, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली, स्वसरा नं 2(2-7), 3(4-16), 8/1 मिन (0-16)।

नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अजन रॉज-११, नर्ह दिल्ली

तारीय: 19-4-82

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर प्रवित्यिम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के प्रधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निदर्भा सं. आई ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-2/_ 6099--अतः मुभी, नरोन्द्र सिंह, भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 की (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत प्रधिनियम' नहा गया है), की घार। 269-घ के अधीन पक्षम प्राधिकारीको पह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित ' बाजार मुख्य 25,000/- रुपये मे यधिक है और जिसकी सं. कृषि भूमि है, तथा ओ ग्राम - मसूदाबाद, नजफगढ़ रोड, नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपादद्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नर्झ दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीक रण अधिनियम, 1908((1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के लिए ग्रन्नरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीका समाति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफच से. ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहुँ प्रतिशत ग्रधिक है और भ्रन्तरक (अन्तरकों) और भ्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व मैं कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (छ) ऐसी किसी आए या किसी घन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उनत श्रिवित्यम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

न्नतः, प्रवं, उक्तं प्रधिनियमं की धारा 269-गं के अनु-मरण में, में, उक्तं प्रधिनियमं की धारा 269-गं की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- श्री हिमान्सु रोहतगी सुपृत्र श्री करंज बिहारी, निवासी 419, इस्प्लानेड रोड, दिल्ली। (अन्तरक)
- श्री बाल किकान महेता सुपूत्र स्वर्गीय सरदार चन्द, निवासी सी-3/185, जनकपुरी, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताश्लरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उकत प्रजि नियम के श्रृष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, बही भर्थ होगा, जो उस ग्रष्ट्याय में दिया गया है।

अन्सूची

कृषि भूमि 1 बिघा और 13 बिह्वं, ग्राम - मसुदाबाद, नजफ गढ़ रांड, नई दिल्ली, खसरा नं 118 मीन (0-4), 119 मिन (1-9)।

नरान्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, नहीं दिल्ली

तारीख: 19-4-82

प्रकृष भाई ० टा॰ एन • एस •--

मायकर **मधिनियम, 1961 (1961** का 43) की धारा

269-घ (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, नद्दी दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्देश मं. आईं. ए. सी./एक्यू./2/एम-आर-1/8-81/8334/—अतः मुक्ते, नरेन्द्र सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. 6/151-154 है, तथा जो कटरा बारोयन, फतेहपूरी, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यान्त्य, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1981

का 16) क अधीन, ताराख अगस्त, 1981

हो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के
दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विक्याम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार भूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दूष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अग्तरकों) और अग्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देष्य से उक्त अन्तरण निखिन में वास्तिक इप से कथिन
उदी किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त मधि-नियम, के अधीन कर देने के भारतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी वन या भन्य भास्तियों को, जिस्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनायं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः ग्रन, उनत श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उना प्रधिनियम की घारा 269-य की उपद्वारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- श्रीमती राम पियारी पत्नी श्री राम दिता मल, गांधी कालोनी, मुजप्फर नगर, यू.पी., वर्तमान दिल्ली। (अन्तरक)
- मैं. सरदारी लाल अशोक क्रमार, 69 बाग दीवार, फतहप्री, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके रूवॉक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उसत नम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप : --

- (क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की नारीख से 45 विन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकड किसी श्रन्य व्यक्ति हारा, स्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रष्ठयाय 20 क में परिभाषित हैं, बही सर्थ होगा, जो उस श्रष्ठगार में दिया गया है।

वनुस्ची

गाउन्ड तल प्रो. नं. 6/151-154 (न्यू) कटरा नारौयान, फतेहपुरी, विल्ली क्षेत्र का माप 235 वर्ग गजा।

नरेन्द्र सिंह सक्षय प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (दिरक्षिण) अर्जन रॉज-।।, नर्ष दिल्ली

तारीच : 19-4-82

प्रकृप प्रार्धि टी॰ ए १० ए

ाथहर अविनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-**ष (1**) के गोर सुचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहाय्क आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, नर्ह विल्ली

नइं दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

रिन्दोंश सं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-1/8-81/8335——अतः मुक्ते, नरोन्द्र सिंह, आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिने इनमें इसके प्रवात 'उन्न अधिनियम, कहा गया है), की झारा 269-ख के अधार मझम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका बांचा बाबार मूक्य 25,000/-द० से अधिक है

और जिसकी सं. 6/151-154 है, तथा जो कटरा बारोयन, फतें, पूरी, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नहीं दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील अगस्त, 1981

का 16) के अधीन, तारीस अगस्त, 1981 को पूर्धानत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से अन के दृष्यमान प्रतिकल के लिए भन्तरित की गई है और मूने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिगत से प्रधिक है घोर प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और प्रन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण क लिए तय पान गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सन्तरण सिखित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत ज़क्त श्राधिनियम के घधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कभी करने या स्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किमी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठितियम, 1923 (1922 का 11) या उक्त अधितियम, या धनकर अधितियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या विस्ता भाना चाहिए था, ष्टिपाने • में सुविधा के लिए;

अतः अस, उस्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्रीमती राम पियारी पत्नी श्री राम विता मल, गांधी कालोनी, मुजफ्फर नगर, यू.पी., वर्तमान विल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्री बनारसी दास और सरदारी लाल सुपूत्र श्री बदरी दास, निवासी 31, उषा निकेतेन, बंगला रोड, कमला नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकातन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्वस्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की धवधि, जो भी प्रविधि बार में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किशी व्यक्ति द्वारा।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्यव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

प्रथम मंजील प्रो. नं. 6/151-154 (न्यू), कटरा नारीयन, फतेह्रपुरी, विल्ली, क्षेत्रफल 235, वर्ग गजः।

नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जा रॉज-१।, नर्झ विल्ली

तारीस : 19-4-82

प्रकप बाइ . टी. एन. एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायुक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रॉज-।।, नई दिल्ली नक्द दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्दोश सं. आर्द. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-1/8-81/ 6132--अतः म्भे, नरन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अभिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम बुरारी, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1981

की। पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूपमान प्रतिकल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कर्ष का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे अध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविशा के लिये; और/या
- (७) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियन की धारा 269-व की उपभारा (1) 1. श्री परसोत्तम लाल बोहरा सुपुत्र श्री जगन नाथ, निवासी 1-सी $\sqrt{40}$, न्यू रोहतक रोड, नुई दिल्ली-5 ।

(अन्तरक)

2. श्री सुशिल कुमार माइनर सुपुत्र श्री फुला सिह बुवारा उसकी मां श्रीमती तीजा दोवी, निवासी एफ-14/15, माङल टाउन, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाडियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीड से 45 दिन की अव्धि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वनाक राजपत्र में प्रकावन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीक रणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि माप (0-16) बिश्वे, खसरा नं. 871, एरीया, ग्राम ब्रारी, दिल्ली।

> नरन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन् रॉज-११, हर्ष् दिल्ली

तारील : 19-4-82

मोहर:

14-86GI/82

(अन्तरक)

प्रकण आहें, टी. एन्. एस्.,------

आयफर ब्रिजिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व(1) के ब्रिडीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकार आयुक्स (निरिक्षिण)

अर्जन रॉज-।।, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्दोष सं. आर्द. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-।/8-81/ 6133—अतः मुक्ते, नरन्त्र सिंह, आयकर मक्तियम 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें

आयकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति जिसका उजित जाजार मूख 25,000/- वपए से प्रक्षिक है

और जिसकी सं कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम बुरारी, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूधी में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्रम के पूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित साजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशन से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाम यस प्रतिफल निम्नलिखित बहेश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्षित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी धाव की बावत, उक्त धिविषय के धन्नीन कर देने के धन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;
- (त) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भतः अन, उक्त भ्रमिनियम की धारा 269-म के धनुसरण में, में, अक्त भ्रमिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के जुभीन, निम्मुतिकत स्पनित्यों, अुभृति :----

- श्री परसोक्तम लाल बोहरा सुपृत्र श्री अगन नाथ, निवासी 1-सी/40, न्यु रोहतक रोड, नर्इ दिल्ली-5।
- श्री सृरिक्र कुमार माइनर सुपृत्र श्री फुला सिह, द्वारा उसकी मां श्रीमती तीजा देवी, एन/जी, निवासी एफ-14/51, मोडल टाउन, विल्ली।

को यह सूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्रेप :-

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी म्यभितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो बी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारी कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसब द किसी भन्य अथिकत द्वारा, भिष्ठोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए आ सर्जेंगे।

स्पद्धीकरण:-इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो उन्त ग्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि (0-16) बिश्वे, खसरा नं 871, एरीया ग्राम् बुरारी, दिल्ली।

नरन्त्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहागक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन् रॉज-।।, नृष्ट दिल्ली

तारीख: 19-4-82

प्ररूप् आह्र . टी., एन. एस.,------

आयुकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, नहाँ दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निद⁴श सं. आई, ए. सी./एक्यू. 2/एस-आर-2/81-6134---अतः मभ्रे, नरन्द्र सिंह,

आग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संं कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम बुरारी, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1981

कान, ताराख अगस्त, 1981 का पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान शितफ ल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार शृद्ध, उत्तक दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिस्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निस्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है हिन्न

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरफ के दायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः बब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री परसोत्तम लाल बोहरा सुपूत्र श्री जगन नाथ, निवासी 1-सी/40, न्युं रोहतक रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री सुशिल कुमार माइनर सुपृत्र श्री फर्ला सिंह द्वारा उसकी मां श्रीमती तीजा देवी, निवासी एफ-14/15, माडल टाउन, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूच्ना जाड़ी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इसं स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्डीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शस लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि (0-16) बिश्वे, खसरा नं \cdot ; 871, एरीया ग्राम बुरारी, दिल्ली।

नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-११, नर्द्र दिल्ली

नारील : 19-4-82

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाय्क आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रज-।।, नर्ह विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्दोश सं. आर्द: ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-1/8-81/ 6292--अतः मुक्ते, नरोन्द्र सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम् प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक हैं। और जिसकी सं. कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम रोशनपुरा, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नर्द दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1981 कां पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिपाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इक्यमान प्रतिफल से, एसे इक्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य स उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

जतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

- श्री स्थामिबर, यसिबर, सतिबर त्यागी सुपुत्र श्री श्री प्रताप सिंह त्यागी, निवासी ग्राम् बढ़ेला, दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्री राम अवतार गुप्ता सुपुत्र श्री नथु राम गुप्ता, निवासी 4 नजफ गढ़, नह दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख मं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार, अधोहस्ताक्षरी के पास सिसिस में किए जा सकींगै।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 9 बिघे, 12 बिश्वे, ग्राम रोशनपुरा, दिल्ली।

नरेन्द्र सिह् सक्ष्म प्राधिकारी सहायक आयक र आयक्त (निरीक्षण) अर्जन् रजन्।।, नृष्ट्री दिल्ली

तारीख : 19-4-82

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस -----

आयक ए अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के भूधीन सूचना

भारत सुरकार

कार्यालय, महायुक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-।।, नई विल्ली नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

रिदर्भा सं. आई. ए. सी./एक्य्./2/एस-आर-।/8-81/ 6293--अतः म्भे, नरोन्द्र सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रत. से अधिक हैं और जिसकी सं कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम राशनपुरा, दिल्ली मों स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुमूची मो और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1981 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से काम दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल सं, एसे दश्यमान प्रतिकाल पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय

पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ए—

- (फ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के संधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृत्धि। के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात-—

- श्री श्यामिकर, यसिकर, सतिकर त्यागी सुपुत्र श्री श्री प्रताप सिंह स्थागी, निवासी ग्राम बढ़ेला, दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती सरोज जैन पत्नी सुभाष जैन, निवासी 578 शिवाजी मार्ग, नजफ गढ़, नई दिल्ली-43। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मुर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 विन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 9 बिघे, 12 बिश्वे, ग्राम रोशनपुरा, विल्ली।

नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, नर्ड दिल्ली

तारीख : 19-4-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र ज-।।, नक्द दिल्ली नक्द दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्दोश सं. आई. ए. सी. /एक्यू /2/एस-आर-1/8-81/6294—अत: मुक्ते, नरेन्द्र सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं. किप भिम हैं, तथा जो ग्राम रोशनपरा.

और जिसकी सं. कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम रोशनपुरा, नजफ गढ़, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय, नहीं दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1981 की पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पत्राह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिका) और अन्तरिती (अन्तरिकारों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-

फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक

रूप से किथत नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण से हुइं किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्स्रिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियस की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ः——

- 1. श्री क्यामिबर, यसिबर, सतिबर त्यागी सुपूत्र श्री श्री प्रताप सिंह त्यागी, निवासी ग्राम बढ़ेला, दिल्ली।
- श्री राम निवास गुप्ता सृपुत्र नाथु राम गुप्ता, निवासी 413, नजफ गढ़, दिल्ली-43। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर प्रांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 8 बिघे, ग्राम रोशनपुरा, नजफ गढ़, दिल्लीं।

नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रोज-११, नक्षे दिल्ली

तारीख : 19-4-82

; ; k.. ्रष्रकप धाई० टी० एन० एस०--

शायकर श्थिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाय्क आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-।।, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निदंभा सं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-1/8-81/6295---अतः मुक्ते, नरन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रधीन सक्षम शामिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रुपये से श्रीक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि हैं, तथा जो ग्राम रोक्षनपुरा, विल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नर्दे विल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अगस्त, 1981

को पूर्वोक्त संपरित को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए, तयपाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किंगत नहीं किया गया है:——

- (क) प्रम्तरण से हुई किसी प्राप्त की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायिक्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। पौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या अस्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय म्नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, भा धनकर मिलियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्च मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत:, जब, उनत अधिनियम, धारा की 269-ग के प्रतृतरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्थितयों, प्रथित :---

- 1. श्री श्यामिब्र, यसिबर, सतिबर त्यागी सूपृत्र श्री श्रताप सिंह त्यागी, निवासी बुढ़ेला, तिलक नगर, नहें दिल्ली।
- 2. श्री बिस्ताष सिंह सुपुत्र श्री खुशल सिंह, निवासी सी-2/जनकपूरी, नर्ह दिल्ली-58। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूं !

उनत सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की भ्रविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविधि, जो भी भ्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजरव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त मन्दों भीर पद्दों का, जो सकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 9 बिघे, 12 बिघ्वे, ग्राम रोशनपुरा, दिल्ली।

नर**ेन्द्र सिंह** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रॉज-११, नर्द्र दिल्ली

तारीख: 19-4-82

प्ररूप आई• टी॰ एन॰ एस•-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 388-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1982

निर्दोश मं. आर्च. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-1/8-81/ 6319---अतः मुक्ते, नरोन्द्र सिंह, ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें-इसके पश्चात् 'खक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका रुपये ध्रधिक है 25,000/-मुल्य और जिसकी सं. कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम सिरसपुर, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1981 को पूर्वा क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रिमिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित आजार मुल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिये; और/या
- (म) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;
- अतः शब, उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत—

- श्री क्लेल सिंह सुपुत्र छोट्य, निवासी ग्राम, पो. सिरसपुर, बिल्ली।
- (अन्तरक)
 2. श्री हाथी मल संठीया सुपुत्र जेठ मल संठाया, निवासी
 1540-ए, भागीरथ प्लेस, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भन्धि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की नामील मे 30 दिन की भविष्ठ, जो भी भविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब द्व
 किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, को उक्त अधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रश्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि एरीया, 1 बिघा, 1-1/2 बिख्वे, भूमि माप 1082 वर्ग गज, ग्राम सिरसपुर, दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह सक्ष्म प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अजेन् रॉज-।।, नर्झ बिल्ली

तारीख : 19-4-82

प्ररूप प्रार्ड∘ टी • एन • एस •---

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के प्रधीम मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 21 अप्रैल 1982

निद्येश नं. पि. आर. नं .1593/एक्बी/23-।।/82-83--अतः स्फेरे, आर. आर. शाह,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अक्षितियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- वर् से अधिक है

और जिसकी सं. आर. एस. नं. 774/784, प्लाटस 8 और 9 (भाग) है तथा जो गोत्री, बरोड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है); र जिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बरोड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 190 8(1908 का 16) के अधीन, सितम्बर, 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजा रमूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिये अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रमृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का प्रमृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल है और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तर्क (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1057 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था कि या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः बब, उक्त अधिनियम, का धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-- श्रीमती सिवताक्षेत चितरन्जन दोवे। क्रूलगुकतयार गीताक्षेत्र राशमीकान्त पटोल। क्रून्ज सोसायिटी, बरोडा।

(अन्तरक)

 संजय कारपोरंशन के द्वारा भागीदार श्री पी. बी. पटल, बरोडा।

(अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरीं के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पद्धीक रण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बुली जमीन जो गोत्री में स्थित है बिकीबत नं 5443 पर सब रिजस्ट्रार बरोडा के कार्यालय में सितम्बर, 1981 में रिजस्ट्री की ग**र्यी है।**

> आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन्रिंग-।।, अहमदाबाद

मोहर :

तारीख : 21-4-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-य (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 21 अपैल 1982

निवर्षेश सं. आर्ह. ए. सी./एक्यू./2/एस.-आर-1/8-81/6295—अतः मुफ्ते, नरोन्द्र सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बंधि, जिसका शिस्त उजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक है

आर जिसकी सं. 69-ए, सी. एस. नं. 2125 ए हैं तथा जो बलसाड में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और एण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकार्ता अधिकारी के कार्यालय, बलसाड में रिजस्ट्रीकारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिगों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई कियी आय भी अवत, उक्त अधिनियम के अधीम करदान के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसस अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 राज्य की किसी था अन्य अधिनियम, 1922 राज्य की किसी था अन्य अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिमित व्यक्तियों, अधीतः—

- া. (।) भासबंन बंनजभीन जीजाभाइ की शिधवा।
- (2) रिनोल्ड बनजमीन, मिशन कालांनी, बलमाड ।
 - (3) अरीक बनजमीन।
 - (4) जेल्ली अंनजभीन, दाईक्ला, बाम्बे-400081 ।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री इंश्वरभाई जीवाभाई पटल,
 - (2) चन्द्रभाई जीवाभाई पटल.
 - (3) परागभाई दयाभाई, हालार, वासी फलिया, वलसाड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवांकित सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में रिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

अनुसूची

मिलकित जो आर. एस. नं. 69/v, सी. एस. नं. 2125/v, बलसाड सितम्बर, 1981 में रिजिस्ट्री की गयी है।

आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-११, अहमदाबाद

तारील : 21-4-1982

प्ररूप बाह्र . टी. एत. एस.-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-१।, अहमदाबाव

अहमदाबाव, दिनांक 21 अप्रैल 1982

निर्दोश सं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस.-आर-11/ 8-811/83--अतः मुभ्हे, आर आर. शाह, अायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 259-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उपित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक है और जिसकी सं. नं. $206/\hat{a}$, 206/1ंबी, $206/3/\hat{a}$ ी, 205/4, है तथा जो 203/2, 205/3, पैकी, तीतल रोड, बलसाड में स्थित हैं (और इस्से उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप संवर्णित हैं); राजिस्टीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, वलसाड मी राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1903 का 16) के अधीर, सितम्बर, 1981 कां पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथाएबोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक ही और अन्तरण (अन्तरकां) और अंतरिती (अंतरितियों) के जीन एसे अनर्ग के लिए तर पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित अदबंदय से जक्त अन्तरण लिखित मे वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिये; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन जिम्हीलिखिट व्यक्तियों अर्थात :---

1. (1) अनुपम ललीतमांहन गान्धी,

(2) प्रेमकुमार ललीतमाहन गान्धी, तीताल, वलसाड (अन्तरक)

 श्री जंबाचलाल बृजभूषणवास शेरोफ, मेंटा बाजार वलसाड।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप:--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्म म्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्दित में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टिकरण :--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याध में दिया गया हैं।

अससची

मिलकत जो एस . नं $206/\bar{a}$, $206/1/\bar{a}$, $206/3/\bar{a}$, 205/4/203/2, 205/3, तीतल रोड, बलसाड, सितम्बर, 1981 में रिजस्ट्री की गयी **है**।

आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।। अक्रमवाडाइ

तारीख: 21-4-1982

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.----

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के स्थीन स्मृता

भारत संह्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-।।, अहमवाबाद अहमवाबाद, दिनांक 21 क्प्रील 1982

निदेश नं. पि. आर. नं, 1596/एक्बी/23-11/82-83--अतः मुभ्ते, आर. आर. शाह, आयकर अधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उपित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. नोंद नं. 4305, वार्ड नं. 2, संग्राभपुरा हैं। तथा जो मुरत में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं); रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्गालय, सुरत में रिअस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विख्वास करने का कारण है कि स्थापुर्वाक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रवह प्रतिवात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उददेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

मत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अथित्:——

- 1. अबदालकार्क अबदालकाक--बंगलूर का कालमुक-तथार:---
 - (1) अमीनाबीबी अबदाल काक,
 - (2) अबदुलकादर अबदुलसतार ईछा महता शोरी, सन्नामपुरा, सुरत।

(अन्तरक)

 श्रीमती कमलाबेन इंदियरलाल, गोरीबेन जलिकशन-दास मंथिन रोड, सग्रामपुरा, सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपृत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ह³।

अनुसूची

मिलकत् जो नोव नं. 4305, वार्ड नं. 2 सुरत सितम्बर, 1981 में रिषस्ट्री की गयी हैं।

आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^पज-।।, अहमदाबाद

तारीस : 21-4-1982

अ**रू**प आ**र्ड**.टी.एन.एस.-----

भावकर प्रक्रिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा 289-व(1) के प्रमीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, स्हायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 अप्रैल 1982

निर्देश नं० पि० ग्रार० न० 1597 बी० 23-II/82-83--अतः मुक्ते, आर. आर. शाह,

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रिवित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ज के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

और जिसकी सं. सी. एस. नं. 462, 463 और 467 हैं। तथा जो गोवा मैं स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यान्तय, गोवा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-9-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रश्तरक (प्रन्तरकों) और प्रश्ति । (प्रन्तरितियां) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाय। गया प्रतिकत निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त धन्तरण निश्चित में बास्तविक दंप से किया नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त भ्रष्ठि-नियम के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने म मृतिष्ठा के लिए, भौर/या;
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अवन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर भिवित्यम 1922 (1922 का 11) या उक्त भिवित्यम, या धन-कर भिवित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 श्रीमती पदमाबन, जमनादास लल्लुभाई की विधवा, गोद्रा, बेराडा।

(अन्तरक)

 श्रीमती को किलाबेन कनछनलाल मोदी श्रीमाल शोरी, गाँदा।

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियो करता हूं।

उक्स सम्पत्ति को वर्णन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सर्केंगे।

स्यब्दोकरण:--इसमें प्रयुक्त अब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिक्त नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मुकान जो गोद्रा में स्थित है विकिश्वित नं. 2540 गोद्रा सब रिजस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 21-9-1981 में रिजस्ट्री की गयी है।

> आरं आरं शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-११, अहमदाबाद

तारीख: 22-4-1982

प्ररूप आहं.टी. एन. एस. -----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।, अहमवाबाद

अहमदाबाद, विनांक 23 अप्रैल 1982

निद[्]ध सं. आर. एस. सः. 1598/वी/एक्यू/23-।।/82-83——अतः मुभ्ते, आर. आर. शाह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं. आर. एस. नं. 761 2 ही। तथा जे पालन-पुर कस्या में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसृचि मे- और पूर्ण रूप से वर्णित ही); रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी का कार्यालय, पालनपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-9-1981

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से एमें दश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तर पाया गया फल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अक्षः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मृतिसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री पटल मनजीभाई गोबाभाई, बेछरपुरा, पालन-पुर।

(अन्तरक)

- 2. (1) कंश्यलाल मोहनलाल णागाणी पालनपूर, अभी मदास में उहता है।
 - (2) मधवलाल चीमनलाल शाह (एच. यू. एफ.) को द्वारा मधवलाल चिमनलाल शाह पालनपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधिया तत्सवधी व्यक्तियों. पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों. का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क मो परिशाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में १४३३ गया है।

अनुसूची

खुला जमीन जो पालनपुर कराबा में स्थित है आर. एम. नं. 761/2 और बिकासित नं. 2584 और 2585 पालनपुर मब रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 8-9-1981 में रजिस्ट्री की गयी है।

> आर. आर. शाह मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, अहमवाबाद

गारीय : 23-4-1982

माहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 अप्रैल 1982

निव^{र्}श सं. आर. एत. र. 1599 दी/एक्यू/23-11/82-83--अत: मुक्ते, आर. आर. शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह किखास करने का कारण है कि स्थावर सम्पितः, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं. न, 419-1-3-(पी) जमीन हैं। तथा जो आनकलेक्बर में स्थित हैं (और इससे उपाब्द्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप सं वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकार्सा अधिकारी वे कार्यालय, आनकलेशबर में रिजिस्ट्रीकारण अधिनियम, 1908 (1908

का 16) के अधीन सितम्बर 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफाल निम्मिलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में सास्तविक रूप से कथित किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा केलिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए:

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:——

- शीमती विजयलक्ष्मी जगदीशबन्द्रा ह्रांनानी तीर्थराम-जानकरानी रीखाबदब हामा, रीखाबदेव हामा, जग-मोहन जगदीहाराम, विश्वयारन्ती जगदीहाराम आनन्द चन्नदेश पालशराब, क्रमुमलता मरोशचन्द्र महोद्दरी उपाक मारी कि शनकामार और दूसरो अनकालेशबर। (अन्तरक)
- 2. श्रीराम को-ओ-हैं-सांसायिटी का प्रमुह और मचिव प्रकाशचन्द्रा चम्पक लाल लाखणडवाला, तुपार जे-शाह, वेनीदबल मार्केंट के सामने, श्रानलेश्वर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वोका, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो एस. नं. 419-13 (पी) उमीन जो आनकलेख्यर में स्थित हैं सितम्बर, 1981 में रिजिस्ट्री की गयी है।

> आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-।।, अहमदाबाद

तारीब : 23-4-1982

प्ररूप माई० टी० एत० एस०----

पायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।।, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 23 अप्रैल 1982

निद्देश नं. पि. आर. नं. 1600/एक्बी/23-।।/82 83—–अतः मुफ्ते, आर. आर. शाह,

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिधितियम' कहा गया है), की धारा 269- घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- इपए से धिक है

और जिसकी सं. नं. 37, 38, 40 और दूसरे हैं। तथा जो गांव पूनगम, ता. अनकलेशवर में स्थित हैं (और इससे उपावव्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अनकलेशवर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर, 1981 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, धनत ग्रीझिनयम के प्रक्षीन कर देने के ग्रस्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या श्रम्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधनियम, 1923 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धनकर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने पे सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री बहराम जी अरविशार कन्द्रीक्टर और दिना-बाई बहरामजी कन्द्रीक्टर और दूसरेगांव प्न-गम, ता., अनकलेशवर।

(अन्तरक)

2. श्री एन. बी. पटेल, सेलूलांम प्रोडक्स आफ इण्डिया लिमिटेड। नेशनल चेमर्बस, दूसरा मंजिला, आफीस नं. 4 और 5, दीपाली थियटेर के पास, आश्रम रोड, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के पम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भ्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अवत अधिनियम के प्रक्याय-20क में परिभाषित है, वही प्रयंहोगा को सम ग्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो गांव पुनगाम - एस नं. 37, 38, 40 और दूसरे सितम्बर 1981 में रिजिस्ट्री कि गयी है।

> आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, अहमदाबाद

तारीब : 23-4-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।।, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 23 अप्रैल 1982

निद्धां नं. पि. आर. नं. 1601/एक्बी/23-।।/82 83---अतः मुभ्ते, आर. आर. शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. नं. 22 (पी) हैं। तथा जो भोलाव मे स्थित हैं (और इससे उपाइद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बाज में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर,

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्थ, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत, उत्तर अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा सुविधा के लिए;
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्रौवधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :——
16 -86GI/82

- 1. (1) श्री षाणाभाई ईश्वरभाई पटेल, (2) श्री चिभन भाई इशवरभाई पटेल, जादेशवर, बांच। (अन्तरक)
- 2. श्री अमर आशा को.-ओ-एच, सोसायिटी, भोनाव, ब्रोच। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राअपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्गे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में एरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकात जो भोलाद एस नं 22 (पी) सितम्बर, 1981 में रजिस्टी की गयी है।

> आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक (निरीक्षण) अर्जन रजे-।।, अहमदाबाद

तारीब : 23-4-1982

प्ररूप मार्ड .टी .एन .एस . ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, स्हायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-११, अहमवाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 अप्रैल 1982

निष्णे नं. पि. आरं. नं. 1602/एक्बी/23-11/82-83--अत: मुभ्ते, आरं. आरं. शाह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. नं. 12 (पी) जमीन हैं। तथा जो आली, ब्रोच में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ब्रोच में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, स्लिम्बर, 1981

को पूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मृन्य से कम के द्रश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्ह है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाग को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अपितयों की, जिन्ही भारतीय आयकार सिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने से स्विभा के लिए;

(1) आवर एस-मोहमेद, (2) म्हो-एसे-महमद स्व और फातमा एसे का कम्यूकनयार-माहमाद, (3) अहमद एसे माहमाद, (4) डायाणा एसे माहमाद आली, बोच्।

(अन्तरक)

 श्री दानीर नानड कॉपीर शन का भागीदार, उलावन अरविनदलाल शाह, बोच।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हित-बत्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया **ह**ै।

अनुसूची

मिलकत जो आली में स्थित हैं एस . तं. 12 (पी) सिक्षम्बर, 1981 में रिष्टस्ट्री की गयी हैं।

> आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 23-4-1982

प्ररूप आर्च , टी . एन . एस . ------

बारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 23 अप्रैल 1982

निदंश नं. पि. आर. नं. 1603/एक्वी/23-।।/82 83--अत: म्भे, आर. आर. शाह,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसक उचित बाजार मल्य 25,000 / रु. में अधिक **ह**ै

और जिसकी सं. नं. 22 (पैकी) जमीन हैं। तथा जो भोलाव मं स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ब्रोच में रिअस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मितम्बर, 1981

क्षा पर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथापर्विका सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यपान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नीति**खित उदद**ेश्य से उक्त अन्तरण लि**खित मे**ं **वास्तविक** रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शबत, उक्रत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

1 श्री इशिवरभाई जयसिंहभाई पटल, जमनाबेन कर-सनभाई पटेल, जावेशवर, बार्च।

(अन्सरक)

2. श्री अवदाधतनगर को-ओ-हा -सोसाईटी, श्री हमन्त-क मार प्रबोध चन्द्रा शुकला, जालभाई पात, बाचे । (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्दध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विचा गया है।

अनुसूची

मिलकत जो एस नं 22 (पी) भोलाव, सितम्बर, 1981 में रजिस्टी की गयी है।

> आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सष्टायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।, अहमदाबाद

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीस : 23-4-1982

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, अहमधाबाद

अहमधाबाद, विनांक 23 अप्रैल 1982

निद्धा नं. पि. आर. नं. 1604/एक्बी/23-11/82 ़ 83---अत: मुफ्ते, आर. आर. शाह,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. नं. 163 (पी) सब-प्लाट नं. 4/2 है। सथा जो डुग्री मों स्थित हैं (और इसमें उपाब्द्ध अनुसूची मो और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अपने मों रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्थ, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्चित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीव निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 लक्ष्मी ओरगर्नसर, पानच-बनी, सेवाक्रम राड, क्रोच।

(अन्तरक)

2 लमीनगर को-ओ-हैं-सोसायिटी, बुघादेव मार्केट सवाश्म रोड, बोच।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो डुग्री एस. नं. .165, सब प्लाट नं. 4/2, सितम्बर, 1981 में रिजस्ट्री की गयी है।

आर. आर. शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-11, अहमदाबाद

तारीब : 23-4-1982

प्रक्रम बाइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, हैंवराबाव

हैदराबाद, दिनांक 12 अप्रैल 1982

निर्दोश सं आर. ये. सी. नं. 5/82-83---यतः मूक्ते, एस. गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं 2-3-1 है, तथा जो मेटपल्ली, करीमनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेटपल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस सितस्बर, 1981

को पूर्वोक्स सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पिति का उचित बाजार मूल्य, उनके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-

- (क) अनसरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे जयने में सुविधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूनिभा के लिए;

जतः अध, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलीखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. (1) श्री एन हनमंद्रल पिता एन वरसीमूल,
 - (2) श्री एन. अंजय्या पिता एन. नरसीमूलू,
 - (3) श्री एन मारती पिता एन नरसीमूलू,
 - (4) श्री एन अनंतम पिता एन नरसीमूलू, 4-2-99, मेन रोड, मेटपल्ली, करीमनगर जिला। (अन्तरक)
- 2. डा. पंडाले जयप्रभावती पति डा. पी. एस. पीटर; द्वारा बीरशेका डास्पीटल, मेटपल्ली तालूक-505325 करीमनगर जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं!

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मण्डीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुची

घर नं. 2-3-1, विस्तीर्ण 877.05 चौ. गज., मेटपल्ली, करीमनगर जिला, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 1399/81 रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी, मेटपल्ली।

> एस. गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, होदराबाद

तारीब : 12-4-1982

परूप आई.टी.एन.एस.------

ग्रायकर प्रश्चितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के ग्रंघीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, हैंदराबाद

हैदराबाद, विनांक 12 अप्रैल 1982

निद^{र्}श सं. आर. ये. सी. नं. 6/82-83---यतः मुभ्ने, एस. गोविन्द राजन,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं 2-3-1 है, तथा जो मेटपल्ली, करीमनगर में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेटपल्ली में रिजस्ट्रो-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पृत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिष्ठात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तारितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; करर, या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था किपाने में स्विभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. (1) श्री एन हनमंडल पिता एन. नरसीमूल,
 - (2) श्री एन अंजय्या पिता एन नरसीमूल्,
 - (3) श्री एन मारती पिता एन नरसीमूल,
 - (4) श्री एन अनंतम पिता एन नरसीमूलू, 4-2-99, मेन रोड, मेटपल्ली, करीमनगर जिला। (अन्तरक)
- डा. पंडाले जयप्रभावती पति डा. पी. एस. पीटर, द्वारा बीरशेबा हास्पीटल, मेटपल्ली तालूक-505325 करीमनगर जिला।

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध शव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

. अनुसूची

धर नं. 2-3-1, विस्तीर्ण 693.94 घी. गज., मेटपल्ली, करीमनगर जिला, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं. 1398/81 रिजस्ट्री-कर्हा अधिकारी मेटपल्ली।

एस गौविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र'ज, हैंदराबाद

तारीख : 12-4-1982

प्रकृप आई० टी० एन० एस०----

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार। 269-घ (1) के प्रधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 अप्रैल 1982

निद्^रण मं. आर. ये. सी. नं. 7/82-83—यतः मृभ्हे, एस. गोविन्द राजन,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे म इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-इ० से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि सर्वेनं. 28/4 है, तथाजो तीरुमल गीरी, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मारडेपल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 क 16) के अभीन, तारीख सितम्बर, 1981 के को पुर्वोक्स सम्पत्ति उचित बाजार मुख्य कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित गई है और मुझे यह विश्वास करने का है कि प्रवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उवित बानार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य व उत्तर अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से दुईं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और[†]या
- (क) एसी किसी अध्य या किसी घन या अन्य आस्त्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री जी. बागा रेड्डी और अन्य, घर नं 3/54, तुरकपल्ली, बोलाराम, सल्लभनगर, रंगारेड्डी, जिला।
 - (अन्तरक)
- मैसर्स संजीवय्यानगर को . आंपरंटीव्ह हाउस बिल्डींग सोसायटी (टी. बी. सी. 55), सिकन्दराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेय:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की सारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी ग्रन्थ क्यकित द्वारा ग्राघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसम् प्रयुक्त शब्दा ग्रीर पदी का, जो उवत ग्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे नं 28/4, तीरज्ञमलगरी गांव, सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण 2419 चौ. गज, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं 2518/81 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी सिकन्दराबाद।

एस. गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, हीदराबाद

तारी**ब** : 14-4-1982

प्ररूप आर्हे.टी.एन.एस.------

आएकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 अप्रैल 1982

निर्देश सं. आर. ये. सी. नं. 8/82-83—यतः मुक्ते, एस. गोविन्द राजन,

अगयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि सर्वे नं. 28/4 है, तथा जो तीरुमल गीरी, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मारडेपल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीस सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके शश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमीं करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुनिधा के लिए।

- श्री जी. बागा रेड्डी और अन्य, घर नं. 3-54, तूरकपल्ली, बोलाराम, सल्लभनगर, रंगारेड्डी, जिला।
 - (अन्तरक)
- 2. मौसर्स संजीवय्यानगर को .-आपरोटीव्ह हाउस बिल्डींग सोसायटी (टी. बी. सी. 55), सिकन्वराक्षावः

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- व्याप्त किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

भूमि सर्वे नं 28/4, तीरत्मलगरी गांव, सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण 2420 चौ गज, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं 2507/81 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सिकन्दराबाद।

एस. गोविन्द <u>रा</u>जन सक्षम अधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, हैवराबाद

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :---

तारींच : 14-4-1982

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस.-----

आय कर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालुग्, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज ,हैदराबाद

हैंबराबाब, दिनांक 15 अप्रैल 1982

निद्धा नं. आर. ये. सी. नं. 9/82-83--यतः मुक्ते, एस. गोविन्द राजन,

म्रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीत सक्षप प्राधिकारी की, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रक्षिक है

और जिसकी सं. 3-4-1005/5/1 हैं, जो बरकतपूरा हैदराबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चौकडपल्ली में भारतीय राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1981

को पूर्वोवत संपत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है गीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यशापूर्वोवत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्ट्रह प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितयों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए, तय पाया गया प्रति- फल निम्नलिखन उद्देश्य से उक्षन भन्तरण लिखन में वास्तिवक स्म से कथिन नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उबत श्रिक्ष-नियम के श्रधीन कर देने के श्रग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रत्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रत्तिती झारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने पे सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 17—86GI/82

 श्री. पी. रघूरामा रेड्डी घर गं. 3-3-76, काचीगुडा, हैंदराबाद-500027।

(अन्सरक)

2. श्रीमिति संपती देवी सूतालिया, घर नं. 3-4-16, डा. भूमन्ना मार्ग, लिंगमपल्ली, हैदराबाद-500027।

(अन्तरिती)

को यह मूजना जारी करके पूर्वीवन सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करका हं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजरत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उचन स्थावर सम्पत्ति में द्वितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोद्वस्तावारी के पास लिखित में तिक्ष जा सकेंगे।

हाडहीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उम्त धिवियम के ब्रष्टयाय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वह: धर्ष होगा, जो उस ब्रष्टयाय में बिया गया है।

अनुसूची

घर की खुली जमीन नं. 3-4-1005/5/1, बरकतपूरा, हैदराबाद-27, विस्तीर्ण 265 जो. गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 794/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चीकडपल्ली।

> एस. गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, होदराबाद

तारीम : 15-4-1982

प्ररूप आहु .टी.एन.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निर्देक्षण) अर्जन रंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 15 अप्रैल 1982

निदोध नं. आर. ये. सी. नं. 10/82-83--- यतः भ्रुके, एस. गोविन्द राजन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार सल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं 3-4-1005/5/1 है, जो बरक्तपूरा और जिसकी सं. हैवराशाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप सेवर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी केकार्यालय चीकडपल्ली मे भारतीय राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीलि सितम्बर 19, 1981 को। पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक

रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दािष्टित में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिबों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बाधन-कर अधिनियम, बाधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब. उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण आहें, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

- श्री पी. वेनुगोपाल रेड्डी घर नं. 3-3-76, काचीगुडा, हैदराबाद-500027।
 (अन्तरक)
- श्रीमित शृशीला देवी सुतालिया घर नं . 3-4-16, डा. भूभनना मार्ग, लिंग्मपल्ली, हैदराबाद-500027।
 अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित स किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त कार्व्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभुसूची

घर की खुली जमीन नं. 3-4-1005/5/1, बरकतपूरा, हैदराबाद-27, विस्तीर्ण 265 घी. गज र जिस्ट्रीकृत विलेख नं. 787/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चीकडपल्ली।

एस. गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रंज, हैदराबाद

ता्रीख : 15-4-1982

प्रस्प बाइं.टी.एन्.एस्.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज ,होदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 अप्रैल 1982

निद्देश नं. आर. ये. सी. नं. 11/82-83--यतः मुभ्ने, एस. गोविन्द राजन,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा एया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका अधित बाजार मृन्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि सर्वे नं. 137/1 है जो 5 मंकेसर बाफार है दराबाद में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यान्य, है दराबाद में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 सितम्बर, 1981

(1908 का 16) के अधान 19 सितम्बर, 1981 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निर्मिखत में वार्यविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ल की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 डा. सी. नरिसम्हा रोड्डी पिक्षा श्रीनीवास रोड्डी 17-1-410, संकोसर बाभार, हौदराबाद।

(अन्तरक)

2. मेंस्सं श्री तीरुमला को. आपरोटीव्ह हाउँ सिंग सांसायटी, वाइ एम. उन्नायती रेड्डी पिता एम. चंदारेड्डी, घर नं. स्पेशल 'सी' सी. आइ. बी., क्वार्टर नं. 73, पूराना म्लकपंट, हैंदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबब्ध सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो मी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्युष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों आर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अपुसूची

भूमि सर्वे नं. 137/1 से 5 विस्तीर्ण 3 एकर 4.5 गूंठे संकेसर बाभार, साइदाबाद हीवराबाद। रिषस्ट्रीकृत विलेख नं. 5551/81 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हीवराबाद।

> एस. गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॅज, हैदराबाद

तारीय: 15-4-1982

भांहर :

प्रकप धार्ष० हो। एत। एस०--

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रंज ,हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 अप्रैल 1982

निद्देश नं. आर. ये. सी. नं. 12/82-83---यतः मुक्ते, एस. गोविन्द राजन,

मायकर श्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिविनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रिवीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित काजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रीविक है

और जिसकी सं. भूमि हैं, जो संकेसर बाभार, हैं दराबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित हैं), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैंदराबाद में भारतीय राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1981

16) के अधान सितम्बर, 1981 को पूर्वाकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ष्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उध्यमान प्रतिफल से, एसे उध्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) ध्रम्तरण से दुई किसी भाय भी बाबत, उनत सिंधिनियम के श्रधीन कर देने के ध्रम्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे वश्यने में सुविधा के लिए। धीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रस्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त प्रधिनियम. या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया या किया जाना चाहिए या, स्थिताने में सुविधा के लिए।

श्रतः ग्रव उक्त श्रधिनियम की घारा 269-ग के अगुसरण में, में, उक्त श्रिवनियम की घारा 269-म की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:—— श्री सी. रामा रेड्डी पिता श्रीनिवास रेड्डी,
 17-1-410, संकेसर बाकार, हैंदराबाद।

(अन्तरक)

2. मेस्स श्री तीरामला को. आपरोटीव्ह हाउनिसंग सोसायटी, बाइ एम. उत्मापती रोड्डी पिता एम. चंदारोड्डी, घर नं. स्पेशल 'सी' सी. आइ. बी., क्वार्टर नं. 73, पूराना मलकपेट, हैंचराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के गर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल के 20 दिन की अविध, ओं भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभावित हैं. वहीं अर्थ होगा, जो उप ग्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि सर्वो नं. 137/1, 137/2, 173/5 विस्तीर्ण 8 एकर, मंकेंसर बाफार, सइदाबाद, हैदराबाद। रिजस्ट्री-कृत विलेख नं. 5514/81 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदरा-बाद।

एसः गोविन्द राजन सक्षम प्रापिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज, हैंदराबाद

ता्रीस : 15-4-1982

प्रस्प बाई. टी. एन. एस.-----

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म(1) के घडीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 अप्रैल 1982

निद्या नं. आर. ये. सी. नं. 13/82-83—यतः मुफे, एस. गोविन्द राजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारों को, यह निश्नास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उन्ति बाजार मूल्य 25,000/- ६० से सांघक है और जिसकी सं. भूमि सबं नं. 137/1, 137/2, 137/3 संकैसर बाफार में स्थित है और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्णस्प से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकिष्टी अधिकारी के कार्या-

लय, हैदराबाद में भारतीय र जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर, 1981 की पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पूर्यमान प्रतिक्षत के लिए यन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके पूर्यमान प्रतिक्ष से ऐसे दृश्यमान प्रतिक्ष का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और मन्तरक (प्रन्तरकों) और झन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-

रूप से कथिय नहीं किया गया है।---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त अधि-नियम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों की, जिन्स मारतीय आयकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा के लिए;

क्षतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के अनुसरण में; में उक्त अधिनियम की धारा 265 क्ष की उपधारा (1) के बिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों. श्रथीत्:—

- डा. सी. नरसीम्हा रड्डी पिता श्रीनिवास रड्डी 17-1-410, संकोसर बाभार, हैदराबाद । (अन्तरक)
- 2. मेस्स श्री तीरतमला को आपरोटीव्ह हाउतिमंग सांसायटी, बाइ एम उत्मापती रोड्डी पिता एम बंदारोड्डी, घर नं स्पंशल 'सी' सी आइ. बी , क्वार्टर नं 73, पूराना मलकपेट, हैं दराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत भम्यति के प्रजन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उस्त सम्यत्ति के प्रजॅन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर पूचन को तामील मे 3.0 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवड़ किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पाप लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टी करण: --इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रीर पदी का, जी उक्त ग्राधिनियम के श्रद्धाय 20-क में परिभाषित है वहीं श्रर्थ होगा जो उस ग्रद्ध्याय में दिया ग्राह्म है।

अनुसूची

भूमि सर्वे नं 137/1/137/2, 137/5 विरतीर्ण 9 एकर, 38 गृंठो, सकेंगर वाभार सहदादवाद, हैदराबाद। रिजस्ट्रीकृत विलख् नं 5513/81 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एस. गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रजे, हैंदराबाव

तारीख : 15-4-1982

प्ररूप बाद्दै .टी .एन् .एस् .-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-म (1) के स्थीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रंज, हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 अप्रैल 1982

निदोध नं. आर. ये. सी. नं. 14/82-83---यतः मूर्फे, एस. गोविन्द राजन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- हा से अधिक है

और जिसकी सं. 5-7-624/6 है, जो खलीलवाडी निजामाबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णस्प संविधात हैं), राजिस्ट्रीकर्मा अधिकारी के कार्यालय निभामाबाद में भारतीय राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1981

को पूर्वीक्त संपित्त का उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृषिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

 श्री एन : रामकील्ण रेड्डी पिता नरसीम्हा रेड्डी रामपूर गांव , तालुका और जीला निकामाबाद। (अन्तरक)

 श्रीमती रामस्वरी दवी पति रामनिवास बजाज घर नं. 7-1-82/1, रामगोपालिवधी, निभ्नामाबाद। (अन्त्रिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषा कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त द्यधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिल की इमारत का भाग एम. गं. 5-7-624/6, कलीलवाडी, निफामाबाद विस्तीर्ण भूमि 477.20 ची. गज। रिजस्ट्रीकृत विलेख नं. 4821/81 रिजस्ट्रीकृती अधिकारी निझामाबाद।

एस. गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) जुर्जन राज, हाँदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित्:—

ता्रीख : 15-4-1982



प्ररूप आई० टी० एत० एस०⊸→

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 अप्रैल 1982

निदेश नं. आर. ये. सी. नं. 15/82-83---यतः मुफ्ते, एस. गोविन्द राजन,

मायकर मधिनियम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् अक्त भधिनियमं कहा गया है), की धारा 269-वा के ब्राधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्तति, जिनक उचित बाहार मुख्य 25,000/- ए० से प्रधि ह है

और जिसकी सं 5-7-624/6 है, जो खलीलवाडी निभामालाद में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है), रुजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय निकामाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के नधीन सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान त्रसिफल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का खिनत बाजार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है भीर भग्तरक (मन्तरकों) म्रन्तरिती (भ्रम्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त जन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे, बचने में स्विधा के लिए; भौर/या
- (सा) ऐसी किसी आयया किसी धनया प्रस्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा याकियाजाना चाहिए वा, छिपान में स्विष्ठा के लिए:

मत: मब, जनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की बारा 269-त्र की उपधारा (1) े अभीन, निम्नतिष्ठित् व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. (1) श्री वही गंगा रोड्डी पिता माधवरोड्डी, वल-गेट गांव तालुक बीगल जिला निभामाबाद । (2) श्री एन. रामकीष्णारें डुडी पिता नरसीम्हा रोंडुंडी रामपुर गांव तालुक और जिला निभन्नगबाद । (अन्तरक)
- 2. श्रीमती स्त्रीला देवी बजाज पति बाल्कीशन बजाज घर नं. 7-1-82/1, रामगोपालविधी, निकामाबाद (अन्तरिती)

को यहस्चनाजारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख, से 45 दिन की ग्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मुचना की तामीन से 30 दिन की धवधि, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस मूचना के राजपदा में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य स्थक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पढडीकरग:--इसमें प्रयुक्त लग्दों श्रीर पदों का, जो उन्नत प्रधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिवाणित हैं, वही अर्थ होगा जो उस घडवाय में दिया गया है।

अमुसुची

दो मंजिल की इमारत का भाग एम. नं. 5-7-624/6, खलीलवाडी, निभ्नामाबाद विस्तीर्ण 157.36 खी. गज। रजी-स्ट्रोकृत विलेख नं. 4839/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी निझामाबाद।

> एस. गाँविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रॉज, हैवराबाद

तारील : 15-4-1982

प्ररूप माई० टी• एन• एस•---

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 15 अप्रैल 1982

निदोश नं. आर. ये. सी. नं. 16/82-83---यतः मुभ्हे, एस. गोविन्द राजन,

आयकर शिव्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन समाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू० से अधिक है

और जिसकों सं. 5-7-624/6 हो, जो खलीलवाड़ी निजामाबाद में स्थित हो (और इसमे उपानद्ध अनुमूची में और पूर्णरूप से विणित हो), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय निभामाबाद में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पूर्वमात प्रतिफल के लिए सन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत प्रश्चिक है और सन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (सन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निणिबित सदेश्य से उक्त अन्तरण निज्जित में बास्तविक रूप मे तथात नहीं किया गया है !--

- (क) अश्तरण से हुई किसो आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1923 (1922 का 11) या उपल प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रर्थात् :---

- 1. (1) श्री व्ही. साधव रोड्डी पिता रीमकाप्त केल्यार गाँव वासक कीलागुर रीमकाप्ता केल्यार
 - विलगोट गांव तालुक बीमगाल, निझामाब्रादे। (2) श्री एन्. रामक्रीष्णा रेड्डी पिता नरसीम्हा रेड्डी रामपुर गांव तालुक और जिला निझामाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री भगवानवास ब्जाज पिता रामनिवास बजाज घर नं. 7-1-82/1, रामगोपालविश्री, निझामा-बाद।

(अन्तरिती)

की य**ह सूचना जारी कर**के पूर्वोक्त सम्पति **के अर्थन** के लिए कार्य**काहियां कर**ता हूं।

एक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप !---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरणा इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,वही भर्ष होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

वनुसूची

दो मंजिल की इमारत का भाग एम. नं. 5-7-624/6, सलीलवाडी, निकामाबाद विस्तीर्ण भूमि 477.20 ची. गज। रिजस्ट्रीकृत विलेख नं. 4841/81 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी . निज्ञामाबाद।

एस. गो**विन्द** राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, हैदराबाद

तारीख : 15-4-1982

प्ररूप आई¹. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 अप्रैल 1982

निदेश नं. आर. ये. सी. नं. 17/82-83---यतः म्यूफे, एस. गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 5-7-624/6 है, जो खनीलवाडी निजामाबाद में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अन्मूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय निजामाबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अभिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1981

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपत्त के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य. उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के भिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिये; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत िमालिखित व्यक्तियों, अधीत :--

- (1) श्री एन रथूपती रडेडडी नरसिम्हा रडेडडी सीरनापच्ली गंव तालूक और निभामाबाद जिला
 - (2) श्री एन. रामकीर्ष्णा रेड्डी पिता नरसीम्हा रेड्डी रामपूर गांव तालुक और जिला निझामानाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शांता दीवी पारीख पति भवनलाल पारीख 7-2-4/4, गोंडाउजन रोड, निझामाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति ष्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिल की इमारत का भाग एम. नं 5-7-624/6, सलीलवाडी, निकामाबाद विस्तीर्ण 152 00 चौ. गज रिजस्ट्रीकृत विलेख नं 4840/81 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी निझामाबाद।

एस . गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^रज , हैदेराबाद

तारीख : 15-4-1982

प्ररूप आर्च. टी एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्मालय, सहायक आयक र आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, हौदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 21 अप्रैल 1982

निविश नं आर. थे. मी. नं 18/82-83--गतः म्फे, एस. गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

बौर जिसकी सं. 5-8-564, 570, 571, 572, अबीट्स है जो है दराबाद में स्थित है (और इसमें उपाब्दध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय है दराबाद में भारतीय रिजम्हीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1981

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितिक ल के लिए अन्तरित को गई है और मृश्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित दाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय या बादत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह³ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत:, अध, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की लपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्धात :--- 1. श्री हामीद आली सान पिता लेट श्री गुलाम हुमन खान बाइ जी. पी. ए. श्रीमित अफजलूनीसा बेगम पित लेट श्री गुलाम हुमर सान घर नं. 3-2-374, चप्पल-बाजार, काचीगडा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. (1) श्री भगवान दास लेट श्री नानूराम

(2) राजेशक मार पिता श्री ब्रीज मोहन

(3) कुमारी सीमागुप्ता पिता श्री बूजि मोहन

(4) मास्टर मनीशक मार पिता अनिजमोहन

(5) मास्टर संजीव कुमार पिता बूजिमोहन

(6) मास्टर अशीसकामार पिता ब्रीजमोहन

(7) मास्टर रजनीशकुमार पिता बृजिमोहन

(8) मास्टर अमीतक मार पिता हर्न नंतक मार

(9) कामारी राधीका राणी पिता हुनुसंसकामार, घर नं 21-2-104, चारकामान हुदैराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीदर पूर्वांक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁵, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ती एमं. नं. 5-8-564, 5-8-570, 5-8-571 और .5-8-572 आजूबाजू कोजमीन के साथ विस्तीर्ण 2256 चौ. गज, अबीट रोड, हैंदराबाद राजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 7321/81 राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैंदराबाद।

एस. गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, हैवराबाद

तारीख: 21-4-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. क्रान्स

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के सभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आगकार आयुक्त (निरीक्षण) हैदराबाद, दिनांक 26 अप्रैल 1982 अर्जन रोज, हैदराबाद

निदंश नं. आर. थ. सी. नं 198/82-83--यतः मूक्ते, एस. गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं प्लाट नं 41 है, जो आवर्ष नगर, हैवराबाव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्थान सिलस्वर 1981

कां पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कस, निम्निलिखित उख्वेष्य से उक्त अन्तरण निश्वित में बास्तिबृक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बृथ्ने में सृविधा के लिए; और/या
- (म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः अब, उत्कत अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

श्री एम . सुवरशनम पिता लेट वेंकट रामय्या जी . पी .।
 ए . श्री जी . राधाऋिष्णा पिता जी . नारायण सेट्टी आदर्श नगर , हैदराबाद ।

(अन्तरक)

 श्रीमित परमीला आनंद पिता श्री जी नारायण सेट्टी आदर्शन्गर, हैंदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों आरे पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 41, आदर्श नगर, हैंदराबाद, विस्तीर्ण 567.22 चौ. गज रिजस्ट्रीकृत विलेख नं. 5284/81 रिजस्ट्रीकृत अधिकारी हैंदराबाद।

एस. गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, हैवराबाद

तारीब : 26-4-1982

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 5th May 1982

SUBJECT: Summer Vacation 1982.

No. F.44/82-SCA(Genl.).—In pursuance of Rule 4 of Order II of the Supreme Court Rules, 1966 (as amended) the Hon'ble Chief Justice of India has directed that the Supreme Court will be closed for the Annual Summer Vacation from Monday May 10, 1982 to Sunday, July 18, 1982 (both days inclusive) and will reopen on Monday, July 19, 1002

Under Rule 6 of Order II of the Supreme Court Rules, 1966 (as amended), the Hon'ble Chief Justice of India has nominated Hon'ble Mr. Justice O. Chinnappa Reddy and Hon'ble Mr. Justice A. P. Sen to be vacation Judges to hear matters of an urgent nature, which under the above rules may be heard by a Judge sitting singly, during the period shown against their names below:

Hon'ble Mr. Justice O. Chinnappa Reddy from May 10 to June 13, 1982 (both days inclusive) Hon'ble Mr. Justice A. P. Sen from June 14 to July 18, 1982 (both days inclusive)

Hon'ble Mr. Justice O. Chinnappa Reddy will sit in the Court on Tuesdays, May 25 and June 8, 1982 and Hon'ble Mr. Justice A. P. Sen will sit in the Court on June 22 and July 6, 1982. Sitting will, however, continue on the next succeeding day(s) if matters fixed for any day are not finished on that day.

During Summer Vacation the Offices of the Court will remain open daily from 10.00 A.M. to 4.30 P.M. except on Saturdays, Holidays and Sundays. The Offices of the Court will however, remain open on Sautrday, July 17, 1982 from 10.30 A.M. to 1.30 P.M.

R. NARASIMHAN Registrar (Admn)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 20th April 1982

No. A.32015/1/80-Admn.II.—In continuation of this office Notification of even No. dated 8th January, 1982, the Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Shriday. R. D. Kshatriya, a permanent Research Assistant (R&S) and officiating Research Investigator in the office of Union Public Service Commission to officiate on ad-hoc basis as Junior Research Officer (R&S) in the Commission's office for a further period of 3 months with effect from 14-4-82 to 13-7-82 or until further orders, whichever is earlier vice Smt. Raj Kumari Anand, Junior Research Officer (R&S) on leave.

> P. S. RANA Section Officer for Secretary Union Public Service Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 20th April 1982

No. 2/20/82-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri Surjit Singh, a permanent Assistant of this Commission as Research Officer in an officiating capacity on ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 20-4-1982 to 29-5-1982 or until further orders, whichever is earlier.

> A. K. SANYAL Under Secretary (Admn.) for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.

(CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION)

New Delhi, the 11th May 1982

No. A-19021/7/82-AD-V.—The President is pleased to appoint Shr. K. K. Mandal, IPS (WB-1968) as Superintendent

of Police on deputation in the Central Bureau of Investiga-tion, Special Police Establishment with effect from the fore-noon of 23rd April, 1982.

No. A-19021/8/82-AD-V.—Consequent upon his repatriation from 1.7.D.C., New Delhi, the President is pleased to appoint Shri Swaran Singh, Dy. Supdt. of Police in the CBI/SPE to officiate as Assistant Director in the CBI/SPE in a temporary capacity with effect from the afternoon of 28th April, 1982 until further orders.

No. A-19021/9/82-AD-V.—The President is pleased to appoint Shri Konchak Chospail, Supdt of Police (an officer of the J&K State Cadre) as Superintendent of Police on deputation in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the afternoon of 26-4-1982.

No. A-19035/1/82-AD-V.—The Director/CBI and Inspector General of Police, Special Police Establishment is pleased to appoint Shri Uma Kant Sharma, Crime Assistant as Office Superintendent on ad-hoc basis in AD-II Section of CBI Head Officer with effect from 30-4-1982 (afternoon) to 18-6-1982.

No. A-22613/1/82-AD-V.--The Director/CBI and Inspector General of Police, Special Police Establishment is pleased to to appoint Shri T. Sudersana Rao, Crime Assistant as Office Superintendent CBI on promotion on ad-hoc basis in the CBI for a further period of 3 months from 1-5-1982 to 31-7-1982.

> R. S. NAGPAL Administrative Officer (E) Central Bureau of Investigation

DIRECTORATE GENERAL, C.R.P. FORCE

New Delhi-110066, the 3rd May 1982

No. O.II-42/78-Estt.—The President is pleased to appoint on deputation Shri B. N. Prasad an IPS officer of Bihar

Cadre, as IGP in the CRPF.

Shri Prasad took over charge of the post of IGP Sector-IV, CRPF, Shillong in the afternoon of 20th April, 1982.

A. K. SURI Assistant Director (Estt.)

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL . CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-19, the 27th April 1982

No. E-16013(1)/1/81-PERS.—On transfer on deputation, Shri H. P. Kumar, IPS (WB: 62) assumed the charge of the post of Dy. Inspector-General, CISF, Heavy Engineering Corporation Ltd., Ranchi with effect from the forenoon of 17th March 1982.

No. E-16013(2)/1/81-PERS.—On transfer on deputation Shri A. K. Abrol, IPS (WB: 72) assumed the charge of the post of Commandant, CISF Unit, MAMC Durgapur with effect from the afterneon of 2nd March, 1982, vice Shri Udayaveer, IPS, who relinquished the charge of the said post from the same date. from the same date.

No. E-16014(2)/4/81-PERS.—On transfer on deputation to U.P. Police, Shri Roshan Lal relinquished the charge of the post of Commandant, Trg. Reserve, CISF HQrs, New Delhi with effect from the afternoon of 23rd March 1982.

No. E-16016/6/81-PERS.—On transfer on deputation, Shri K. S. Dhingra assumed the charge of the post of Section Officer in the office of DG: CISF, New Delhi with effect from the forenoon of 1st April 1982.

No. E-38013(4)/19/81-PERS.—On transfer from Durgapur, Shri A. E. Mazumdar assumed the charge of the post of Asstt. Comdt, CISF Unit, FCI New Jalpaiguri, with effect from the afernoon of 8th February 1982 vice Shri K. P. Nayak who relinquished the charge of the said post from the same

No. E-38013(4)/31/81-PERS.--On transfer to Chandraof Asstt. Comdt, CISF Unit. NPPCL/NAGALAND with effect from the afternoon of 12th February 1982. He assumed the charge of the post of Asstt. Comdt., ISF Unit, CTPS Chandrapura with effect from the forenoon of 15th February 1982.

No. E-38013(4)/31/81-PEPS.—On transfer, Shri T. Nath relinquished the charge of the post of Asstt. Comdt., CISF Unit, A.S.P. Durgapur with effect from the forenoon of 1st March 1982 and assumed the charge of the post of Asstt. Comdt., CISF Unit, DTPS (D.V.C.) Durgapur on the same

No. E-38013(4)/1/82-PERS.—On reversion from H.M.T. Ltd., Bangalore, Shri Surender Mohan assumed the charge of the post of Asstt. Commandant, CISF Unit, V.P.T., Visakha-patnam with effect from the forenoon of 27th February

> SURENDRA NATH Director General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA New Dellai, the 5th May 1982

No. 7/2/81-Ad.1—The President is pleased to appoint the under-mentioned officers as Assistant Director of Census Operations in the office of the Registrat General, India, New Delhi, in a substantive capacity, with effect from the date as mentioned against each:-

 Shri S. K. Majumdar 			13-9-1980
2. Shri B. D. Sharma			13-9-1980
Shri S. K. Pathak			13-9-1980
4. Shri K. V. Ramaswamy			26-7-1981

P. PADMANABHA Registrar General, India

MINISTRY OF FINANCE

DEPARTMENT OF REVENUE

OFFICE OF THE CUSTOMS, EXCISE AND GOLD CONTROL APPELLATE TRIBUNAL

New Delhi, the 5th May 1982

F. No. 6(4)/CEGAT/82.—Shri N. Sowrirajan lately working as Administrative Officer in the Customs House, Madras, assumed charge as Assistant Registrar, Customs, Excise and Gold Control Appellete Tribunal, Madras Bench in the forenoon of 12th April 1982.

> R. N. SEHGAL Registrar

DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS BANK NOTE PRESS

Dowas, the 1st May 1982

F. No. BNP/5/82,-Shri A. L. Datar permanent Deputy Works Engineer (Civil) is appointed to officiate as Assistant Engineer (Civil) in the Bank Note Press, Dewas in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 (Group 'B' Gazetted) with effect from 29th April 1982 (FN) until further orders.

> M. V. CHAR General Manager

INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 2nd May 1982

No. 209 A.—The undersigned hereby appoints Shri M. S. Pandey, Inspector Control (Class III—Non-Gazetted), India Security Press, Nasik Road, to officiate as Deputy Control Officer (Class II—Gazetted) in India Security Press, Nasik Road, on ad hoc basis with effect from 20th April 1982 to 19th October 1982 in the revised scale of rev Ro. 650, 30 19th October 1982. in the revised scale of pay Rs. 650—30— 740 — 35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40 — 1200 in the vacancy caused due to ad hoc promotion of Shri G. Narayansami as Administrative Officer on deputation basis.

> P. S. SHIVARAM General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I, GUJARAT

Ahmedabad, 380001, the 5th May 1982

No. Estt.(A)/GOI/165(A).—The Accountant General-I, Gujarat, Ahmedabad is pleased to appoint the following permanent members of the Subordinate Accounts Service to officiate as Accounts Officers in the Office shown against each with effect from 2-4-82 (F.N.) until further orders :

1. Shri R. C. Jain 2. Shri M.V. Ramachandran 3. Shri U.A. Bhatt (PROFORMA) 4. Shri P.L. Trivedi Ahmedabad office Ahmedabad office Ahmedabad office Rajkot office Shri E.M. Gopalan
 Shri P. B. Shah
 Shri P.S. Parmar Rajkot office Ahmedabad office Ahmedabad office 8. Shri M. S. Makwana Ahmedabad office

The above promotions have been made on ad-hoc basis and subject to the final orders of the Gujarat High Court in the Special Civil Application No. 735 of 1980.

C. V. AVADHANI Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL MAHARASHTRA-I

Bombay-400 020, the 30th April 1982

No. Admn,I/GenI/31-Vol,III|C-1(1)|2.—The Accountant General, Maharashtra-I, Bombay is pleased to appoint Shri G. N. Gaikwad, Section Officer (Audit and Accounts) to officiate as Accounts Officer from 20th April 1982 (FN) until further orders.

> S. R. SAPRA Sr. Dy. Accountant General/Admn.

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I,

TAMILNADU

The 1st April 1982

No. A.G.I. Estt. I/GB | 82-83 | 892.—Shri T. S. Balassubramaniam (Date of Birth—25-8-1927) Accounts Official Office of the Accountant cer, Office of the Accountant General-I, Tamilnadu, Madras expired on 23-2-1982.

> C. SANKARA MENON Accountant General-I, Tamilnadu, Madras-18

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, JAMMU & KASHMIR

Siri Nagar, the 10th May 1982

No. Admn-1/60()/82-83/518522.—The Accountant General, Jammu and Kashmir has appointed Shri Soom Nath Wattal, a permanent Section Officer, to the post of Accounts Officer in scale 840—1200 in an officiating capacity with effect from the forenoon of 1st May 1982 till further orders.

MOHD. SHAFFI

Dv. Accountant General (Admn.) Defence Accounts Department, Office of the Controllre General of Defence Accounts

New Delhi-110066, the 6th May 1982

No. AN-11/2603/82-1.- The Controller General of Defence Accounts hereby appoints the under mentioned permanent Section Officer (Accounts) as Accounts Officers in the substantive capacity with effect from the forenoon of the dates shown against

S1. No	Name	Organisation where serving	Date of effect
S/Sł	nri hattacharjee	. Controller of Accounts	1-4-81
2. Soha	ın Ram .	(Fys) Calcutta CDA (Pensions) Allaha- bad	1-4-81
3. A.B.	Choudhury	. CDA (Air Force) Dehrædun.	1-4-81

1	2		3	4
4. V. P Na	arameswaran ir		Controller of Accounts (Fys) Calcutta,	1-4-81
5. R.P.	Nangia	-	CDA, Central Command, Meorat.	1-4-81
6. M oh	an Singh	٠	CDA, Western Command, Meerut.	1-6-81
7. R. S	ubramaniam		CDA (Officers) Poona	1-4-81

A. K. Ghosh Deputy Controller General of Defence Accounts (Admns.)

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 10th May 1982

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 1/2/82-ADMN(G)2929.—The President is pleased to appoint Chri J. K. Mathur, (CSS Grade I Select List-1980) to officiate in Grade I of the CSS and as Deputy Chief Controller of Imports and Exports in this office for a period of three months with effect from 1st February 1982 (FN).

V. SESHAN Joint Chief Controller of Imports & Exports

New Delhi, the 30th April 1982

No. 6/571/59-ADMN(G)2769.—On attaining the age of superannuation, Shri A. N. Kaul an officiating Deputy Chief Controller of Imports and Exports in this office has been permitted to retire from Government service with effect from the afternoon of the 31st January 1982.

J. K. MATHUR Dy. Chief Controller of Imports and Exports for Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF INDUSTRY DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi-110011, the 26th April 1982

No. 12(750)/72-Admn.(G).—Consequent on his Deputation with the Orissa Industrial and Technical Consultancy Organisation Ltd., Bhubaneswar, as Senior Consultant (Tech.) Shri Λ . Rama Rao, relinquished charge of the post of Deputy Director (Met.) at Small Industries Service Institute, Cuttack on the afternoon of 31st March 1982.

No. A-19018(363)/78-Admn.(G).—On attaining the age of superannuation Shri S. K. Dasgupta, Director (Gr. II) (EI) in the office of the Development Commissioner (SSI) relinquished charge of the post on the afternoon of 30th November 1981.

C. C. ROY Dy. Director (Admn.)

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 30th April 1982

No. E-11(7).—In this Department's Notification No. E-11 (7) dated the 11th July 1969, Under Class 2—Nitrate Mixture:

(1) in the entry "GAMMADYNE" for the figures "31-3-82" the figures "31-3-83" shall be substituted.

- (2) in the entry "MONOEX" for the figures "1982" the figures "1983" shall be substituted.
- (3) in the entry "PE-1-AE" for the figures "1982" the figures "1983" shall be substituted.
- (4) in the entry "PE-51, PE-IAS and PE-32" for the figures "31-3-82" the figures "31-3-83" shall be substituted.
- (5) in the entry "PULVEREX" for the figures "1982" the figures "1983" shall be substituted and
- (6) in the entry "ZEETADYNE" for the figures "31-3-82" the figure "31-3-83" shall be substituted.

CHARANJIT LAL Chief Controller of Explosives

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 30th April 1982

No. A-1/1(533).—Shri R. Ramakrishnan, permanent Junior Progress Officer and officiating Assistant Director (Grade II) in this Directorate General has retired on 30-4-82 (AN) on attaining the age of superannuation.

MUKUL ROY
Dy. Director (Administration)
for Director General of Supplies and Disposals

New Delhi-1, the 3rd May 1982

No. A-1/1(1045).—Shri Ram Kishan, Assistant Director (Grado II) in the office of the DGS&D, New Delhi has been reverted to the non-gazetted post of Junior Progress Officer with effect from the forenoon of 27-3-82.

G. L. KAPOOR
Dy. Director (Adını.)
for Director General of Supplies and Disposals

MINISTRY OF STEEL AND MINES DEPARTMENT OF MINES INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 5th May 1982

No. A.19011(52)/77-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri J. Parthasarthy, Permanent Senior Mining Geologist, Indian Bureau of Mines, has been promoted to the post of Regional Mining Geologist in Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 18-2-82.

No. A 19011(156)/78-Estt. A.—On his deputation to the Planning Commission as Deputy Adviser (Minerals), Shri S. V. Ali, Permanent Deputy Controller of Mines, Indian Bureau of Mines has relinquished the charge of the post of Deputy Controller of Mines in Indian Bureau of Mines on the afternoon of 16th November, 1981.

B. C. MISHRA Head of Office Indian Bureau of Mines

SURVEY OF INDIA SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Deluradun the 3rd May 1982

No. C-5810/707.—The undermentioned officers are appointed to officiate as Officer Surveyor (Group 'B' post), Survey of India in the sale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-

1000-EB-40-1200 with effect from the date as shown against each, purely on adhor provisional basis:-

purely on adhor provision	ai pasis:-	
Sl. Name and No. Designation	Unit/Office	With effect from
1. Shri Ram Sharma, . Draftsman Div. 1 Sel. Gd.	No. 94 (AM) Party (Surair), New Delhi.	1-2-1982
2. Shri Gyan Singh Rawat, Survey Assistant Sel. Gd.	No. 90 Party (NC), Dehra Dun.	17-2-1982 (FN)
3. Shri Saligram Mam- gain, Draftsman Div. l Sel. Gd.	No. 16 D.O. (MP), Dehra Dun,	1-2-1982 (FN)
 Shri A. Felix, Draftsman Div, I Sel. Gd. 	No. 4 D.O. (SC), Bangalore.	2-2-1982 (FN)
 Shri Chetan Prakash Verma, Draftsman, Div. I Sel. Gd. 	No. 1 D.O. (MP), Dehra Dun.	30-1-1982 (FN)
 Shri M.H. Francis, Survey Assistant Sel. Gd, 	No. 24 Party (SC), Bangalore.	2-2-1982 (FN)
7. Shri S.P. Juyal, Survey Assistant Sel. Gd,	No. 65 (TCM) Party (Sursir), New Delhi.	1-3-1982 (FN)
8. Shri J.B. Bahuguna, Survey Assistant Sel. Gd.	No. 64 (AHS) Party (Surair), New Delhi.	1-3-1982
 Shri Prayash Kumar Pal Survey Assistant Sel. Gd. 	No. 14 D.O. (EC), Calcutta	6-2-1982 (FN)
 Shri Mahabir Prasad Survey Assistant Sel. Gd. 	, No. 33 Party (NC), Dehra Dun.	17-2-1982 (FN)
 Shri K.S. Bhatnagar, Survey Assistant Sel. Gd, 	No. 50 Party (PMP), Hyderabad.	1-2-1982 (FN)
12. Shri J.R. krishna Survey Assignant Sel. Gd.	a, No. 39 Party (STI), Hyderabad	1-2-1982 (FN)
13. Shri P.R. George, Survey Assistant Sel. Gd.	No. 40 Party (SC), Bangalore.	2-2-1982 (FN)
14. Shri Ranjit k Mitra, Survey Assistan Sel. Gd.	No. 63 Party (EC),	6-2-1982 (FN)
15. Shri Y.A. Sharief, Srvey Assistant Sel. Gd.	No. 24 Party (SC), Bangalore.	2-2-1982 (FN)

G. C. AGARWAL Major General, Surveyor General of India

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 3rd May 1982

No. 4/4/82-SII.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Smt. Suman Srivastava, Hindi Lecturer, Department of Official Languages as Hindi Officer on deputation in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—880—40—1000—EB—1200/- on ad hoc basis with effect from 15-4-1982 (F.N.) in the office of News Services Division, All India Radio, New Delhi.

S. V. SESHADRI Deputy Director Administration for Director General

New Delni-1, the 5th May 1982

No. 4(121)/75-SI.—Shri S. M. M. Rizvi, Programme Executive All India Radio, resigned from Government

service with effect from the afternoon of 11th February, 1982.

The 10th May 1982

No. 4(88)/80-SI.---The Director General, All India Radio. hereby appoints Shri L.Ch. Sailo as Programme Executive, All India Radio, Shillong in a temporary capacity with effect from the 7th April, 1982 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/-.

No. 4(32)/81-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Digambar Kolbaji Pimpalghare as Programme Executive, All India Radio, Ratnagiri in a temporary capacity with effect from the 9th February, 1982 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—FB—35—880—40—1000— EB—40—1200/-.

No. 4(46)/81-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Rafiq Rnaz as Programme Executive at Radio Kashmir, Srinagar in a temporary capacity with effect from the 8th March, 1982 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/-.

No. 4(61)/81-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Smt. Nandita Dwivedi as Programme Executive, All India Radio, Allahabad in a temporary capacity with effect from the 4th March, 1982 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/-.

Dy. Director of Administration for Director General

New Delhi, the 10th May 1982

No. 10/59/80-SIII.—Consequent upon his selection for appointment as Group 'A' Officer in Indian Railway Scrvice of Signal Engineers, Shri P. L. Baranwal, Asstt. Engineer office of the Research Engineer, A.I.R., New Delhl has been relieved of his duties in the A.I.R. w.e.f. the afternoon of 26-3-1982.

C. L. BHASIN
Deputy Director Administration
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING FILMS DIVISION

Bombay-400 026, the 28th April 1982

CORRIGENDUM

No. A.24013/6/80-E(I).—In partial modification of this office notification of even No. dt. 23-10-1981 the date on which Shri S. A. Naik assumed charge of the post of Branch Manager may please be read as 30-10-1981 and not as 23-10-1981 as mentioned therein.

The 1st May 1982

No. 17/51/49-Est. I.—The Chief Producer, Films Division, Bombay hereby appoints Shri S. Venkatachalam, Officiating Salesman to Officiate as Branch Manager, on ad hoc basis in the scale of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960/- with effect from 13th April, 1982 to 30th June, 1982 against a newly created post sanctioned by the Ministry of Information and Broadcasting for the Branch at Madural. He is temporarily posted at Madras.

S. K. ROY Administrative Officer for Chief Producer

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 31st March 1982

No. A. 31014/1/79-CGHS I (Pt.).—The Director General of Health Services is pleased to appoint the following Unani Physicians working in the Central Govt. Health Scheme under

the Directorate General of Health Services in a substantive capacity with effect from the date indicated against each:

SI. No.	Name of Doctor			Date of confir- mation
1. H	akim Syeda Fatima .		 	11-11-1978
	r. (Mrs.) Aliya A-man			18-8 - 1979
	ohd, Kutubuddin Farro	ipe		19-1-1982
	ohd, Ilyas Khan .			19-1-1982

No. A.31014/3/82-CGHS I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint the following Homocopathic Physician working in the Central Government Health Scheme under the Directorate General of Health Services in a substantive capacity with effect from the date indicated against each.

S. No.	Name of Doct	or			Date of confir- mation
1. Dr.	P. K. Koyal				12-1-1982
2. Dr.	(Mrs.) Indu Atya		-		12-1-1982
	T. K. Kuriakose				12-1-1982
	A. K. Dey				12-1-1982
	K. L. Jana .				12-1-1982
6. Dr.	C.P. Vichitra .				12-1-1982
	J. K. Asthana .				12-1-1982
8. Dr.	(Smt.) M. Ahluwalia				12-1-1982
9. Dr.	(Miss) Chanda Joshi				12-1-1982
	R. K. Mishra				12-1-1982
11, Dr	(Smt.) Kusum Dutta				12-1-1982
12. Dr.	(Miss) Vijav Lakshmi				12-1-1982
13. Dr.	Sudershan Singh				12-1-1982
14. Dr.	N. R. Nair		-		12-1-1982
15. Dr.	A.R. Das				12-1-1982
16. Dr.	(Mrs.) Uma Gupta	-			12-1-1982
	B.S. Hatta				12-1-1982
18. Dr.	(Smt.) Padmani Das				12-1-1982
19. Dr.	(Smt.) Malina Prasad				12-1-1982
20. Dr.	(Smt.) A. George				12-1-1982
21. Dr.	(Miss) Baljit Kalsi		•		12-1-1982
22. Dr.	(Mrs.) P.S. Datye				19-1-1982
23. H.	C. Bansal .				19-1-1982
24, Dr.	(Kum.) Amar Bir				20-1-1982
25. Dr.	(Kum.) Sujatha J.				20-1-1982
26. Dr	(Kum.) B.M. Roy		•		8-2-1982
27. Dr.	Nilakantha Dharua		•		8-2-1982
	Eswara Das .		-	•	8-2-1982
29. Dr.	K. R. Jadeja	1			8-2-1982
30. Dr	P. K. Rehni			-	8-2-1982
31. Dr.	Man Singh .	·		·	8-2-1982 - ——— - —

T.S. RAO Dy. Director Admn. (CGHS 1)

New Delhi, the 26th April 1982

No. A. 12026/36/80(HO) Admn. I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Inderjit Dhingra, Health Education Technician Grade I (S.W.), Central Health Education Bureau, Directorate General of Health Services to the post of Health Education Officer (Opthalmology) in the Directorate General of Health Services, on a purely ad hoc basis, with effect from the forenoon of 25th March, 1982 and until further orders.

No. A. 19019/3/80 (IIP)/Admn. 1.—On attaining the age of superannuation, Dr. J. Dasgupta, Assistant Professor of Biology, in the Jawaharlal Institute of Postgraduate Medical Education and Research, Pondicherry retired from Government service on the afternoon of the 28th February, 1982.

The 5th May 1982

F. No. A. 32013/2/81-NMEP. ADMN. I.—The President is pleased to appoint Dr. M. S. Dhatt, Assistant Director (Chemistry) to the post of Deputy Director (Legistics and Administration) in the National Malaria Eradication Programme, Dtc. Delhi, in a purely temperary capacity with effect from the forenoon of 12-2-1982 and until further orders.

T. C. JAIN Deputy Director Administration (O&M)

New Delhi, the 6th May 1982

No. A. 19012/2/82-S1.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri R. V. Rathod to the post of Assistant Depot Manager, Govt. Medical Store Depot, Bombay with effect from the forenoon of 14th April, 1982 on an ad hoc basis and until further orders.

SHIV DAYAL Deputy Director Administration (Stores)

INDIAN POSTS & TELEGRAPHS DEPARTMENT OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER : P&T :

CIVIL DIVISION

Bhubaneswar-751009, the 1st October 1981

FORM X

No. CDB/PF/UKS/1.—Notice of termination of service issued under rule 5(1) of the Central Civil Services (Temporary Service) Rules, 1965.

In pursuance of Sub-rule (1) of Rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Services) Rules, 1965, I Shri—B. N. Ghosal, Executive Engineer, P&T Civil Division, Bhubaneswar-751009, hereby give notice to Shri Uma Kanta Sharma, Belder, P&T Civil Sub-Division, Bhubaneswar that his services shall stand terminated with effect from date of expiry of a peroid of one month from the date of which this notice is served ou, or as the case may be tendered to him.

Signature of the appointing authority

То

Shri Uma Kanta Sharma, P-4, Shyangjasimal Bhangja, Nepal.

ACKNOWLEDGEMENT

I hereby acknowledge the receipt on this day of the notice of termination from service.

Signature of the Individual

MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 5th May 1982

No. A. 19023/9/81-A. III.—The ad hoc appointment of Shri N. J. Pillai to the post of Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Bombay has been extended upto 30-6-1982 or till the post is filled up on regular basis, which ever is earlier

G. S. SHUKLA Agricultural Marketing Adviser to the Govt. of India

CORRIGENDUM

No. A-19025/23/81-A. III.—The date of regular appointment as Assistant Marketing Officer of Shri D. B. Bhardwaj may be read as '15-3-1982 (F.N.)' in place of '12-3-1982 (F.N.)'.

No. A. 19025/3/82-A. III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri M. Hari Prasad has been appointed to officiate as Asstt. Marketing Officer

7199

(Group I) in this Directorate at Nagpur w.e.f. 5-4-1982 (F.N.) until further orders.

G. S. SHUKLA Agricultural Marketing Adviser

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

Bombay-85, the 29th April 1982

No, Ref. PA/76(3)80-R-III(I) dated March 3, 1982.—The officiating appointment of Shri Trikkur Krishna Iyer Rajappan as Assistant Accounts Officer from February 9, 1982 (FN) is restricted upto March 31, 1982 (AN).

A. N. KATTI Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY POWER PROJECTS FNGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 22nd April 1982

No. PPED/3(283)/82-Estt. I/5641.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri P. Vasu, a permanent Upper Division Clerk of BARC and officiating Assistant Accountant in this Division as Assistant Accounts Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of March 22, 1982 until further orders vice Shri M. S. M. Iqbal, Assistant Accounts Officer proceeded on leave.

R. V. BAJPAl General Administrative Officer

NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Bulandshehr, the 4th May 1982

No. NAPP/Adm/26(1)/82-S/6135,—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri Prem Prakash, a permanent Superintendent and officiating Assistant Personnel Officer to officiate as Administrative Officer on an ad hoc basis in the scale of pay Rs. 840—40—1000—EB—1200/- in the Narora Atomic Power Project, vice Shri A. D. Bhatia, Administrative Officer appointed to officiate as Administrative Officer-III on ad hoc basis with effect from 5-3-1982 to 5-4-1982.

No. NAPP/Adm/26(1) 82-S/6137.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri Om Prakash, a permanent Upper Division Clerk and officiating Selection Grade Clerk to officiate as Assistant Personnel Officer on ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960/- in the Narora Atomic Power Project vice Shri Prem Prakash, Assistant Personnel Officer appointed to officiate as Administrative Officer-II on ad hoc basis with effect from 5-3-1982 until further orders.

A. D. BHATIA Administrative Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

April 17, 1982

No. PAR/0704/1048.—The Chief Executive, Nuclear Complex appoints Shri P. Venkata Rao, UDC to on as Assistant Personnel Officer on ad hoc basis, against a leave vacancy in Nuclear Fuel Complex from 13-4-1982 to 15-5-1982, or until further orders, whichever is earlier.

The 28th April 1982

No. NFC:PAR:0705:1089.—Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri C. R. Prabhakaran, Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer on ad hoc basis in the Nuclear Fuel Complex, for the period from 23-1-1982 to 17-3-1982 against leave vacancy.

P. GOPALAN Administrative Officer

MADRAS ATOMIC POWER PROJECT

Kalp 1.kam-603101, the 29th April 1982

No. MAPP/18(123)/82-Rectt./5651—The Project Director, Madras Atomic Po wer Project is pleased to appoint the following officials of this Project to the grade mentioned against each, in the same Project, in a temoporary capacity with effect from the forenoon of Febrary, 1, 1982 until further orders:

Sl. Name No.	Present grade	Grade to which appointed
S/Shri. 1. K.I. John 2. S. Srinivasan 3. P. Delhi Durei	. Scientific Assistant 'C' . Do Tradesman (B)	Scientific Officer/ Engineer 'SB' Do. Do.

R.P. HARAN Administrative Officer

ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-16, the 5th May 1982

No. AMD-16(3)/82-Rectt.—Director, Atomic Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri V. D. Choudhary, a permanent Assistant Accountant and officiating Assistant Accounts Officer, Atomic Minerals Division to officiate as Accounts Officer-II in the same Division on an add hoc basis for a peroid of 34 days with effect from the forenoon of May 3, 1982 to fune 5, 1982 vice Shri K. P. Sekharan, Accounts Officer-II, proceeded on leave.

No. AMD-16/3/82-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri P.O. Karunakaran, a permanent Senior Stenographer and officiating Stenographer Grade III, Atomic Minerals Division to officiate as Assistant Personnel Officer in the Source Shri T. S. Narayanan. Assistant Personnel Officer proceeded on leave.

No. AMD-16(3)/82-Rectt.—Director. Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Smt. Saraswathi Venkatachalam. officiating Assistant Accountant, Atomic Minerals Division, to officiate as Assistant Accounts Officer in the same Division on an ad hoc basis for a period of 34 days with effect from the forenoon of May 3, 1982 to June 5, 1982 vice Shri V. D. Choudhary, Assistant Accounts Officer promoted as Accounts Officer-II.

No. AMD-16(3)/82-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri J. K. Sharma, a permanent Upper Division Clerk and officiating Accountant, Atomic Minerals Division to officiate as Assistant Accounts Officer in the same Division on an ad hoc basis for a period of 34 days with effect from the forenoon of April 26, 1982 to May 29, 1982 vice Shri R. S. Gossain, Assistant Accounts Officer, proceeded on leave.

M. S. RAO
Sr. Administrative & Accounts Officer

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

TAPP, the 30th April 1982

ORDER

No. TAPS/2/521/67.—WHEREAS Shri Ujagar Singh Jolly, Tradesman (G), TAPS submitted a letter of resignation 28-1-1982, which was received in the Administration Section on 29-1-1982;

AN WHEREAS Shri Jolly absented from duty from 13-3-1982 and sent an application dated 15-3-1982 for leave for 28 days from 13-3-1982 to 8-4-1982 with permission to suffix 9th, 10th & 11th April 1982 to the leave, showing Delhi in the column relating to leave address;

AND WHEREAS a letter dated 24-3-1982 was sent to his permanent address at Delhi advising him to report for duty on 12-4-1982, pending acceptance of his resignation;

AND WHEREAS the letter dated 24-3-1982 was returned by the postal authorities undelivered;

AND WHEREAS Shri Jolly failed to report for duty on 12-4-1982:

AND WHEREAS a letter was sent to his permanent address at Delhi and also to his last known local address on April 13, 1982 by registered A.D. advising him to report for duty forthwith;

AND WHEREAS the letter dated 13-4-1982 sent to Shri Jolly by Regd. A.D. to his permanent address at Delhi and also to his last known local address was returned by the postal authorities from both the destination with the remark that the addressee is not available;

AND WHEREAS the said Shri Jolly has been guilty of remaining unauthorisedly, absent from duty from April 12, 1982 and voluntarily abandoning the service;

AND WHEREAS because of his abandoning the service without keeping the TAPS informed about his whereabouts, the undersigned is satisfied that it is not reasonably practicable to hold an inquiry as provided under Rule 14 of the CCS (CC&A) Rules, 1965;

NOW, THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred vide DAF Notification No. 22(1)/63-Adm. II dated 7th July 1979 dismisses the said Ujagar Singh Jolly from service with immediate effect.

K. P. RAO Chief Superintendent

Copy to: Jolly

- (1) Shri U.S. Jolly 33/R, Masjid Road Shiv Market P.O. Jangpura Bhoweal.

- New Delhi-14.

 (2) M.S./SME(M), TAPS
 (3) Accounts Officer-III, TAPS
 (4) APO(E), TAPS
 (5) Dy. Chief Security Officer, TAPS
 (6) CR Dossier of Shri U. S. Jolly, T'man(G).

Reactor Research Centre

Kalpakkam-603102, the 22nd April, 1982.

No. A 32014/4/82/4934.—The Director, Reactor Research Centre hereby appoints the undermentioned officials of this Centre as temporary Scientific Officers/Engineers Grade SB in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date shown against each and until further orders.

Sl. No.	Name	Present status	Date of appointment to the post of SO/Engineer Grade SB
1	2	3	4
S/S	Shri		
1. D	, B. Lakhole .	Permanent Draughtsman 'B' and officiating Draughtsman 'C'	1-2-82 FN
2. K	. Gurumurthy	Permanent Scientific Assistant 'B' and officiating Scientific Assistant 'C'	1-2-82 FN
3. G	.R. Raviprasan .	Permanent Scientific Assistant 'B' and officiating Scientific assistant 'C'	2-2-82 FN

1 2	3	4
4. P. T. Joseph .	Permanent Draughtsman	1-2-82
	'B' and officiating Draughtsman 'C'	FΝ
5. P. Sivaraman .	Quasi Permanent Foreman	1-2-82
		FN
6. D.K. Vasudovan	Quasi Permanent Foreman	1-2-82
		FN
7. R. Kumaresan	Quasi Permanent Assistant	1-2-82
	Foreman and officiating Foreman	FN
8. V. R. Raghuramas	u Quasi Permanent Foreman	1-2-82
•		FN
9. N. K. Jagadeesan	Quasi Permanent Scien-	1-2-82
-	tific Assistant 'B' of PPED and officiating Scientific Assistant 'C'	FN

S. PADMANABHAN Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 28th April, 1982

No. A. 32013/5/82-E.I.—In pursuance of decision taken by the Secretary, Ministry of Tourism and Civil Aviation, Shri R. P. Singh, Deputy Director of Air Safety is appointed as Director Training and Licensing on an ad hoc basis for a period of six months with effect from 20-4-1982 (FN).

The 30th April 1982

No. A. 32013/17/81-EI.—The President is pleased to appoint Shri V. Chandersekharan, Regional Director, Madras to the post of Deputy Director General in the Office of the Director General of Civil Aviation Headquarters on an ad hoc basis with effect from 26-4-1982 (forenoon) and upto 25-10-1982 or till the regular appointment is made, whichever in coalier. is carlier.

> S. GUPTA Deputy Director of Administration

New Delhi, the 30th April 1982

No. A.32013/10/80-EC.—In continuation of this Department's Notification No. A.32013/10/80-EC dated the 21st May, 81, the President is pleased to sanction the continuance of ad-hoc appointment of the following officers in the grade of Senior Communication Officer upto the period mentioned against each or till the regular appointments to the grade are made, whichever is earlier.

- S. No., Name, Station of position and Perlod upto S/Shri
- D. V. S. Dahiya, Aero. Comm. Stn., Calcutta— 30-3-82.
- 2. B. M. Barari, Aero. Comm. Stn., Calcutta-30-9-81.

J. C. GARG, Assistant Director (Admn.)

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 6th May 1982

No. 1/215/82-EST.—Shri S. C. Khanna, Chief Mechanician, New Delhi voluntarily retired from service with effect from the forenoon of the 15th April, 1982.

1/363/82-EST.—Shri Marcus Fernandes, Deputy Traffic Manager, Bombay retired from service, with effect from the afternoon of the 31st March, 1982, on attaining the age of superannuation,

No. 1/84/82-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri S. Tirkey, Supervisor, Calcutta as Deputy Traffic Manager, in an officiating capacity, in the same Branch, for the period from 28-2-82 to 13-3-82, against short-term vacancy, purely on ad hoc basis.

No. 1/344/82-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri A. K. Chatterjee, Supervisor, Calcutta Branch as Dy. Traffic Manager, in an officiating capacity, in the same Branch, for the period from 13-10-82 to 12-10-81 against short-term vacancy, purely on ad hoc basis.

H. L. MALHOTRA, Dy. Director (Admn.) for Director General

DIRECTORATE OF INSPECTION AND AUDIT CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 10th May 1982

No. 8/82.—Shri B. N. Dey lately posted as Superintendent Group 'B' in the Calcutta Collectorate, assumed charge of the post of Inspecting Officer Group 'B' in the East Regional Unit of the Directorate of Inspection and Audit, Customs and Central Excise at Calcutta w.e.f. 20-4-82 (Forenoon) vide Directorate letter C. No. 1041/2/81 dated 22-12-81.

S. B. SARKAR Director of Inspection

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110066, the 4th May 1982

No. A-19012/996/82-Estt.V—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri S. K. Malhotra, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engineering) on a purely temporary and ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 for a period of six months or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier, with effect from the afternoon of 19th April, 1982.

A. BHATTACHARYA Under Secy. Central Water Commission

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS . (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Effective Advertising Private Limited

New Delhi, the 26th April 1982

No. 6750/7216.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Effective Advertising Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

SATYENDER SINGH, Asstt. Registrar of Companies Delhi & Haryana

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Prabakara Kalaranga Private Limited

Bangalore, the 10th May 1982

No. 1842/560/8283.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956

that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s, Prabakara Kalaranga Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Registrar and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Jaybee Spares Private Limited

Bangalore, the 19th May 1982

No. 2335/560/82-83.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Jaybee Spares Private Lmited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

P. T. GAJWANI Asstt. Registrar of Companies Karnataka, Bangalore

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX New Delhi, the 28th April 1982

INCOME-TAX

No. JUR/DLI/Cs. 1.T./82-83/2425.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 123 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of other enabling powers in this behalf and in supersession of all previous notifications on the subject, the commissioners of Income-tax, Delhi-VII & VIII, New Delhi hereby direct that the Inspecting Assistant Commissioners of Income-tax of the Ranges mentioned in Column 1 of the schedule herein below shall perform all the functions of an Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax under the said Act in respect of such areas or of such persons or classes of persons or of such incomes or classes of income or of such cases or classes of cases as fall within the jurisdiction of the Income-tax Officers of the Districts/Circles mentioned in column 2 of the said Schedule.

SCHEDULE

Range

Income-tax Districts/Circles

DELHI VII CHARGE

1. Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Range-III-D, New Delhi.

Distt. III (19) to Distt. III(23) and Distt. III (27) New Delhi.

All wards of Distt. I, New Delhi All wards of Distt. IX, New Delhi All Wards of Distt. III-D, New Delhi.

DELHI: VIII CHARGE

 Inspecting Assistant Comissioner of Incometax, Range-II(1), New Delhi.

All Chartered Accountant Circles New Delhi.

All Lawyers Circles, New Delhi. All Doctors Circles, New Delhi. Distt. X(3), Distt. X(11) and spl. Cir. VI & X, New Delhi.

This notification will take effect w.e.f. 27th April, 1982

RANBIR CHANDRA

Commissioner of Income-Tax Delhi VII and VIII, New Delhi

New Delhi the 30th April, 1982

INCOME-TAX

F. No. JUR-DLI/III/8283/298/2831—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 123 of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other enabling powers in this behalf and in modification of earlier orders on the subject,

the commissioner of Income tax Delhi-III, New Delhi hereby directs that the Inspecting Assistant Commissioners of Incometax mentioned in column 1 of the Schedule herein below shall perform all the functions of an Inspecting Assistant Commissioner of Income tax under said Act in respect of such areas or such persons or classes of persons or of such income or classes or classes of income or of such cases or classes of cases as fall within the jurisdiction of the Income tax Officers of the Districts/ Circles mentioned in column 2 of the said Schedule:—

SCHEDULE

Range	Income tax Districts/ Circles
1	2
Inspecting Assistant Commis- 1. sioner of Income tax, Range IV-A New Delhi.	All wards in Distt. V, New-Delhi except Distt V(2) V(8), V(11) and V(12), New, Delhi.
2.	All wards Survey Circle-IV

Inspecting Assistant Commis- 1. All wards in Distt

sioner of Income-tax, Range, 1VB, N. Delhi.

All wards in Distt VIII New Delhi except Distt. VIII(12), VIII(13), VIII(13) Addl. and VIII(14) New Delhi

2 *

Inspecting Assistant Commissioner of income-tax, Company Range-I New Delhi.

- 1. Company Circle,-XfI, XIII and XXIII, New Delhi.
- 2. Distt. V(2), V(11) and V(12) New Delhi.
- 3. Distt. VIII(12), VIII (13) VIII(13) Addl. VIII(14), New Delhi.

This information shall take effect from 19-4-1982.

D. N. CHAUDHRI Commissioner of Income-tax Delhi III, New Delhi.

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 14th May 1982

Ref. No. CHD/115/81-82.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 1552, situated at Sector 34D, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

- Major Tara Chand Bedi S/o Shri Bishan Dass Bedi R/o A-3/192, Paschim Vihar, New Delhi-63.
- (Transferor)
 (2) Shri Joginder Singh Bawa S/o Shri Waryam Singh Bawa and Smt. Swaran Kaur Bawa W/o Shri Joginder Singh Bawa, R/o 1117, Sector 15B, Chandigarh.

 (Transferoe)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1552, Sec. 34D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 740, August 1981 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 14-5-1982

(Transferor)

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 14th May 1982

Ref. No. CHD/121/81-82.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 1582 situated at Sector 34D, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in August 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other, assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Lt. Col. Amrik Singh S/o Shri Kehar Singh, R/o M. P. Cellulose Pvt. Ltd. Gwalior-5 through his General Attorney Shri Nathaniel Mahi S/o Shri Rev Nur Mahi, R/o 1582, Sector 34D, Chandigarh.
- (2) Shri Jia Lal Jain S/o Shri Champat Lal Jain, R/o House No. 2503, Sector 35C, Chandigarh.
- (Transferee) (3) Shri Nirmal Singh Sohi S/o Shri Gurnam Singh, 1582, Sector 34D, Chandigarh. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1582, Sector 34D, Chandigarh, (The property as mentioned in the sale deed No. 792 of August 1981 of the Registering Authority, Chandigarh).

> SUKHDEV CHAND Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 14-5-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 14th May 1982

Ref. No. CHD/128/81-82.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House No. 1938, Sector 22B, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Chandigarh in August 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market vaue of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Saraswati Devi Wd/o Late Basheshar Dayal. R/o House No. 11/4. Pusa Road, New Delhi. (Transferor)
- (2) S/Shri Chander Mohan, Ravi Kant, Sudhir Mohan and Vijay Kumar, sons of Shri Ishar Dass, R/o House No. 1922, Sector 22B, Chandigarh.
- (3) M/s Apolo Property Dealers and M/S K. L. Chandla and Co., R/o 1938, Sector 22B, Chandigarh.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1938, Sector 22B, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 866 of August 81 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 14-5-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 14th May 1982

Ref. No. CHD/130/81-82.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 2500/- and bearing No.

Plot No. 3460, situated at Sector 35D, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the officer of the Registering Officer at New Delhi Chandigarh in August 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

- (1) Shri Himalya Ishwar Single S/o Shri Kishori Lal R/o 38/2072, Naiwala Karolbagh, New Delhi through his Special Power of Attorney Shri Chaman Lal Ghai S/o Shri Karta Ram, Draftsman, R/o 3460, Sector 35D, Chandigarh.
- Transferor) (2) Mrs. Susheel Kumari Ghai W/o Shri Chaman Lal Ghai, R/o 3460, Sector 35D, Chandigarh.

(Transferee).

(3) S/Shri Ram Kumar, Chander Bhan, Amolak Singh, Ramesh (Pandit) all residents of H. No. 3460, Sector 35D. Chandigarh.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3460, Sector 35D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 879 of August 1981 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 14-5-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 14th May 1982

Ref. No. CHD/132/81-82.—Whereas, J, SUKHDEV CHAND.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the (said Act') have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 684, situated at Sector 8B, Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in August 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the Transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Worlth-New Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
20-86GI/82

 S/Shri Manjit Bawa, Darshan Singh and Veena Virmani, through Shri Manjit Bawa R/o 684, Sector 8B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Kusum Parbha Datt and Miss Nirupama Datt, R/o 1242, Sector 34C, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The perms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 684, Sector 8B, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 909 of August 1981 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 14-5-1982

 $\mathbf{Scal} :$

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 4th May 1982

Ref. No. KHR/12/81-82.—Whereas I, SUKHDEV CHAND

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the campetent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

H. No. 1111, Phase 5, situated at Mohali,

(and more fully desribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the officer of the Registering Officer at

Kharar in September 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

- Shri Arvinder Singh S/o Shri Shadi Singh r/o H. No. 1111, Phase 5, Mohali Teh. Kharar.
- (Transferor)
 (2) Shri Jeewan Singh Virk s/o Shri Vir Singh Virk r/o H. No. 93, Phase 2, Mohali.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 1111, Phase 5, situated in Mohali Teh. Kharar.

(The property as mentioned in the registered deed No. 3611 of September 1981 of the Registering Authority Kharar).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhlana

Date: 4-5-1982 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Senior Rajmata Smt. Virad Kunwar of Udaipur. (Transferor)

(2) Shri Jawahar Lal S/o Shri Moti Lal Ji Jain, R/o Udaipur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd April 1982

Ref. No. IAC/Acq./1187.—Whereas, I, V. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Plot No. 25 situated at Udaipur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1980) in the office of the Registering Officer at

Udaipur on 31-8-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid poperty and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

THE SCHEDULE

Plot No. 25 A, situated at Sarva Ritu Vilas, Udaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R., Udaipur vide 1886 dated 31-8-1981.

V. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 23-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd April 1982

Ref. No. IAC/Acq./1186.—Whereas, I, V. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 78 situated at Udaipur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 31-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Senior Rajmata Smt. Virad Kunwar of Udaipur.
 (Transferor)
- (2) Shri Devi Lal S/o Shri Ganesh Lal Ji Mangawat, R/o Kolivari.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesnid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 78 situated at Sarva Ritu Vilas, Udaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R., Udaipur vide No. 1877 dated 31-8-1981.

V. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 23-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Jaipur, the 23rd April 1982

Ref. No. IAC/Acq./1185.—Whereas, I, V. K. AGGARWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 48 situated at Udaipur,

(and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 29-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Senior Rajmata Smt. Virad Kunwar of Udaipur. (Transferor)
- (2) Shri Chander Prakash and Shri Chhota Lal S/o Nathulal Jain, R/o Udaipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 48 situated at Sarva Ritu Vilas, Udaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Udaipur vide No. 1889 dated 29-8-1981.

V. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 23-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd April 1982

Ref. No. IAC/Acq./1184.—Whereas, I, V. K. AGGARWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

Plot No. 24 situated at Udaipur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16) of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 25-8-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Senior Raimata Smt. Virad Kunwar of Udalpur,
 (Transferor)
- (2) Dr. Manak Lal Mogra S/o Shri Mangilal ji Mogra R/o Badi Sadri Distt. Chittorgarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 24 situated at Sarva Ritu Vilas, Udaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R., Udaipur vide No. 1876 dated 25-8-1981.

V. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 23-4-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Jaipur, the 23rd April 1982

Ref. No. IAC/Acq./1183.—Whereas, I, V. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 79 situated at Udaipur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Udaipur on 25-8-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Senior Rajmata Smt. Virad Kunwar of Udaipur, (Transferor)
- (2) Shrimati Santu Bai W/o Shri Ganesh Lal Ji R/o Kolyari.

 (Tranferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 79 situated at Sarva Ritu Vilas, Udaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R., Udaipur vide his No. 1885 dated 25-8-1981.

V. K. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur

Date: 23-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

Jaipur, the 23rd April 1982

Ref. No. IAC/Acq/1182.—Whereas, I,

V. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 49 situated at Udaipur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Udaipur on 20-8-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Senior Raimata Smt, Virad Kunwar of Udaipur. (Transferor)
- (2) Shri Ram Jas Mundra S/o Shri Kalu Ram Ji Mundra R/o Udaipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 49 situated at Sarva Ritu Vilas, Udaipur and more fully described in the sale decd registered by S.R. Udaipur vide No. 1754 dated 20-8-1981.

> V. K. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur

Date: 23-4-1982

Peal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Senior Rajmata Smt. Virad Kunwar of Udaipur. (Transferor)

(2) Shri Ranglal S/o Madhav Lal and Pyare Lal S/o Madhav Lal R/o Udaipur. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Jaipur, the 23rd April 1982

Ref. No. IAC/Acq./1181.—Whereas, I, V. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 30 C situated at Udaipur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the officer of the Registering Officer at Udaipur on 20-8-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 30 C, situated at Sarva Ritu Vilas, Udaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Udaipur vide No. 1751 dated 20-8-1981.

V. K. AGGARWAL Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipun

Date: 23-4-1982

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
21—86GI/82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

Jaipur, the 23rd April 1982

Ref. No. IAC/Acq./1180.—Whereas, I. V. K. AGGARWAL,

section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 68A situated at Udaipur,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 20-8-1981.

for an apparent consideration which is less than fair murket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Senior Rajmata Smt. Virad Kunwar of Udaipur. (Transferor)
- (2) Shri Sampat Kumar Kothari S/o Shri Bahadur Mal Ji Kothari R/o Udaipur.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 68A situated at Sarva Ritu Vilas, Udaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Udaipur vide No. 1757 dated 20-8-1981,

V. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 23-4-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Jaipur, the 23rd April 1982

Ref. No. IAC/Acq/1179.—Whereas, I, V. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and beraing

Plot No. 47 situated at Udaipur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 18-8-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealht-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Senior Rajmata Smt. Virad Kunwar R/o Udaipur.
 (Transferor)
- (2) Shri Ramesh Chand and Shri Sunder Lal S/o Shri Bhim Ram Ji R/o Udaipur.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the cate of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 47 situated at Sarva Ritu Vilas, Udaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R., Udaipur vide No. 1758 dated 18-8-1981.

V. K. AGGARWAL Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur

Date: 23-4-1982

Scal:

Ţ

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Senior Rajmata Smt. Virad Kunwar R/o Udaipur.

(Transferor) (2) Shri Mohan Lal Dovpura,

Objections, if any,, to the acquisition of the said property

A. R/o 2B, Kal Ji Gora Ji, Udaipur.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd April 1982

Ref. No. IAC/Acq/1178.--Whereas, I, V. K. AGGARWAI.,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 50A situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Udaipur on 18-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transeror to pay tax under the said Act, in respect of any income arises from the transfore; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(a) by any of the aforesteld persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 50A situated at Sarva Ritu Vilas, Udaipur & more fully described in the sale deed registered by S.R., Udaipur vide No. 1755 dated 18-8-81.

> V. K. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur.

Date: 23-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Senior Rajmata Smt. Virad Kunwar R/o Udaipur.

(Transferor)

(2) Shri Budh Mal Joshi, Surajpole, Udaipur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd April 1982

Ref. No. IAC/Acq/1177.—Whereas, I,

A. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 25 situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Udaipur on 17-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 25 situated at Sarva Ritu Vilas Udaipur & more fully described in the sale deed registered by S.R., Udaipur vide No. 1752 dated 17-8-81.

V. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 23-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, J'AIPUR

Jaipur, the 23rd April 1982

Ref. No. IAC/Acy/1176.—Whereas, I, V. K. AGGARWAL,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immeveable property, haveing a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 62 situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 17-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the India Income-tax Act, 1922 Act, 1957 (27 of 1957);

Now, threfore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Senior Rajmata Smt. Virad Kunwar R/o Udaipur.

(Transferor)

(2) Dr. Mahendra Singh Nahar Shri Balwant Singh Nahar & Smt. Hemwanti Nahar W/o Shri Mahendra Singh Nahar, R/o Udaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the saida property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazet'e or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as tere defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 62 situated Sarva Ritu Vilas, Udaipur & more fully described in the sale deed registered by S.R. Udaipur vide No. 1753 dated 17-8-81.

V. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 23-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Senior Rajmata Smt. Virad Kunwar of Udaipur.

(Transferor)

(2) Shri Mangilal S/o Shri Heeralal Ji & Shri Manoharlal S/o Shri Hecra Lal Ji Jain R/o Bhadosda.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd April 1982

Ref. No IAC/Acq/1188.—Whereas; I, V. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 19 situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Udaipur on 17-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions—used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 19 situated at Sarva Ritu Vilas, Udaipur & more fully described in the sale deed registered by S.R. Udaipur vide No. 1756 dated 17-8-81.

V. K. AGGARWAI.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 23-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd April 1982

Ref. No. IAC/Act/1189.—Whereas, I, V. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 30 situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Udaipur on 14-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Senior Rajmata Smt. Virad Kunwar R/o Udaipur.

(Transferor)

(2) Smt. Laxmi Bai W/o Shri Brij Lal Ji Jain & Smt Shanti Bai W/o Shri Ganesh Lal Ji Singhvi, R/o Nathdwara, Distt, Udaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 30B situated at Sarvan Ritu Vilas, Udaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Udaipur vide No. 1734 dated 14-8-81.

V. K. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax, Acquisition Range, Jaipur.

Date: 23-4-1982

(1) Senior Rajmata Smt. Virad Kunwar R/o Udaipur.

(2) S/Shri Bhanwar Lal & Shanti lal Ss/o Shri Prithviraj Ji Jain R/o Sakroda.

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd April 1982

Ref. No. IAC/Acq./1194.-Whereas, I, V. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 29 situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Udaipur on 17-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-22---86GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 29 situated at Sarva Ritu Vilas, Udaipur & more fully described in the sale deed registered by S.R., Udaipur vide No. 1733 dated 17-8-1981.

V. K. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Jaipur.

Date: 23-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd April 1982

Ref. No. IAC/Acq/1196.—Whereas, I, V, K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 27 situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 17-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair manner value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the purties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the equisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Senior Rajmata Smt Virad Kunwar, Udaipur,

(Transferor)

(2) Shri Om Prakash S/o Shri Nathu I al Ji Aggarwal R/o Udaipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 27, situated at Sarva Ritu Vilas, Udaipur & more fully described in the sale deed registered by S.R., Udaipur vide his registration No. 1730 dated 17-8-81.

V. K. AGGARWAI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 23-4-1982

Scal;

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd April 1982

Ref. No. IAC/Acq/1175.—Whereas, I, V. K. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 31 situated at Udaipur,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Udaipur on 14-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Senior Rajmata Smt. Virad Kunwar, Udalpur.

(Transferor)

(2) Shri Sumati Prakash S/o Shri Mohan Lal Sangawat Smt. Dakha Bai Wd/o Shri Mangilal Rimkha, R/o Udaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of 'he publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 31 situated at Sarva Ritu Vilas, Udaipur & more fully described in the sale deed registered by S.R., Udaipur vide No. 1731 dated 14-8-1981.

V. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 23-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd April 1982

Ref. No. IAC/Acq/1193.—Whereas, I. V. K. AGGARWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Plot No. 28 situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 13-8-1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Senior Rajmata Smt. Virad Kunwar, Udaipur.

(Transferor)

(2) Shri Deep Chand S/o Shri Kalu Lal Ji Jain R/o Village Karawali Teh. Salumber.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 28 situated at Sarva Ritu Vilas, Udaipur & more fully described in the sale deed registered by S.R., Udaipur vide No. 1735 dated 13-8-1981.

V. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 23-4-1982

(1) Senior Rajmata Smt. Virad Kunwar, R/o Udaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Goverdhan Lal S/o Shri Shankar Lal Ji Dad R/o Village Nagari Distt. Chittorgarh. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Jaipur, the 23rd April 1982

Rel. No. IAC/Acq/1197.—Whereas, I, V. K. Aggarwal,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 50 situated at Udaipur (and more fully described in the Scheduled annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Udaioui on 13-8-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have

reason to believe that the fair market value of the property a, aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- and/or
- (b) facilitating the concealment of an income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 50, situated at Sarva Ritu Vilas, Udaipur & more fully described in the sale deed registered by S. R., Udalpur vide No. 1733 dated 13-8-1981.

> V. K. AGGARWAL Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 23-4-1982

Sal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd April 1982

Ref. No. IAC/Acq/1190.—Whereas, I, V. K. Aggarwal, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot No. 44 situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Udaipur on 10-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Senior Rajmata Smt. Virad Kunwar of Udaipur. (Transferor)

(2) Shri Ram Sukh, Govind Ram Maheshwari, R/o Gangapur Teh. Bhilwara.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 46 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Englanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 44, situated at Sarva Ritu Vilas, Udaipur & more fully described in the sale deed registered by S. R., Udaipur vide his registration No. 1660 dated 10-8-1981.

V. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 23-4-1982

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd April 1982

Ref. No. IAC/Acq/1191.—Whereas, I, V. K. Aggarwal, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 8s the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. 30 situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 10-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Senior Rajmata Smt. Virad Kunwar, of Udaipur.

(Transferor)

(2) Smt. Anchi Bai W/o Shri Chunni Lal Jain, R/o Village Nawaniya Teh, Ballabhnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 30 situated at Sarva Ritu Vilas, Udaipur & more fully described in the sale deed registered by S. R., Udaipur vide No. 1663 dated 10-8-1981.

V. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 23-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd April 1982

Ref. No. IAC/Acq/1108.—Wheraes, I, V. K. Aggarwal, being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. Plot No. 22 situated at Udaipur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Udaipur on 21-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of surh apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

(1) Senior Rajmata Smt. Vírad Kunwar of Udaipur.

(Transferor)

(2) Smt Pannu Bai W/o Shri Bhanwar Lal Ji Jain, R/o Udaipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 22 situated at Sarva Ritu Vilas, Udaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R., Udaipur vide No. 2088 dated 21-8-1981.

V. K. AGGARWAI.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 23-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd April 1982

Ref. No. IAC/Acq/1174.—Whreeas, I, V. K. Aggarwal, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 64B situated at Udalpur

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Udaipur on 21-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitaiting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—23—86GI/82

(1) Senior Rajmata Smt. Virad Kunwar of Udaipur.

(Transferor)

(2) Shri Kuldeep Vyas guardian Chandra Shekhar Vyas, Mehta Ji Ki Bari, Udaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 64B, situated at Sarva Ritu Vilas, Udalpur & more fully described in the sale deed registered by S. R., Udalpur vide No. 2090 dated 19-9-1981.

V. K. AGGARWAI.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range, Jaipur.

Date: 23-4-1982

Soal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd April 1982

Ref. No. IAC/Acq/1195.—Whereas, I, V. K. Aggarwal, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market vaule exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 45 situated at Udaipur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been tansferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Udaipur on 15-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1927) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1557);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Senior Rajmata Smt. Virad Kunwar of Udaipur.

(Transferor)

(2) Smt. Manju Devi W/o Shri Shekhar Lal Ji Jain & Smt. Tara Devi W/o Shri Shantilal Jain R/o Udaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 45 situated at Sarva Ritu Vilas, Udaipur & more fully described in the sale deed registered by S. R., Udaipur vide No. 2086 dated 15-9-1981.

V. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 23-4-1982

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Senior Rajmata Smt. Virad Kunwar of Udaipur.

(Transferor)

(2) Shri Tola Ram S/o Panna Lal Ji, R/o Udaipur.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd April 1982

Ref. No. IAC/Acq/1192.—Whreeas, I, V. K. Aggarwal, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 45 situated at Udaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the officer of the Registering office at Udaipur on 15-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 80 situated at Sarva Ritu Vilas, Udaipur & more fully described in the salo deed registered by S. R., Udaipur vide No. 2089 dated 15-9-1981.

V. K. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur.

Date: 23-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 24th April 1982

Ref. No. IAC/Acq/1202.—Whereas, I, V. K. Aggarwal, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. D-29 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 3-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Vishwanath Kale S/o Shri Vaman Kale, R/o Bramhapuri, Jaipur.

(Transferor)

(2) R. B. Mathur S/o Shri B. L. Mathur D-29, Patrakar Colony, Jaipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flot No. D-29 situated at Patrakar Colony, Jaipur & more fully described in the sale deed registered by S. R., Jaipur vide No. 2304 dated 3-9-1981.

V. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 24-4-1982

Seal:

1

(1) Shri O. P. Bansal, Dy. Chief Engineer, R.S.E.B., Jaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sushila Rathi C/o K. R. Rathi & Co. C.A., R/o Chopasani Road, Jodhpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR Jaipur, the 24th April 1982

Red. No. IAC/Acq/1200.—Whereas, I, V. K. AGGARWAL

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 240 situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule

annexed hereto) has been transferred

under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jodhpur on 21-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 240, Secotr A, Section 4, at Masuriya Sector, Shastri Nagar, Jodhpur & more fully described in the sale deed registered by S. R., Jodhpur vide No. 707/2027 dated 21-8-1981.

V. K. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 24-4-1982

FORM LT.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

Prashad Bhatnagar, R/o Bharatpur. (Transferor)

(2) Shri Mahaveer Mehta S/o Shri Nemi Chand Jain R/o Mohanpura, Jodhpur.

(1) Shri Rajeshwar Prashad Bhatnagar S/o Shri Beni

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd April 1982

Ref. No. IAC/Acq/1199.--Whereas, I, V. K. Aggarwal, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot No. 1 situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registratoin Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 7-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1 situated at Masuria, Section 7, Extention, Jodhpur more fully described in the sale deed registered by S. R., Jodhpur vide No. 705/1877 dated 7-9-1981.

> V. K. AGGARWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely:---

Date: 24-4-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 24th April 1982

Ref. No. IAC/Acq/1201.—Whereas, I, V. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House property situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jodhpur on 6-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Yashoda Bai & Kamla Bai D/o Hanuwant Singh Rajput, R/o Loko Shed, Ratanada, Jodhpur. (Transferor)
- (2) Shri Om Prakash S/o Shri Gulraj Agarwal, City Police, Jodhpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential house situated at Ratanada, near Railway Running Shed, Jodhpur & more fully described in the sale deed registered by S. R., Jodhpur vide No. 724/1844 dated 6-8-1981.

V. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 24-4-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 21st April 1982

Ref. No. IAC/Acq/1167.—Whereas, I, V. K. Aggarwal, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 28-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ajay Singh S/o Shri Jagat Singh Mehta, Jeewan Niwas, Udaipur.

(Transferor)

(2) Shri Mahesh Kumar S/o Shri Mahendra Kumar Nalwaya, Mehtaji Ki Bari, Udaipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Udaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R., Udaipur vide No. 1905 dated 28-8-1981.

V. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 21-4-1982

FORM ITNS- - -- -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Ajay Singh S/o Shri Jagat Singh Mehta, Jeewan Niwas, Udaipur.

(Transferor)

(2) Shri Mahesh Kumar S/o Shri Mahendra Kumar Nalwaya, Mehtaji Ki Bari, Udaipur.

(Transferec)

GOVERNMEN'T OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 21st April 1982

Ref. No./IAC/Acq/1168.—Whereas, I, V. K. AGGAR-WAL,

being the Competent Authority under Section 209B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Agrl. land situated at Udaipur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Udaipur on 4-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferred for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 4ct 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Udaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R., Udaipur, vide No. 1907 dated 4-9-81.

> V. K. AGGARWAL, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 21-4-82. Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Ac', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

24-86GI/82

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Ajay Singh S/o Shri Jagat Singh Mehta, Jeewan Niwas, Udaipur. (Transferor)

(2) Shri Mahesh Kumar S/o Shri Mahendra Kumar Nalwaya, Mehtaji Ki Bari, Udaipur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 21st April 1982

Ref. No. IAC/Acq/1169.—Whereas, I. V. K. AGGAR-WAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value Agrl, land situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 1-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Udaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R., Udaipur vide No. 1905 dated 1-9-81.

V. K. AGGARWAL Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 21-4-82.

FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 21st April 1982

Ref. No. /IAC/Acq/1170.—Whereas, I, V. K. AGGAR-WAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-Agrl. land situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 1-9-1981

for an apparent consideration which is less then the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:---

 Shri Ajay Singh S/o Shri Jagat Singh Mehta, Jeewan Niwas, Udaipur.

(Transferor)

(2) Shri Mahesh Kumar S/o Shri Mahendra Kumar Nalwaya, Mehtaji Ki Bari, Udaipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Udaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R., Udaipur vide No. 1908 dated 1-9-81.

V. K. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 21-4-82.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 21st April 1982

Ref. No./IAC/Acq/1171.—Whereas, I, V. K. AGGARWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Udaipur on 10-8-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been utily stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Mani Ben W/o Rattanji Raoji, Ashok Nagar, Udaipur,

(Transferor)

(2) Shrimati Mahender Devi W/o Shantilalji Chaplot, Ashok Nagar, Udaipur,

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective parsons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot situated at Ashok Nagar, Udaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R., Udaipur vide No. 1703 dated 10-8-81.

V. K. AGGARWAI.,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 21-4-82.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME TAC, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 21st April 1982

Ref. No./IAC/Acq/1172.—Whereas, I, V. K. AGGAR-WAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Part of open plot situated at Udaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 19-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said. Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Bhagwat Singh S/o Shri Ganpat Singh Kothari, Nirmala Marg, Shakti Nagar, Udaipur.

(Transferor)

(2) Shrimati Sumitra Devi, W/o Shri Narendra Kumar Tayo, Udaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given, in the Chapter,

THE SCHEDULE

Part of open plot measuring 518 sq. ft. situated outside Delhi Gate, Udaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R., Udaipur vide No. 2116 dated 19-9-81.

V. K. AGGARWAL. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 21-4-82.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Bhagwat Singh S/o Shri Ganpat Singh Kothari, Nirmala Marg, Shakti Nagar, Udaipur.

(Transferor)

(2) Shri Virender Kumar S/o Mohanlal Taye, Udaipur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 21st April 1982

Ref. No./IAC/Acq/1173.---Whereas, I, V. K. AGGAR-WAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at Udaipur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udalpur on 14-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of open plot measuring 518 sq. ft. situated outside Delhi Gate, Udaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Udaipur vide No. 2024 dated 14-9-81.

V. K. AGGARWAL.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 21-4-82.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE. NEW DELHI.

New Delhi, the 22nd April 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/8-81/700,—Whereas I, S. R. GIIPTA

being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Agrl. land, situated at Vill. Dera Mandi, Teh. Meh. New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
30—76GI/82

(1) Sri Ghand S/o Sh. Harbans r/o Vill, Dera Mandi, New Delhi,

(Transferor)

(2) Kumar Purshottam Daryanani s/o Purshottam Roop Chand Chela Ram through R.D. Chandra r/o 13-D, Pocket-H, DDA self financing flat, Saket, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land mg. 7 bighas and 4 biswas bearing Mustatil No. 39 Killa No. 14 (4-9), 8(2-15), situated at Vill. Dera Mandi, Teh. Meh., New Delhi.

S. R. GUPTA, Acquisition Range-I, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Delhi/New Delhi.

Date: 22-4-82.

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

> > New Delhi, the 22nd April 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/8-81/701.--Whereas I, S. R. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agrl. land situated at Vill. Dera Mandi, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sri Chand S/o Shri Harbans r/o Vill. Dera Mandi, Tch. Meh. New Delhi.

(Transferor)

(2) Kumar Pusshottam Daryanani s/o Purshottam Roop Chand Chela Ram through R. D. Chandra r/o 13-D, Pocket-H, DDA self financing flat, Saket, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl, land mg. 4 bigha 16 biswas bearing Mustatil No. 39 Killa No. 7, Vill. Dera Mandi, New Delhi.

S. P. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, New Delhi.

Date: 22-4-82

NOTICE UNDER SECTION 269D₍₁₎ OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-81.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land situated at Vill. Burari, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Delhi on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
25—86GI/82

(1) Shri Indra Raj S/o Khushaal R/o Vill. Burari, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Phool Singh Daima S/o Ladu Ram Daima R/o F-14/51, Model Town, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land. Mg. 12 Biswas. Kh. No. 818, Vill. Burari, Delbi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 19-4-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, J.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-81.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C-180 situated at Hari Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-and exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any, moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 569D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sat Pal Handa S/o Amar Nath Handa R/o L-16, Kirti Nagar, Nagar, Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Sumitra Kumari W/o Pirthavi Raj Nagpal R/o Wz-10B, Rattan Park, New Delhi.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. C-180, Mg. 220 sq. yds. Hari Nagar, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 19-4-82 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-81.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Agri. land situated at Vill. Nangli Pona, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Aug. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Yash Pal S/o Jagwasya R/o C-26, Sudershan Park, Delhi & Gaj Raj Singh S/o Arjan Singh R/o VPO Samepur, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Gurmail Singh S/o Pyara Singh R/o Gurudwara Har Govind Sar Nangli Poona, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land 15 Bighas 13 Biswas Vill, Nangli Poona, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 19-4-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/8-81.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. G.B. Qr. No. C/129-B situated at Motinagar, N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Shiv Dayal S/o Devi Dayal R/o C/129-B, Moti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Girdhari Lal S/o Bikha Ram R/o 8/11, Old Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undermentioned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

G.B. Qr. No. C/129-B, Moti Nagar, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 19-4-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/8-81.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. 1533 (G.F.) Ward XIII

s.tuated at Aziz Ganj, Bahadurgarh Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Aug 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforemaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Verho Mal S/o Chuhar Mal r/o L/25, Shastri Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Satish Chand S/o Umrao Singh H. No. 1533 (GF) Aziz Ganj, Bahadurgarh Road, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house No. 1533 (G.F.) Ward XIII Aziz Ganj, Bahadargarh Road, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 19-4-82

FORM I.T.N.S.-

 Shri Braham Datt s/o Rattan Lal R/o Village Holambi Kalan, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jasbir Singh s/o Mchuga Ram R/o 169A D.D.A. Flat, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-81.--Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Agricultural land situated at Village Holambi Kalan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acequisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Mg. 13 Bighas 12 Biswas village Holambi Kalan, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-81.--Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Burari, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Dev Sharma s/o Bhagwan Sahal R/o Village Burari, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Duli Chand s/o Kishori Lal R/o A-1/13, Shakti Nagar Extension, Delhi

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land 18 Bighas out of 5 Bighas 7 Biswas Mustil No. 6, Kh. No. 452 village Burari, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,. G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-81/6102,---Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agricultural land situated at village Mundka, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in teh office of Registering Officer at New Delhi on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, ramely:—

- Shri Nand Lal s/o Shri Devi Ditta Ram, 1159, Rani Bagh, Shakurbasti, Delhi.
 - (Transferor)
- (2) Shri Rakesh Chand s/o Shri Ram Chand R/o 3/40, Shanti Niketan, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 Bighas at village Mundka, Delhi Kh. No. 47/9 (1-0) out of (2-8), 47/10 (2-0) out of 4-16.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Date: 19-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No IAC/Acq.Id/SR-II/8-81/6234.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agricultural land situated at Village Sahibabad Daulatpur, Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the Office of the Registering Officer at New Delhi on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
26--86GI/82

 Shri Harish Kumar & Surinder R/o Pritampura, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Luxmi Narayan s/o Lakhi Rum, 1665, Kucha Dariba, Darya Ganj, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Mustacal No. 58, Kila No. 14/2 (2-16) Kila No. 17 (5-7) Kila 23 (4-0), 24 (4-16) village Shaibabad Daulat Pur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

UFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-81/6256.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Palam Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1968) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the presaid property by the issue of this notice under subsetion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Raj Singh, Hukam Chand, Ram Chander Sons of Jage Ram R/o Village Matiala, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Tara Chand s/o Beni Pd. R/o 1215/8 Tri Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land 19 Biswas, Village Palam, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, 1.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. 1AC/Acq.II/SR-II/8-81/6170.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herenafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agricultural land, situated at Village Sahibabad Daulat Pur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesand property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kehar Singh s/o Laiq Ram R/o Sahibabad Daulat Pur, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Bahal Chand Jain s/o Ari Daman Lal Jain R/o 4-B Alata Mount Road, Bombay.

(Transfereo)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land. 8 Bighas 17 Biswas Village Sahibabad Daulat Pur, Delhi,

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, R/o 446, Parrawood Road East Didsbury, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC 'Acq.II SR-I/8-81/8342,—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

13/3 situated at East Patel Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August 1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :——

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jyoti Parkash s/o Gela Ram R/o 446, Parrawood Road east Didsbury, Manchester (England) through his G/A Jaswant Rai Kumar s/o Gela Ram R/o 8/21, West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) C. Umesh Kamath S/o C. Srinivas Kamath, R/o 9/23, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

D.S. House No. 13/3, East Patel Nagar, New Delhi Meg. 200 sq. yards.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I'8-81/8256.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

2533 (Old No. 1154) situated at Chamarwala Khurd, Tilak Bazar, Phatak Habash Khan, Ward No. 3, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said agreement of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Nathu Mal Deshraj Rangwale, Kt. Tabacco, Delhi through its partner Devraj Kuraja s/o Desh Raj Khurana,

(Transferor)

(2) Kumari Kamni Devi d/o Kishan Lal W/o Harbans Singh R/o 2547 Chamarwara Kalan, Tilak Bazar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall be the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 2513 (Old No. 1154) Chamarwela Khurd, Tilak Bazar, Phatak Habash Khan, Ward No. 3, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 19-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Sri Rani Sethi Narindar Kumar Sethi, Harbans Lal Sethi and Sushil Kumar Sethi sons of Late Mahk Rain Sethi R/o 148, Allenby Lines, Ambala Cantt. (Haryana).

(2) Shri Mahender Kumar Babuta S/o L. Devi Duss Babutta R/o D-2/17, Model Town, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.11/SR-1, 8-81/8230—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-rax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

D.S. No. D-2/17, situated at Modely Town, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Deihi on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpoes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 192) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period express later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

D.S. No. D-2/17, Model Town, Delhi 250 sq. Yards.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-81/6022—.Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural Land situated at Village Kadipur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pursons, namely:—

 Ch. Saroop Singh S/o Narain Singh R/o Village Kadipur, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Moti Lal Gupta s/o Chiranji Lal Gupta R/o 16/73, Punjab Bagh, Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land 13 Bighas 4 Biswas, Kh. Nos. 678, 679, 677, 680 and 641.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Incometax
Acquisition Range-II
G-13. Central Revenues Building I. P. Estate,
New Delhi

Date: 19-4-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Rentiers & Financiers (P) Ltd., 10, Haitey Road, Defia-1.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Shri Ashok Badhwar, S/o Sh. V. K. Badhwar, R/o 2, Alipur Road, Delhi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/8-81/8299.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair marker value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. A-18, situated at 45 Mall Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-18, situated in 45 Mall Road, Delhi. Mg. 370 sq. yards.

NARINDAR SINGII Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi.

Date: 19-4-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, 1.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/8-81/8281,—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

F-37, Rajouri Garden, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—-

27—86GI/82

 Sohan Lal Anand s/o Ganesh Dass, 18/66, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Anoop Singh s/o Shri Man Singh F-37, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from this date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th undivided share in H. No. F-37, Rajouri Garden, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi.

Date: 19-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/8-81/8282.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. F-34, situated of Rajouri Garden, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Delhi on August, 181

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Uttam Singh Bindra,
 S/O Shri Gurmukh Singh Bindra,
 2/70, Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Anoop Singh, S/o Shri Man Singh, R/o 1-37, Rajouri Garden Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ith share in undivided property No. F-34, Rajouri Garden, Delhi,

NARINDAR SING Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delbi, the 19th April 1982

Ref. No. JAC/Acq II/SR-I/8-81/8283.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. F-37, Situated at Rajouri Garden Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 181

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Joga Singh,
 s/o Shri sojran Singh
 R/o E-28A, Rajouri Garden, Delhi,

(Transferor)

(2) Shri Anoop Singh, S/o Shri Man Singh, R/o F-37, Rajouri Garden, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th divided share of Plot No. 37, Block F, Rajouri Garden, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Deate: 19-4-82

FORM NO. LT.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/8-81/8284.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. F-37, situated at Rajouri Garden, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ranjit Singh, s/o S. Atma Singh, R/o E-37, Rajouri Garden, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Anoop Singh,S/o Shri Man Singh,R/o F-37, Rajouri Garden, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) facilitating the conmealment of any income of any vable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th undivided share in H. No. F-37, Rajouri Garden, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. 1AC IAC/Acq.II/SR-II/8-81/6272. Whereas, , NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Burari, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on August 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Tej Pal Singh s/o Shri Hukam Singh, R/o 71 Dhaka, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Phool Singh Darme s/o Shri Ladu Ram R/o 14/51, Model Town, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 9 Bighas 12 Biswas, Vill. Burari, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Rcf. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-81/6021.—Whereas, I. NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri land situated at Vill. Kadipur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 169C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing portions, namely:—

(1) Ch. Saroop Singh s/o Shri Narain Singh R/o Vill. Kadipur, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Subhash Chand s/o Shri Roop Lal R/o 16/73 Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevuble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land mg. 13 Bigha 4 Biswas Kh. Nos. 677, 680, 681, 682 & 641 Vill, Kadipur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. 1AC/Acq.II/SR-II/8-81/6109.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

1/2 share of Agri, land situated at Vill. Narela, Delhi State, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Sahi Ram s/o Shri Fatch Singh R/o Narela, Delhi State, Delhi.

(Transferor)

 (2) S/Shri Ram Mehar & Maha Singh ss/o Shri Garib Ram R/o Vill. Sefidabad Distt. Sonepat, Haryana.

(Transferee)

Objectives, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE.

Agri, land 1/2 share of land mg. 37 Bighas 11 Biswas Vill. Narela, Delhi.

NARINDAR SING!!
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

(**4**)

Date: 19-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref No. IAC/Acq.II/SR-I/8-81/8323.—Whereas, I, NARINDER SINGH

being the competent authority under Section 269B of 'the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to us the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 /-and bearing No.

6/7 share in S.S. No. 1448 to 1489, New Nos. 2158 to 2161 situated at Mohalla Gadhewalan, Turkman Gate, Bazar, Chitli Qabar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registratio Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jai Bhagwan Jain 5/0 L. Bishamber Dass Jain R/0 A-1/136, Safdarjang Development area for self and as Atorney of Smt. Kamla Wati Jain, Ramesh Chand Jain, Smt. Sushlai Devi Smt. Angoor Bala and Smt. Bimla Devi,

(Transferor)

(2) Shri Ajijuddin s/o Mohd. Qusuf r/o 2466, Haveli Mahawat Khan Delhi, Munshi Khan. Mohd. Ramzan ss/o Shri Abdul Gaffoor R/o 2843, Bulbulikhana, Bazar Sita Ram, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

6/7 share S.S. House No. Old Nos. 1484 to 1489, New Nos. 2158 to 2161 Mohalla Gadhewalan, Turkman Gate, Bazar Chitli Qabar, Delhi Mg, 200 sq. yds.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II.
Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

FORM FINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, J.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-81/5425.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No

Plot No. D/10 situated at Shiv Nagar Extn. Vill. Tehar, New Delhi,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Officer of the Registering office at New Delhi on August 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
28—86GI₁82

(1) Shri Ram Parkash s/o Shri Sita Ram Chhabra R/o 8/37, Tilak Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jaswant Singh R/o WZ-47, Krishna Park, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. D/10, Mg. 150 Sq. yds, Shiv Nagar Extn. are of Vill. Tehar, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE income-tax act, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref No. IAC/Acq.II/SR-I/8-81/8286.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 4598-12-B, situated at Daryo Ganj, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Dharam Pal Gola and
 Smt. Devi Raui Gola,
 Gola Cottage, Daryaganj,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. J&I Dechane Laboratories (P) Ltd. Hyderabad through V. Ramachandran, Branch Manager of Delhi Depot of M/s. J&F Dechane Laboratories (P) Ltd., 22, Netaji Subhas Marg, Darya Ganj, New Delhi.

(Tarnsferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4598-12-B, Darya Ganj, New Delhi-2 Area 916-10 sq. ft. (basement) 33.777 sq. ft. out of total common passage 394.77 sq. ft. GF Portion).

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/8-81/8301.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 12 on Road No. 18 situated at Punjabi Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at New Delhi on August 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other masts which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Narain Sarup Nangia, s/o S. Ram Chand Nangia (as Karta of M/s. Ram Chand Nangia & Sons, HUF), 6/73, R K. Puram, New Delhi. . (Transferor)
- (2) S/Shri Vishnu Kr. Gupta, Janak Kr. Bansal, Ss/o Shri Dhan Raj Gupta & Smt. Kusum Gupta, w/o Shri Mahesh Kumar, R/o N.A.-29, Punjabi Bagh, New Delhi-26.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

No. 12, Road, No. 18, Punjabi Bagh, New Delhi,

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date 19-4-1982 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref No. IAC/Acq.11/SR-II/8-81.—Whereas, I, NARINDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot, 150 Sq., yards situated at Rishi Nagar, Shakurbasti, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) nas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

New Delhi on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforest exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Shiv Narain s/o Brij Lal R/o WZ-15-A, Rishi Nagar, Shakurbasti, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Sarita Joshi w/o Kuldip Joshi R/o C-11, Ajay Enclave, Delhl.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Mg. 160 Sq. yards Rishi Nagar, Shakurbasti Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

SIONER OF INCOME-TAX,

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/8-81/8321.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, I-B, situated at

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Court Road, Civil Lines, Delhi on August 1981

(and more fully described in the sche-

dule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on Aug. 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Parkash Narain 5/0 Shri Kiipa Narain R/0 37, Aurangjeb Road, Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Prabhu Lal s/o Megh Raj

 Tulsi Devi w/o Parbhu Lal
 Om Parkash and Anil Kumar Ss/o Parbhu Lal, R/o 1-B, Court Road, Civil Lines, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used increin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

No. I-B, Court Road, Civil Lines, Delhi. Mcg. 750 Sq. yards.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Comissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, IP: ESTATF, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-81/6128.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S.S. House No. 26, Road No. 69 situated at Punjabi Bagh Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Kosh Raj s/o Nanak Chand R/o 11-D/53 Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Balwant Kaur w/o G. B. Singh R/o G-139, Hari Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a perior of 30 days from
 the service of notice on the respective persons
 whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S.S. House No. 26, Road No. 69, Punjabi Bagh, New Delhi. Land Mg. 364.16 sq. wards.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGF, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-81/6185.—Whereas, J, NARINDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agricultural land situated at Village Holambi Kalan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on August 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Niranjan Singh, Rajesh Kumar S/o Nandu R/o Holambi Kalan, Delhi

(Transferor)

(2) Shri Jasbir Singh s/o Mehnga Ram R/o 169-A DDA Flat MIG Rajouri Garden, New Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Mg. 4 Bighas 16 Biswas Village Holambi Kalan, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-81 /6028.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Kadipur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexd hereto), has been transferred under the Rgistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transter; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the India Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Ch. Saroop Singh s/o Narina Singh R/o Village Kadipur, Delhi,

(Transferor)

(2) Shri Dharam Pal s/o Durga Ram R/o A-1-A, Rama Road, Adarsh Nugar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land mg. 13 Bighas 4 Biswas Village Kadipur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-81/6315.- -Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vlilage Saraspur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than officer per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
29—86GI/82

(1) Dalip Singh s/o Chhotu R/o VPO Siras Pur, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Arun Kumar Bajaj s/o Tirlok Chand Bajaj C/o Pargati Auto Centre 32, Guru Nanak Charitable Trust 1413/1, Nicholson Road, Kashmere Gate, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Mg. 1 Bigha 7,1/2 Biswas i.e. 1370 sq. yards village Siraspur, Delhi.

NARINDAR SINGH

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II. Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

FORM TINS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Rcf. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-81\(\frac{1}{2}6316.\)—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Cmopetent Authority under section 269B of the of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/-and bearing No.

Agri. land situated at Village Sirsapur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dalip Singh s/o Chhotu R/o VPO Siras Pur, Delhi,

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Kumar Baid s/o Tara Chand Baid R/o 19/56 Old Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Mg. 1 Bigha 8 Biswas village siraspur Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, 1.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-81/6317.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agri. land situated at Village Siraspur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

1"

(b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dalip Singh s/o Chhotu R/o VPO Siras Pur, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Bajrang Lal Bothra S/o Puran Chand Bothra R/o C-30, Shakti Nagar Extension, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Mg. 1 Bigha 7,1/2 Biswas i.e. 1370 sq. yards VPO Siraspur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/8-81/6318.--Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agri, land situated at Village Siraspur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

(1) Dalip Singh s/o Chhotu R/o Village Siras Pur, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Inderjeet Singh S/o Balwant Singh Village 3/13, W.E.A. Karol Bagh, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writting to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Mg. 1 Bigha 7.1/2 Biswas village Siraspur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.ll/SR-I/8-81.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/2 share P. No. 491 situated at Gali Rajan Kalan Ward No. 1, Ganda Nala, K. Gate, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Satnam Kaur wd/o S. Gurmukh Singh R/o 491 Gali Rajan Kalan, Ganda Nala, Kashmere Gate, Delhi.

(Transferor) nt. Pushpa Devi w/o Hari Ram Gupta

(2) Smt. Pushpa Devi w/o Hari Ram Gupta R/o 6282, Gali Batashan, Khari Baoli, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share D.S. property No. 491, Gali Rajan Kalan, Ward No. 1, Ganda Nala, Kashmeri Gate, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, LP. ESTATE

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/8-81/8255.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/2 share P. No. 491 situated at Gali Rajan Kalan, Ward No. 1, Ganda Nala, Kashmiri Gate Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the of the Registering Officer at Delhi in August 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Satnam Kaur wd/o Gurmukh Singh R/o 491, Gali Rajan Kalan, Ganda Nala, Kashmiri Gato, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Prem Chand Goyal sho Jai Lal Goyal R/o 288, Bagh Kare Khan, Kishan Ganj, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of D.S. property No. 491, Gali Rajan Kalan, Ward No. 1, Ganda Nala, Kashmiri Gate, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 19-4-1982

ical:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC /Acq.II /SR-I/8-81/8290.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

Block No. C-22 on situated at 16, Alipur Road, Delhi-54. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at in August 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Ac, (J hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Charanjit Lal Gulhati s/o Shir Sohan Lal Gulhati and Shri V. K. Gulhati, s/o Shri Charanjit Lal Gulhati, R/o 3-D, Nizamuddin East, New Delhi-13.

(Transferor)

(2) Smt. Rajkumari Bhargava W /o 1. Shri Jatinder Nath Bhargava, 2. Shri Rajesh Bhargava, s/o Lt. Shri Jetender Nath Bhargava, 3. Mrs. Amita Bhargava w/o Shri Rajesh Bhargava all r/os 1/3, Roop Nagar. Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressiins used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. C-22 on Alipur Road, Delhi-54.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/8-81/6320.—Whereas I, IARINDAR SINGH

the Competent Authority under Section 269B of the some-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

hasre No. 452, Agri. land situated at Vill, Burari,

Delhi, Delhi.

tend more fully described in the Schedule annexed hereto), been transferred under the Registration Act, 1908 (1908) in the officer of the Registering Officer at August 1981,

an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have eason to believe that the fair market value of the percept as aforesaid exceeds the apparent consideration percent by more than fifteen per cent of such apparent exceeds the apparent exceeds the apparent exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer exceed to between the parties has not been truly exceed in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the accuracy by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,

(1) Shri Dharam Dev s/o Shri Bhagwan Sahai, Jharoda, P.O. Burari, Delhi Admn., Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Duli Chand s/o Shri Kishori Lal, R/o A/1/13 Shakti Nagar, Extension, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land No. 6, Khasra No. 452, Burari, Delhi Admn., Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 19-4-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq. $\Pi/SR-I/8-81/6321$.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 6, Khasra No. 452, Agri. land situated at Village Burari. Delhi Admn., Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the officer of the Registering Officer at in August 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
30—86GI/82

 Shri Devi Sharma S/o Shri Bhagwan Sahai, Village Jharoda, P.O. Burari, Delhi Admn., Delhi.
 (Transferor)

(2) Shri Duli Chand S. o Shri Kishori Lal R/o A-1/13. Shakti Nagar, Extension, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land No. 6, Khasra No. 452, Village Burari, Delhi Admn., New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II. Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/8-81/6322.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 6, Khasra No. 452, Agri, land situated at P.O. Burarl, Delhi Admn., Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at in August 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shri Dharam Dev S/o Shri Bhagwan Sahai, R/o Jhorada, P.O. Burari, Delhi Admn, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rosan Lal s/o Shri Narsingh Dass, R/o B 15, Bhagwan Das Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land No. 6, Khasut No. 452, Burari P.O. Burari, Delhi Admn., Delhi,

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Shri Himanshu Rohtagi s/o Kuni Behari R/o 419, Esplanded Road. Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Bal Kishan Mehta s/o Late Sardar Chand R/o C-3/185, Jankpuri, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DFLHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-81/6098.—Whereas I, NARINDAR STNGH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/-and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Masudabad, Najafgarh, New Delhi.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at New Delhi in August 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land 7 Bighas 19 Biswas Vill. Masudabad Najafgarh, New Delhi Kh. Nos. 2(2-7), 3(4-16), 8/1 (0-16).

NARINDAR SINGH
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income tax)
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/ Λ cq.II/SR-II/8-81/6099.—Whereas I, NARINDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agri. land situated at Village Masudabad, Najafgarh, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in August 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Himanshu Rohtagi sio Kunj Behari R/o 419, Esplanade Road, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Bal Kishan Mehta s/o L. Sardar Chand r/o C-3/185, Janakpuri. New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land Mg, 1 Bigha 13 Biswas Vill. Masudabad Najafgarh, New Delhi Kh. No. 118 (6-4) 119 (1-9).

NARINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/8-81/8334.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. VI/151-154 (New) situated at Katra Banyan, Fatehpuri, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

in August 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initaite proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Ram Piari W/o Ram Ditta Mal, Gandhi Colony, Muzaffar Nagar, U.P., presently at Delhi. (Transferor)
- (2) M/s Sardari Lal Ashok Kumar 69, Bagh Dewar, Fatehpur, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground Floor of P. No. VI/151-154 (New) Katra Baryan, Fatchpuri, Delhi Area: 235 Sq. yds.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IACfffAcq.II/SR-II/8-81/8335.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. VI/151-154 (New), situated at Katra Baryan, Fatchpuri, Delbi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in August 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herbey initiate proceedings for the acquisition of the aforesai property by the issue of htis notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Ram Piari w/o Ram Ditta Mal Gandhi Colony, Muzaffar Nagar, U.P., presently at Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Banarsi Dass and Sardari Lal Sons of Badri Dass, 32, Ushn Nikentan, Bungalow Road, Kamla Nagar, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First floor of P. No. VI/151-154 (new) Katra Baryan Fatchpuri, Delhi,

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR, C.R. BUILDING, 1.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-81/6132.—Whereas I, NARIDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agri land situated at Vill. Burari, Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Parshotam Lal Vohra s/o Jagan Nath Vohra r/o I-C/40, New Rohtak Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shrimati Teeja Devi w/o Phool Singh R/o F-14/51, Model Town, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforceald persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land (0-16) Biswas, vide Khasra No. 871, area of Village Burari, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR, C. R. BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. JAC/Acg/ $\Pi/SR-\Pi/8-81/6133$.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Agri. land situated at Village Burari, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi in August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the lasue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Parshotam Lal Vohra s/o Shri Jagan Nath Vohra, I-C/40, New Rohtak Road, New Delhi. (Transferor)

 Shri Surinder Kumar minor s/o Phool Singh through her mother Teeja Devi, F-14/51, Model Town Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land 0.16 Biswas, side Khasra No. 871, areas of Village Burari Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 19-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR, C. R. BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/8-81/6134.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. Land situated at Village Burari, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

31-86GI/82

- (1) Shri Parshotam Lal Vohra s/o Shri Jagan Vohra, I-C. 40, New Rohtak Road, New Doll
- (2) Shri Sushil Kumat minor son of Shri Phool through his mother Smt. Teeja Devi, F-f Model, Town. Delhi. (Transf

Objections, if any, to the acquisition of the said pre may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a perio 45 days from the date of publication of this # in the Official Gazette or a period of 30 days the service of notice on the respective per whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said in able property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazeti

EXPLANATION: - The terms and expressions used herei are defined in Chapter XXA of the Act, shall have the same meaning as in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land (O-16) Biswas, vide Khasta No. 871, area of Vill Burari, Delhi.

> NARINDAR SIN Competent Author Inspecting Assistant Commissioner of Income-Acquisition Range

G-13A Central Revenues Building, I. P. Este New De

Date: 19-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR, C. R. BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq./II/SR-II/8-81/6292.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'suid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Agri. Land situated at Village Roshanpura, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduciton or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Shyambir, Yashbir, Satbir 5/0 Shri Partap Singh Tyagi, Village Badhela, P.O. Tilak Nagar, New Delhi.

(Transferor)

 Shri Ram Avtar Gupta s/o Shri Nathu Ram Gupta, 4, Najafgarh, New Delhi-43.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 9 bighas 12 biswas situated at village Roshaupura, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
G-13A Central Revenues Building, I. P. Estate,
New Delhi

Date: 19-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR, C. R. BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. 1AC/Acq-SR-IJ/8-81/6293.—Whereas, I, NARINDAR SINGH.

being the competent authority under Section 268B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri, Land situated at Village Roshanpura, Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Shyambir, Yashbir, Satbir Tyagi, s/o Shri Partap Singh Tyagi, Village Bdhela, P.O. Tilak Nagar, New Delhi.
- (2) Smt Saroj Jain w/o Subash Jain 578, Shivaji Marg, Najafgarh, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 9 bighas 12 biswas situated at village Roshan Pura, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II
G-13-A Central Revenues Building, I. P. Estate,

Date: 19-4-1982

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Shyambir, Yashbir, Satbir s/o Shri Partap Singh Village Bodhela, P.O. Tilak Nagar, New Delhi. (Transferor)

(2) Shri Ram Niwas Gupta s/o Shri Nathu Ram Gupta r/o 413, Najafgarh, Delhi.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSINER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR, C. R. BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-Π/8-81/6294.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agri. Land situated at Villagt Roshanpura, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and meauring 8 bighas situated at Village Roshanpura, Najafgarh, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
G-13A Central Revenues Building, I. P. Estate,
New Delhi

Date: 19-4-1982

Scal:

FORM I.T N S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

G-13 GROUND FLOOR, C. R. BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC, Acq./II/SR-II/8-81/6295.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agri. Land situated at Village Roshanpura, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

on August 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Shyambir, Yashbir, Satbir s/o Shri Partap Singh Tyagi, Village Bodhela, P.O. Tilak Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shti Bakhshish Singh s/o Khushal Singh, C-2/335, Janakpuri, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land measuring 9 bighas, 12 biswas situated at village Roshanpura, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
G-13A, Central Revenues Builiding, I. P. Estate.

Date: 19-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR, C. R. BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th April 1982

Ref. No. IAC/Acq./II/SR-II/8-81/6319.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(bereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Agri, land situated at Vill. Siras Pur, Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (15 of (1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Aug. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Dalel Singh s/o Chhotu R/o VPO Siraspur, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Hathi Mal Sethia s/o Jeth Mal Sethia R/o 1540-A, Bhagirath Place, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 1 Bighas 1½ Biswas i.e. 1082 sq. yds. Vill. Siraspur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
G-13A Central Revenues Building, I. P. Estate,
New Delhi

Date: 19-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

New Delhi, the 21st April 1982

Ref. No. P. R. No. 1593/Acq/23-II/82-83.—Whereas I, R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. R.S. No. 774/784, Plots 8 and 9 (Part) situated at Gotri, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda in Scpt., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Savitaben Chitranjan Dave;
 P.A. Holder: Geetaben Rashmikant Patel;
 Kunj Society, Baroda.

(Transferor)

 Sanjay Corporation; Through partner Shri P. B. Patel, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land at Gotri as fully described in sale-deed No. 5443 registered in the office of Sub-Registrar, Baroda in the month of Sept., 1981.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 21st April 1982

FORM TINS-

NOTICE UNER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st April 1982

Ref. No. P. R. No. 1594/Acq/23-II/82-83.—Whereas I, R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. S. No. 69-A, C.S. No. 2125/A, Valsad situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Valsad on Sept., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herbey initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namley:—

(1) 1. Grasben Banjamin, Wd/ of Banjamin Jivabhai, 2. Renold Banjamin, Mission Colony, Valsad.

3. Ank Benjamin,

4. Jelly Benjamin, Byculla, Bombay-400008.

(Transferor)

(2) 1. Ishvarbhai Jiyabhai Patel, 2. Chandubhai Jiyabhai Patel,

3. Paragbhai Dahyabhai, Halar, Vashi Falid, Valsad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aroresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at R. S. No. 69/A, C.S. No. 2125/A, Valsad registered in Sept., 1981.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 21st April 1982

Scal:

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-11,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st April 1982

Ref. No. P. R. No. 1595/Acq/23-II/82-83.—Whereas I, R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 206/K, 206/1/B, 206/3/B, 205/4, 203/2, 205/3 situated at Tithal Road, Valsad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Valsad on Sept. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following 32—86GI/82

Anupam Lalitmohan Gandhi
 Premlakumar Lalitmohan Gandhi;
 Tithal, Valsad

(Transferee)

(2) Shri Jevedlal Brijbhushanlal Shroff Mota Bazar, Valsad.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whicehever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property at S. No. 206/K, 206/1/B, 206/3/B, 205/4, 203/2, 205/3, Tithal Road Valsad, registered in Sept., 1981.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 21st April 1982

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st April 1982

Ref. No. P. R. No. 1596 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Nordh No. 4305, Wd. No. 2, Sagrampura situated at Surat (and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1909) in the office of the registering officer at Surat in Sept., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considerations therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parities, has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reducion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

- (1) P. A. Holder of Abdulkai Abdulkak-Bangalore;
 - Aminabibi Abdulkak;
 - Abdulkadar Abdulsatar;
 Kaliabibi Abdulsatar;
 Ichha Mehta Sheri, Sagrampura, Surat.

(Transferor)

(2) 1. Kamlaben Ishverlal;

Gauriben Jakishandas; Main Road, Sagrampura, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 4305, Wd. No. 2, Surat registered in Sept., 1981.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 21-4-1982

Shah;

Lallubhai

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor) (2) Kokilaben Kanchanlal Modi; Shreemali Sheri,

Godhra, At present staying at Braoda.

(2) Padmaben, widow of Jamnadas

Godhra. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IL HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, 2ND FLOOR, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-3080 009, the 22nd April 1982

Ref. No. P.R. No. 1597 Acq. 23-II/82-83.-Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. C.S. No. 462, 463 and 467 situated at Godhra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Godhra 21-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Godhra as fully described in sale deed No. 2540 registered in the office of Sub-Registrar, Godhra on 21-9-81.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

dated : 22-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-3080 009, the 23rd April 1982

Ref. No. P. R. No. 1598 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. R. S. No. 761/2 situated at Palanpur Kasba (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Palanpur on 8-9-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the nability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Patel Manjibhai Gowabhai; Becharpura, Palanpur.
 (Transferor)
 - 2. Madhavlal Chimanlal Shah (HUF), Palanpur, Presently staying at Madras.
 - 2. Madhavlal Chimanlal Shah (HUF), Through: Madhavlal Chimanlal Shah; Palanpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land at Palanpur Kasba bearing R. S. No. 761/2 and as fully described in sale-deeds No. 2584 and 2585 registered in the office of Sub-Registrar, Palanpur on 8-9-81.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 23-4-1982

Scal:

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23rd April 1982

Ref. No. P. R. No. 1599 Acq. 23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 419-1-3(P) land situated at Ankleshwar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (1908 of 1908) in the office of the registering officer at Ankleshwar in Sept., 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section 1(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Vijayalaxmi Jagdishchandra Inani; Janakrani Rikhavdev Sharma; Rikhavdev Tirathram Sharma; Jagmohan Jagdishram; Vidyaranti Jagdishram Anand; Chandradesh Palsabarav; Kusumlata Suneshchandra Maheshwari; Ushakumari Kisankumar & others; Ankleshwar.

(Transferces)

(2) President & Secretary of Shri Ram Coop. H. Secy. Prakashchandra Champaklal Lakhandwala; Tushar J. Shah; Opp. Vagetable Market, Ankleshwar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 419-1-3(P) land at Ankleshwar registered in Sept., 1981.

R. R. SHAH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 23-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISTTION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23rd April 1982 Ref. No. P.R. No. 1600 Acq. 23-II/82-83.—Whereas,

I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 37, 38, 40 & others situated at Village Pungam, Tal. Ankleshwar (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ankleshwar in Sept., 1981

for an apparent consideration which

is loss than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Behramji Andeshar Constractor & Cirubhai Behramji Contractor & others: Village Pungam, Tal. Ankleshwar.

(Transferor)

(2) Shri N. B. Patel; Cellulosc Products of India Ltd. National Chambers, 2nd (Floor, Office No. 4 &5 Nr. Dipalli Theatre, Ashram Road, Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Village Pungam—S. No. 37, 38, 40 and others, registered in Sept., 1981.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 23-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, IIND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 23rd April 1982

Ref. No. P.R. No. 1601Acq.23-II/82-83.—Whereas, I. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter) referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 22(P) at Bholav

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach on September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Shri Shanabhai Ishvarbhai Patel;
 Shri Chimanbhai Ishvarbhai Patel;
 Zadeshwar, Broach.

(Transferor)

(2) Shri Amar Asha Coop. H. Socy. Bholav, Broach.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Bholav S. No. 22(P) registered in September, 1981.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tAx,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date: 23-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
IIND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 23rd April 1982

Ref. No. P.R. No. 1602Acq.23-II/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 12(P) land situated at Ali, Broach (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach in September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the proper as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesnid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Adam Ese-Mahmad;
 2. Muse-Ese-Mahmad self and P. A. Holder of Fatma Ese-Mahmad;
 - Ahmad Esc Mahmad;
 Ayasha Esc Mahmad Ali, Broad.

(Transferor)

(2) Partner of Shri Dhanish Land Corporation; Ushaben Arvindlal Shah; Broach.

Objectinos, if any, to the acquisition of the said property (Transteree)

may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Ali—S. No. 12(P), registered in September, 1981.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date: 23-4-1982

kreelked entertries frage.

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
IIND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 23rd April 1982

Ref. No. P.R. No. 1603Acq.23-11/82-83.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 22 (Paiki) Land at situated at Bholav

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach in September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--33-86GL'S2

 Shri Ishvarbhai Jesingbhai Patel; Jamnaben Karsanbhai Patel; Zadeshwar, Broad.

(Transferor)

(2) Promoter of Shri Avdhutnagar Coop. Housing Society, Shri HemantKumar Prabodhchandra Shukla; Zalbhai Pat, Broach.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 22 (P) at Bholev, registered in September 1981.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date: 23-4-1982

FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II), 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 23rd April 1982

Ref. No. P.R. No. 1604Acq.23-JI/82-83. --Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding. Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 163(P) Sub-Plot No. 4/2 situated at Dungari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Broach on Sept. 1981

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Laxmi Organiser, Panch-Batti, Sevashram Road, Broach.

(Transferor)

(2) Laxminagar Coop. Hsg. Socy, Budhdev Market, Sevashram Road, Broach.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property at Dungari S. No. 163, Sub-Plot No. 4/2, registered in Scotember, 1981.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date: 23-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, Hyderabad

Hyderabad, the 12th April 1982

Ref. No. RAC 5/82-83.—Whereas, I S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing *1.5.

No. 2-3-1 situated at Metpalli Karimnagar Dt., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Metpally in September 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269b of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) 1. Nunugonda Hanmandlu S/o N. Narsimulu.
 - 2. Nunugonda Aniaian S/o N. Narsimulu.
 3. Nunugonda Maruthi S/o N. Narsimulu.
 4. Nunugonda Anantham S/o N. Narsimulu.
 - 4. Nunugonda Anantham S/o N. Narsimuu. 4-2-99 Main Road Metpally Karimnagar Dt. (Transferor)

(Transferor)

(2) Dr. Pandulae Silas Peter S/o P. Silas C/o Beersheba Hospital Metpally Tq. 505325 Karimnagar Dt.

(Transféree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Acr, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House M. No. 2-3-1 with total area 877.05 sq. yards at Metpalli Karimnagar Dt. registered with Sub-Registrar Metpally vide Doc. No. 1399/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 12-4-82

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD

Hyderabad, the 12th April 1982

Ref. No. RAC 6/82-83.—Whereas, I S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2-3-1 situated at Metpalli Karimnagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Metpalli in September 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Dealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Nunugonda Hanmadlu S/o N. Narsimulu.

2. Nunugonda Aniaiah S/o N. Narsimulu. 3. Nunugonda Maruthi S/o N. Narsimulu.

4. Nunugonda Anantham S/o N. Narsimulu, 4-2-99 Main Road Metpally Karimnagar Dt, (Transfero

(Transferor)
(2) Dr. Pandalae Jaya Prabhavathi W/o Dr. P. S. Peter
C/o Beersheba Hospital Metpalli Talug 505325
Karimnagar Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapater XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 2-3-1 area 693.94 sq. yards at Metpalli karimnagar District registered with Sub-Registrar Metpalli vide Doc. No. 1398/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P)

Date : 12-4-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, Hyderabad

Hyderabad, the 14th April 1982

Ref. No. RAC 7/82-83.—Whereas, I S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land Sy. No. 28/4 situated at Tirumalgiri Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Mare tpally in September 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri G. Bagareddy and others H. No. 3-54 Turakpalli
 Bollaram Vallabhnagar Ranga Reddy District.
 (Transferor)
 - (2) M/s Sanjeevaiah Nagar Co-operative House Bldg Society (TBC 55) 1-10-170 Boinpally Secunderabad, (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 Jays from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land in Survey No. 28/4 Tirumalgiri village Sesunderabad area 2419 sq. vards registered with Sub-Registrar Secunderabad vide Doc. No. 2518/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 14-4-82.

FORM 1.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, Hyderabad

Hyderabad, the 14th April 1982

Ref. No. RAC 8/82-83,-Whereas, I S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a (air market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. land S.Y. 28/4 situated at Tirumalgiri, Secunderabad, 'and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (10 of 1908), in the office of the Registering Officer at Maredpally on September 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the tranfer; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Sri G. Bagareddy & others H. No. 3-54 Turakpalli Bollaram Vallabhnagar Ranga Reddy District. (Transferor)
- (2) M/s Sanjeevaiah Nagar Co-op. House Bldg Society (TBC 55) 1-10-170 Boinpally, Secunderabad, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in Survey No. 28/4 Tirumalgiri village Secunderabad area 2420 sq. yards registered with Sub-Registrar Secunderabad vide Doc. No. 2507/81.

> S. GOVINDARAJAN Competent Authority, Acquisition Range, Hyderabad (A.P) Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 14-4-82.

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, Hyderabad

Hyderabad, the 15th April 1982

Ref. No. RAC 9/82-83.— Whereas, I S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 3-4-1005/15/1 situated at Barkatpura, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikadpally on September 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-soction (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri P. Raghuram Reddy H. No. 3-3-76 Kachiguda Hyderabad-500027. (Transferor)
- (2) Smt. Sampathi Devi Sutalia H. No. 3-4-16 Dr. Bhoomanna Marg Lingampally, Hyderabad-500027. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant house site land bearing No. 3-4-1005/5/1 Barkatpura Hyderabad-27, area 265 sq. yards registered with Sub-Registrar Chikadpally vide Doc. No. 794/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 15-4-82.

Seal

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th April 1982

Ref. No. RAC 10/82-83.—Whereas, I S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3-4-1005/5/1 situated at Barkatpura, Hyderabad. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chikadpally on September 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market of the property at aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri P. Venugopal Reddy H. No. 3-3-76 Kachiguda Hyderabad-500027.
- (2) Smt. Sushita Devi Sutalia H. No. 3-4-16 Dr. Bhoomanna Mara Lingampally Hyderabad-500027. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant House site land bearing premises No. 3-4-1005/5 1 Barkatpura Hyderabad 27, area 265 sq. yards registered with Sub-Registrar Chikudpally vide Doc. No. 787/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 15-4-82

FORM ITNS------

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT, OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 15th April 1982

Ref. No. RAC 11/82-83.—Whereas, I S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land sy. No. 137/1 to 5 situated at Sankesar Bazar Hyd (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on September 1981, for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of income.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—34—86GI/82

 Dr. C. Narasimha Reddy S/o Srinivas Reddy 17-1-410 Sankesar Bazar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s Sti Tirumala Co-operative Housing Society Rep. By M. Umapathy Reddy S/o M. Chandra Reddy H. No. Spl. 'C' C.l.B. Quarter No. 73 Old Malakpet, Hyderabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in Survey No. 137/1 to 5 area 3 Acres 4.5 guntas at Sankesar Bazar Saidabad Hyderabad registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 5551/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Hyderabad (A P.)

Date: 15-4-82

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 15th April 1982

Ref. No. RAC 12/82-83.—Whereas,I S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land situated at Sankesar Bazar, Hyderabad,

as most fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Hyderabad on September 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to bel'eve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (o) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the ransferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, herefore, in pursuance of Section 269C of the said Acr 1 nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Sri C. Ram Reddy S/o Srinivas Reddy 17-1-410 Sankesar Bazar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s Sri Tirumaia Co-operative Housing Society Rep. by M. Umapathy Reddy S/o M. Chandra Reddy H. No. Sri C' C.I.B. Quarter No. 73 old Malakpet, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in Survey No. 137/1, 137/2, 137/3 area 8 Acres at Sankesar Bazar Saidabad Hyderabad registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 5514/81.

> S. GOVINDARAJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 15-4-82. Seal:

FORM INTS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 15th April 1982

Ref. No. RAC 13/82-83,--Whereas, I S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. Land Sy. No. 137/1, 137/2, 137/5 situated at Sankesar Bazar.

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on September 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the primes has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transeree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Sri C. Srinivas Reddy S/o Narsimha Reddy,
 Sri C. Srinivas Reddy S/o Srinivas Reddy.
 17-1-410 Sankesar Bazar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s Sri Tirumala Co-ojerative Housing Society Rep. by M. Umapathy Reddy S/o M. Chandra Reddy H. No. Spl 'C' C.I.B. Quater No. 73 Old Malakpet, Hyderabad. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later: 14 当3
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in Survey No. 137/1, 137/2 & 137/5 area 9 Ac. 38 grutas at Sankesar Badar Saidabad Hyderabad registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. Nq. 5513/81.

S. GOVINDARAJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 15-4-82.

FORM J.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 15th April 1982

Ref No. RAC 14/82-83.—Whereas, P. S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 5-7-624/6 situated at Khalilwadi, Nizamabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nizamahad on September 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as afore aid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri N. Rama Krishna Reddy S/o Narsimha Reddy R/o Rampur village Taluk & Dt. Nizamabad.

 (Transferor)
- (2) Smt. Rameshwari Devi Bajaj W/o Ramnivas Bajaj H. No. 7-1-82/1 Ramgopal Veedhi Nizamabad. (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of double storied building M. No. 5-7-624/6 Khalilwadi Nizamabad land area 47720 sq. yards registered with Sub-Registrar Nizamabad vide Doc. No. 4821/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 15-4-82

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 15th April 1982

Ref. No. RAC 15/82-83.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

No. 5-7-624/6 situated at Khalilwadi, Nizamabad,

(and more fully described in the Schedule anneed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at Nizamabad on September 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the India Income-tax Act, 1922 Act, 1957 (27 of 1957);

Now, threfore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sri V. Ganga Reddy S/o Madhav Reddy Valgott village Taluq Beemgal Nizamabad Dt.
 Sri N. Ramakrishna Reddy S/o Narsimha Reddy Rampur village Taluk and District Nizamabad.
 (Transferor)
- (2) Smt. Susheela Devi Bajaj W/o Balkrisban Bajaj H. No. 7-1-82/1 Ramgopal Veedhi Nizamabada. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of double storied Building M. No. 5-7-624/6 Khalil Wadi Nizamabad area 157.36 sq. vards registered with Sub-Registrar Nizamabad vide Doc. No. 4839/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 15-4-82.

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 15th April 1982

Ref. No. RAC 16/82-83,---Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 5-7-624/6 situated at Khalilwadi, Nizamabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Nizamabad on September 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre ten the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sri V. Madhav Reddy S/o Ramkista Reddy Valgote village Taluk Beemgal, Nizumabad.
 Sri N. Ramkrishana Reddy S/o Narsimha Reddy Rampur village Taluk and District Nizumabad.
 (Transferor)
- (2) Sri Bhagwandas Bajaj S/o Ramnivas Bajaj H. No. 7-1-82/1 Ramgopal Vcedhi, Nizamabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a preiod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of double storied building M. No. 5-7-624/6 Khalilwadi Nizamabad area 176.29 sq. yards registered with Sub-Registrar Nizamabad vide Doc. No. 4841/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 15-4-82

FORM ITNS------

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX. ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 15th April 1982

Ref. No. RAC 17/82-83.—Whereas, I S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. 5-7-624/6 situated at Khalilwadi Nizamabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nizamabad on September 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income to Act. 1/2 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Rox Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby mutate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (4) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Sri N. Raghupathi Reddy S/o Narsimha Reddy Sirnapalli village Taluk & Dt. Nizamabad.
 Sri N. Ramakrishna Reddy S/o Narsimha Reddy Rempur Village Taluk & District Nizamabad. (Transferor)
- (2) Sint. Shanta Devi Parikh W/o Madanlal Parikh 7-2-4/5 Godown Road, Nizamabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of double storied Bldg M. No. 5-7-624/6 Khalilwadi Nizamabad area 152.00 sq. yards registered with Sub-Registrar Nizamabad vide Doc. No. 4840/81.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 15-4-82

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 21st April 1982

Ref. No. RAC 18/82-83.—Whereas, I S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 5-8-564, 570, 571, 582 Abids Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on December 1981, for an apparent consideration which is less than

the fuir market value of the aforesaid property, and I have reascu to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Sri Hamid Ali Khan S/o Late Shri Gulam Hussain Khan Rep. by GPA Smt. Arzulunissa Pegum W/o Late Sri Gulam Hussain Khan H. No. 3-2-374 Chappal Bazar Kashiguda, Hyderabad. (Transferor)
 - 1. Bhagwandas S/o Late Shri Nanuram.

 - Rajesh Kumar S/o Sii Brij Mohan. Kumari Seema Gupta D/o Sri Brij Mohan. Master Manish Kumar S/o Sri Brij Mohan. Master Sanjeev Kumar S/o Jag Mohan. Master Asshish Kumar S/o Jag Mohan.

 - Master Rajnish Kumar S/o Jag Mohan. Master Amit Kumar S/o Hanumanth Kumar.
 - Kumari Radhika Rani D/o Hanumanth Kumar.

H. No. 21-2-104, Charkaman, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from' the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property M. No. 5-8-564, 5-8-570. 5-8-571 and 5-8-572 with appurtaining land admeasuring about 2256 sq. yards at Abid Road Hyderabad registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 7321/81,

> S. GOVINDARAJAN Gempetent Authority Inspecting Asstf. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 21-4-82.